जबलपुर बुधवार 8 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष अष्टमी

वर्ष 33 अंक 13 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 30.6°C
न्यूनतम तापमान 25.2°C
सूर्योदय - 5.31 | सूर्यास्त - 7.00

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मां की मौत के बाद पिता ने भाई-बहन को घर से... ▶▶ 4

उर्वशी रौतेला की हिंदी और संस्कृत पर पकड़ की... ▶▶ 7

संवेदनाएं बनीं संबलः टीबी मरीजों के साथ... ▶▶ 9

अहमदाबाद धमाकाः 38 दोषियों की सजा-ए-मौत बरकरार

गुजरात हाईकोर्ट का फैसला, 11 अन्य को उम्रकैद

अहमदाबाद

साल 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने 38 दोषियों को दी गई मौत की सजा और 11 अन्य को उम्रकैद की पुरानी सजा को बरकरार रखा है। इस मामले के पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अमित पटेल ने कहा, इस मामले की सुनवाई मार्च 2025 से रोज़ाना हो रही थी। मंगलवार को हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने अपना फ़ैसला सुनाया। सुनाए गए फ़ैसले में, ट्रायल कोर्ट द्वारा 38 दोषियों को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया है। अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों में आजमगढ़ का आतंकी भी इसी मामले से कनेक्शन सामने आया था। सरायमीर के बीनापार गांव के निवासी अबु बशर को इन धमाकों का मास्टरमाइंड माना गया था। इसके अलावा संजरपुर के मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद सैफ, बाज बहादुर के शकीब निसार और बदरका चौकी के शैफुर रहमान का नाम भी आतंकियों में शामिल था। आजमगढ़ जिला, जिसे आतंक की फैक्ट्री के नाम से जाना जाता था, एक बार फिर से अहमदाबाद बम विस्फोट के मामले में आदेश आने के बाद से चर्चा में है। 2008 के बाद से आजमगढ़ का संजरपुर एक बार फिर आतंकवाद के मामले में सुर्खियों में इस मामले से आया है। मंगलवार को आतंकियों को फांसी की सजा मिलने के बाद आरोपितों के परिजनों की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस मामले में कई आरोपितों की संलिप्तता के सबूत मिलने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था। जबकि कुछ वर्ष पूर्व इसी मामले में हबीब अहमद, शाकिब

निसार और जाकिर शेख को सबूतों के अभाव में बरी किया गया था।

56 लोगों की गई थी जान

गुजरात के अहमदाबाद में 26 जुलाई 2008 को 70 मिनट के भीतर 21 अलग-अलग बम धमाकों ने गुजरात को हिलाकर रख दिया था। इन धमाकों में 56 लोगों की जान गई और लगभग 200 लोग घायल हुए थे। इस घटना में कुल 80 आरोपियों पर मुकदमा चलाया गया। मास्टरमाइंड के रूप में आजमगढ़ निवासी अबु बशर का नाम सामने आया था।

आजमगढ़ से जुड़े थे तार

आतंकवाद के मामलों में आजमगढ़ का नाम बार-बार सामने आता रहा है। संजरपुर और सरायमीर जैसे क्षेत्रों में आतंकवाद से जुड़े कई लोगों के नाम सामने आने के बाद से आजमगढ़ सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर आ गया है। अबू सलेम से लेकर दाऊद तक के संपर्कों की कहानी आजमगढ़ में लिखी और मिटाई जा चुकी है। अहमदाबाद सीरियल बम धमाका भी इसी कड़ी में शामिल है।

आजमगढ़ के 7 को मिली फांसी की सजा

अहमदाबाद में आजमगढ़ के फांसी की सजा पाने वाले आतंकियों की सूची में मुफ्ती अबुल बशर बीनापारा सरायमीर, मोहम्मद सैफ संजरपुर सरायमीर, आरिफ मिर्जा नसीम संजरपुर सरायमीर, आरिफ बदर इसरौली सरायमीर, सैफुल रहमान बदरका, मोहम्मद जीशान बाज बहादुर सहित एक अन्य का नाम सामने आया था।

डीएसपी के पास मिली 300 करोड़ की संपत्ति

हैदराबाद। तेलंगाना में पुलिस के डीएसपी के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति मिली है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान संकीरेड्डी भीम रेड्डी के रूप में हुई है। आरोप है कि संकीरेड्डी भीम रेड्डी के पास 300 करोड़ रुपये की गैर-कानूनी संपत्ति है, जिसमें से कुछ तेलंगाना व कर्नाटक में उनके रिश्तेदारों, दोस्तों, कथित बेनामीदारों और सहयोगियों के नाम पर हैं। तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो को रेड्डी के घर से 3.60 लाख रुपये नकद, 2 किलो सोने के गहने और लगभग 20 किलो चांदी के सामान मिले। उनके बेनामीदार के घर से 40 लाख नकद और मिले। इसके अलावा लगभग 20 लाख रुपये का बैंक बैलेंस भी मिला है।

5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम घोषित

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को कक्षा 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए। विद्यार्थी व अभिभावक राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल पर परिणाम देख सकते हैं। राज्य शिक्षा केन्द्र के अपर संचालक डॉ. अरूण सिंह ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 की पुनः परीक्षा में कक्षा 5वीं में 80.42 एवं कक्षा 8वीं में 74.16 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं, मुख्य वार्षिक परीक्षा और पुनः परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या को मिलाकर इस सत्र में कक्षा 5वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.89 एवं कक्षा 8वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.19 प्रतिशत रहा है।

10 करोड़ की एमडी ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

रीवा। रीवा पुलिस ने मंगलवार को 3.087 किलोग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों की गिरफ्तारी का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार, जब्त ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 करोड़ रुपये है। आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि 6 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम सोनवर्षा निवासी मंडप सिंह और ज्ञानभूषण शर्मा मोटरसाइकिल से बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स लेकर बिक्री के लिए जाने वाले हैं। सूचना मिलते ही थाना गढ़ पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया।

भारत-इंडोनेशिया के बीच समुद्र दूरी का प्रतीक नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने जकार्ता में इंडोनेशियाई संसद को संबोधित किया

जकार्ता

इंडोनेशिया की सांसद को संबोधित करते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इंडोनेशिया के लोगों, यहां के बच्चों, महिलाओं और युवाओं ने इस दिन को मेरे जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक बना दिया है। आज सुबह इंडोनेशिया के लोगों ने जिस तरह से मुझे अपना प्यार दिखाया और मेरा स्वागत किया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, आज सुबह मुझे इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान को प्राप्त करने का सौभाग्य भी मिला, यह सम्मान हमारे दोनों देशों के लोकतांत्रिक मूल्यों और साझा विरासत, तथा दोनों देशों के बीच मजबूत होते संबंधों को समर्पित है। मैं आप सभी का, राष्ट्रपति का, इंडोनेशिया सरकार का और इस देश

की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। पीएम बोले, आज भारत और इंडोनेशिया इतिहास के एक अहम पड़ाव पर साथ खड़े हैं। इस सदी का पहला दौर बीत चुका है और आने वाले 25 साल हमारे दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होंगे। मैं इस संकल्प के साथ आया हूं कि भारत और इंडोनेशिया मिलकर पूरी मानवता में नई ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। जब भारत के 1.4 अरब नागरिक और इंडोनेशिया के 29 करोड़ नागरिक मिलकर आगे बढ़ेंगे, तो दुनिया एक नया इतिहास देखेगी। भारत दुनिया का वह देश है जो विस्तारवाद की नहीं, बल्कि विकास की नीति पर चलता है। इसीलिए हम भारत में कहते हैं- सबका साथ, सबका विकास। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, दूसरे देशों में समुद्र भले ही सीमाओं और दूरियों का कारण रहा हो, लेकिन भारत और इंडोनेशिया के बीच समुद्र दूरी का प्रतीक नहीं, हमारे बीच एक सेतु है। यह हमारे साझा भविष्य का केंद्र है। भारत, इंडोनेशिया और हिंद महासागर, यह हमारे आपसी जुड़ाव की गवाही देते हैं। हज़ारों वर्षों तक हमारे पोर्ट दुनिया को जोड़ते रहे हैं। हमारे जहाज, व्यापार और संस्कृति को दूर-दूर तक लेकर गए।

मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मंगलवार को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पुरस्कार को 140 करोड़ भारतीयों का यश बताया। राष्ट्रपति सुबियांतो ने जकार्ता में आयोजित विशेष समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। यह इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जिन्होंने इंडोनेशिया की अखंडता, संप्रभुता और सम्मान के लिए अद्भुत कार्य किए हों। सम्मान प्राप्त करने के बाद प्रधानमंत्री ने इंडोनेशिया की सरकार और वहां की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आज सुबह मुझे बहुत स्नेह और आदर के साथ इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। यह सम्मान कोटि-कोटि भारतवासियों का है। यह इंडोनेशिया के लोगों की भावनाओं, भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक तथा आत्मीय संबंधों का सम्मान है।

'मैं पीएम मोदी को कॉपी करता हूं'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में आयोजित राजकीय भोज के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा, 'मैं पीएम मोदी के सामने यह स्वीकार करना चाहता हूं कि मैं आपके करियर को फॉलो करता हूं और आपके कई कार्यक्रमों को कॉपी भी करता हूं और मुझे यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं है कि यह इंडोनेशिया जैसे बैकग्राउंड और समस्याओं वाले करोड़ों लोगों के लिए सफल हो सकता है, भारत ने बहुत तरक्की की है इसलिए मैं स्वीकार करता हूं कि मैं आपके करियर को फॉलो करता हूं, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

ब्रह्मोस डील पर लगी मुहर

भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों में मंगलवार को एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। जकार्ता में दोनों देशों के बीच कुल 20 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, जिनमें सबसे ज्यादा चर्चा ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल डील की रही। पिछले चार महीनों से चल रही बातचीत के बाद भारत ने इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल की अतिरिक्त यूनिट देने पर सहमति जताई है। इसके साथ ही इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम के बाद ब्रह्मोस खरीदने वाला तीसरा देश बन गया है। इतना ही नहीं, इंडोनेशिया ने ऑपरेशन सिंदूर में प्रभावी साबित हुई भारत की स्वदेशी 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल खरीदने का भी फैसला किया है। रक्षा सहयोग के अलावा दोनों देशों ने लोकतांत्रिक और तकनीकी साझेदारी को भी नई दिशा दी है। भारत, इंडोनेशिया के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने में सहयोग करेगा।

'मेरा कचरा-मेरी जिम्मेदारी' का संकल्प प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाएगा : डॉ. यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर मध्यप्रदेश के जागरूक नागरिकों के अमूल्य और अनुकरणीय सहयोग से राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं। पर्यावरण संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2026 से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 को प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह नवीन नियम केवल नगरीय निकायों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें राज्य के सभी शासकीय विभागों में समान रूप से लागू किया गया है। इसके अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों से निकलने वाले कचरे को भी समेकित कर वैज्ञानिक पद्धति से प्रबंधित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दूरगामी नियम का सफल क्रियान्वयन केवल शासकीय प्रयासों से संभव नहीं है, इसके लिए राज्य के प्रत्येक नागरिक, संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान को आगे आकर अपनी महती भूमिका निभानी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य को रेखांकित करते हुए प्रदेशवासियों से अपनी दैनिक दिनचर्या में विशेष आदतों को सम्मिलित करने के लिए कहा कि पर्यावरण को अक्षुण्ण रखने के लिए हमें यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि हम किसी भी प्रकार का कचरा न तो खुले में फेंकेंगे और न ही उसे जलाएंगे। अपने घर, गली, मोहल्ले और नगर को कचरा मुक्त बनाने के लिए यह आवश्यक है कि नागरिक अपने घरों से निकलने वाले अपशिष्ट को चार श्रेणियों- गीला, सूखा, सैनिटरी एवं स्पेशल केयर में अनिवार्य रूप से अलग-अलग करके ही अधिकृत कचरा संग्रहण वाहन को सौंपें। कचरे को संपदा में बदलने और पुनर्चक्रण के सिद्धांतों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से गृह-स्तर पर जैविक खाद निर्माण अपनाने की अपील की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य के समस्त नगरीय निकायों को प्रदेश के प्रत्येक घर, व्यावसायिक दुकान और झुग्गी बस्तियों से नियमित, समयबद्ध और निर्बाध रूप से कचरे का संग्रहण करने के निर्देश दिए। इस जन-सरोकार के कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी

राजनीति नहीं, अब धर्मरक्षा करूंगा : दिग्विजय

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार और ट्रस्ट पदाधिकारियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस मुद्दे को लेकर वे करीब 20 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से पदयात्रा शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि यात्रा में किसी राजनीतिक दल का झंडा नहीं रहेगा, बल्कि सभी धर्मों के झंडे होंगे। दिग्विजय ने घोषणा की कि अयोध्या आंदोलन के दौरान चार गोलियां खाने वाले कारसेवक संतोष दुबे उनकी यात्रा के मुख्य अतिथि होंगे। दिग्विजय सिंह ने कहा कि उनकी यात्रा किसी राजनीतिक दल की नहीं बल्कि धर्म रक्षा की यात्रा होगी। उन्होंने कहा कि वे किसी नेता को विशेष रूप से आमंत्रित नहीं करेंगे, लेकिन कारसेवक संतोष दुबे को मुख्य अतिथि बनाएंगे। उन्होंने कहा कि संतोष दुबे राम मंदिर आंदोलन के दौरान चार गोलियां खा चुके हैं और उनका सम्मान किया जाना चाहिए।

20 अक्टूबर से शुरू होगी पदयात्रा

दिग्विजय ने कहा कि पहले उन्होंने यात्रा 2 अक्टूबर से शुरू करने का विचार किया था, लेकिन सुझाव मिलने के बाद अब इसे करीब 20 अक्टूबर से शुरू करेंगे। यात्रा उज्जैन के महाकाल मंदिर से निकलेगी। उन्होंने कहा कि महाकाल मंदिर और राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कथित घोटालों को जनता के सामने लाया जाएगा। दिग्विजय सिंह ने कहा कि मौजूदा राम मंदिर ट्रस्ट को भंग कर पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव द्वारा प्रस्तावित रामालय ट्रस्ट जैसी व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने कहा कि इसमें पांचों शंकराचार्यों को सदस्य बनाया जाए और किसी ईमानदार अधिकारी को सीईओ नियुक्त किया जाए।

सुप्रीम कोर्ट विवाद का असर

एनसीईआरटी ने नए सिरे से लिखा न्यायपालिका का पाठ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद एनसीईआरटी ने मंगलवार को क्लास 8 की नई सोशल साइंस की किताब जारी कर दी है। बदली हुई किताब में न्यायपालिका से जुड़े विवादित चैप्टर को हटा दिया गया है। बदले हुए चैप्टर में अब न्यायपालिका से जुड़ी आलोचनात्मक बातों की जगह न्याय, संवैधानिक उपायों, अदालतों, ट्रिब्यूनल और विवाद सुलझाने के तरीकों को शामिल किया गया है। सबसे बड़ा बदलाव चैप्टर 4, 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' में किया गया है। बदले हुए वर्जन में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' वाला हिस्सा और एक बड़ी चुनौती के तौर पर 'पेंडिंग मामलों (बैकलॉग)' को हटा दिया गया है। इसके बजाय इसमें न्याय का कॉन्सेप्ट क्या है? एक न्यायपूर्ण और मिलनसार समाज के लिए यह क्यों जरूरी है? भारत में न्यायपालिका का ढांचा और भूमिका क्या है? और विवाद सुलझाने के वैकल्पिक तरीके क्या हैं? को शामिल किया गया है। पहले वाले वर्जन में कहा गया था कि न्यायपालिका को 'भ्रष्टाचार' और 'बहुत ज्यादा पेंडिंग मामलों' का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही प्राप्त

शिकायतों का जिक्र किया गया था। इसमें बताया गया था कि न्यायपालिका के पास शिकायतें लेने के लिए एक तय प्रक्रिया है। 2017 से 2021 के बीच ऐसी 1600 से ज्यादा शिकायतें मिली थीं। जिस हिस्से पर सबसे ज्यादा आपत्ति जताई गई थी, उसमें कहा गया था कि लोग न्यायपालिका के अलग-अलग स्तरों पर भ्रष्टाचार का अनुभव करते हैं, साथ ही यह भी कहा गया था कि पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने की कोशिशें की जा रही हैं। फरवरी में किताब जारी होने के तुरंत बाद इसपर विवाद शुरू हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद बदला चैप्टर

सुप्रीम कोर्ट ने खुद मामले का संज्ञान में लेते हुए फिजिकल और डिजिटल कॉपी वापस लेने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि चैप्टर से ऐसा लगता है कि न्यायपालिका ने संस्थागत भ्रष्टाचार को तो माना, लेकिन संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और न्याय तक पहुंच में अपनी भूमिका को छोड़ दिया। बाद में एनसीईआरटी ने कहा कि चैप्टर को फिर से लिखा जाएगा। नया चैप्टर अब मुख्य रूप से संवैधानिक ढांचे पर केंद्रित है। इसमें कहा गया है कि न्यायपालिका सरकार के तीन स्तंभों में से एक है और विधायिका और कार्यपालिका से स्वतंत्र है।

मेरा जीवन खुली किताब, सभी सच सामने आएगा

इस्तीफे के बाद चंपत राय ने रामभक्तों के नाम लिखी चिट्ठी

अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय के द्वारा एक्स पर पोस्ट की गई चट्ठी वायरल हो रही है, जिसमें उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों के बारे में बात की है। इस चिट्ठी में उन्होंने एसआईटी की रिपोर्ट के बारे में भी जिक्र किया है। चंपतराय ने चिट्ठी में लिखा पिछले 7 जून 2026 से, श्री रामजन्मभूमि मंदिर परिसर के दानपात्र की गणना के समय की गई चोरी के सम्बन्ध में अनेक प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं, व्यक्तिगत मेरे ऊपर कई लोगों ने अनर्गल

आरोप लगाए हैं, मैंने मौन धारण कर लिया है, मंदिर ट्रस्ट की 6 जुलाई को सम्पन्न बैठक में एसआईटी की प्राथमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, यह रिपोर्ट अब सार्वजनिक हो चुकी है। हालांकि, यह परम गोपनीय थी। आप सभी को आश्वस्त करता हूं कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद, फैलाए जा रहे सभी बिन्दुओं पर अपना उत्तर क्रमानुसार दूंगा, सभी सत्य सामने आ जाएगा। मैं संगठन द्वारा अक्टूबर 1991 से अयोध्या में भेजा गया। मेरा प्रचारक जीवन 45 वर्ष है। जहां-जहां मैं रहा, खुली पुस्तक के समान है। सभी को आदर पूर्वक नमन।

प्रतिभागियों ने समझा गोल्डन मिनट्स का महत्व, सीखे जीवनरक्षक कौशल

जिन्सार द्वारा शासकीय शिक्षा महाविद्यालय में सीपीआर प्रशिक्षण का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) द्वारा जनस्वास्थ्य जागरूकता एवं सामुदायिक सेवा के अपने सतत प्रयासों के अंतर्गत 7 जुलाई को शासकीय शिक्षा महाविद्यालय (पीएसएम) में कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) विषय पर एक दिवसीय सार्वजनिक शिक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हृदयाघात अथवा आकस्मिक आपातकालीन परिस्थितियों में जीवनरक्षक प्राथमिक सहायता प्रदान करने हेतु आवश्यक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना था। यह कार्यक्रम शासकीय शिक्षा महाविद्यालय (पीएसएम) की प्राचार्य एफ. एक्का की अनुमति, प्रोत्साहन एवं सहयोग से आयोजित किया गया। उन्होंने ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देते हुए संस्थान द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के सफल संचालन में महाविद्यालय के समन्वयक प्रो. डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव का भी विशेष योगदान रहा। उन्होंने कार्यक्रम के समन्वयन के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विस्तार से दी जानकारी

कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में किया गया, जिनके नेतृत्व एवं सहयोग से यह जनजागरूकता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रो. डॉ. अनूप तिवारी का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। हुआ। सीपीआर एवं बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रो. आराधना धन्यबाद, प्रोफेसर, मेडिकल-सर्जिकल नर्सिंग विभाग, द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को हृदय गति रुकने के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, समय पर आपातकालीन चिकित्सा सेवा को सक्रिय करने की प्रक्रिया, उच्च गुणवत्ता वाले चेस्ट कंप्रेशन, रेस्क्यू ब्रीदिंग तथा गोल्डन मिनट्स में सही प्राथमिक उपचार प्रदान करने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

117 प्रतिभागियों ने लिया भाग

इसके उपरांत मोहम्मद अलीम द्वारा सीपीआर का सजीव एवं चरणबद्ध व्यावहारिक प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद आयोजित हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों ने स्वयं मैनिकिन पर सीपीआर का अभ्यास किया तथा विशेषज्ञों से आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस व्यावहारिक प्रशिक्षण से प्रतिभागियों में आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया देने का आत्मविश्वास विकसित हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों सहित कुल 117 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने अनेक जिज्ञासाएँ प्रस्तुत कीं, जिनका विशेषज्ञों द्वारा वैज्ञानिक एवं सरल भाषा में समाधान किया गया। कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत सहभागितापूर्ण, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी रहा।

बचाया जा सकता है जीवन

कार्यक्रम के माध्यम से पुनः यह संदेश दिया कि यदि प्रत्येक नागरिक को सीपीआर जैसी जीवनरक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त हो, तो हृदयाघात एवं अन्य आकस्मिक आपात स्थितियों में अनेक बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं। इस प्रकार के जनजागरूकता कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य शिक्षा के प्रसार एवं आपदा-तत्पर नागरिकों के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों, आयोजकों, सहयोगियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की गई।

उद्योगों को फायर एनओसी पर मिले छूट, प्रक्रिया को किया जाए सरल

एमएसएमई मंत्री से मिले फेडरेशन ऑफ मप्र चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के सदस्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

फेडरेशन ऑफ मप्र चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के प्रतिनिधि मंडल ने अध्यक्ष हिमांशु खरे के नेतृत्व में मप्र के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप से भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने मंत्री को उद्योगों को फायर एनओसी से छूट देने, निर्यातोन्मुखी ट्रांसपोर्ट सब्सिडी आदि के संबंध में आवश्यक कार्यवाही हेतु निवेदन किया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही फायर एक्ट के पास होने पर फैक्ट्री लायसेंस के अन्तर्गत आने वाले उद्योगों को छूट दी जाएगी तथा जो इसमें शामिल नहीं हो पा रहे है उनके लिए प्रक्रिया को सरल किया जाएगा। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार उद्योगों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से

सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि ट्रांसपोर्ट सब्सिडी योजना निर्यातकों की मांग पर प्रारंभ की गई थी ताकि उनकी परिवहन लागत कम हो सके और वे वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि वर्तमान में इस योजना का अपेक्षित उपयोग नहीं हो रहा है तथा इसके अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार हेतु फेडरेशन शासन की सहायता करें। इसके साथ ही मंत्री ने अधिकाधिक निर्यातकों एवं उद्योगों से इस योजना का लाभ लेने का आग्रह किया। अंतरराष्ट्रीय ट्रेड फेयर में सहभागिता हेतु किया गया अनुरोधफेडरेशन ने सुझाव दिया कि प्रदेश के निर्यातकों को प्रतिवर्ष उनकी आवश्यकता एवं पसंद के अनुसार दो अंतराष्ट्रीय ट्रेड फेयर में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाए तथा इस पर होने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति शासन द्वारा की जाए। इस पर मंत्री श्री काश्यप ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। फेडरेशन के प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष हिमांशु खरे, संयुक्त अध्यक्ष विरेन्द्र कुमार पोरवाल, डॉ. आरएस गोस्वामी, अशोक आनंद, आदि उपस्थित रहे।

घर में तोड़फोड़ करने वाले आरोपियों पर प्रकरण दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरेला थाने में 46 वर्षीय सुनील खरोदा निवासी ग्राम महगवा काशी ने शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया की उसके पड़ौस में रहने वाले नंदकिशोर तिवारी, दिनेश तिवारी द्वारा सूने घर में 14 जून को घुसकर तोड़फोड़ कर कब्जा किया गया।वह रात में घर आया देखा घर का ताला टूटा हुआ था। लाईट मीटर कनेक्शन छतिग्रस्त था घर में रखा सोने का 1 मंगलसूत्र, 1 अंगूठी, चांदी की पायल, करधन तथा गृहस्थी का सामान कपड़े बर्तन,सीलिंग फेन, सेटबाक्स, साईकिल नहीं थे और मेन गेट हटाकर दीवाल खड़ी कर दिये तथा उसके रखे सामान को खुर्दबुर्द कर दिया है।

अधूरा रहा जून का कोटा, जुलाई से बढ़ी बारिश से आस

झमाझम बारिश के साथ मानसून पूरी तरह सक्रिय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में मंगलवार को सुबह से ही आसमान बादलों की मोटी परत से ढंका रहा, जिसके चलते धूप के दर्शन नहीं हुए। दिनभर ठंडी हवाओं के साथ रुक-रुक कर रिमझिम बरसात का दौर चलता रहा, जिससे लोगों को भीषण उमस से खासी राहत मिली। मौसम विभाग की मानें तो जुलाई के इस पहले हफ्ते से अब बारिश की रफ्तार में तेजी आने की पूरी उम्मीद है, जो किसानों और आम नागरिकों के लिए राहत की खबर है। मंगलवार को तापमान 30.6 तो वहीँ न्यूनता तापमान 25.2 दर्ज किया गया

जून में हुई कम बारिश

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस बार मानसून ने तय समय से थोड़ा लेट यानी 30 जून को अपनी सक्रियता दर्ज कराई। मानसून की इस लेटी लतीफी का असर जून महीने के बारिश के आंकड़ों पर साफ देखा जा सकता है। अमूमन जून माह में जहां औसतन 186.6 मिलीमीटर वर्षा होनी चाहिए थी, वहीं इस बार महज 62.7 मिलीमीटर बारिश ही रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य से काफी कम है।

जय बने मप्र पंजा कुश्ती संघ के अध्यक्ष

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। इंडियन आर्म रेसलिंग फेडरेशन के महासचिव मनोज नायर एवं मप्र संघ के महासचिव प्रकाश यादव द्वारा जय घनघोरिया को प्रदेश संघ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी इस नियुक्ति पर संरक्षक एड. अशोक गुप्ता, एनबी क्षत्री, उपाध्यक्ष संजय साहू, एड. सुदीप सिंह सैनी, शाहबाज़ खान, मो. नईम, ऋषि भान सिंह ठाकुर आदि ने बधाई दी।

मंडी में नहीं लगी मूंग-उड़द की बोली, भड़क उठे किसान

नेशनल हाईवे-30 पर चक्काजाम कर किया प्रदर्शन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा कृषि उपज मंडी में पिछले दो दिनों से मूंग और उड़द की खरीदी बंद होने से नाराज किसानों का गुस्सा फूट पड़ा । मंगलवार दोपहर बड़ी संख्या में किसानों ने मंडी के पास पहरेवा में नेशनल हाईवे-30 पर धरना देकर चक्काजाम कर दिया। इस अचानक हुए प्रदर्शन के कारण जबलपुर-कटनी मार्ग पर करीब 40 मिनट तक यातायात पूरी तरह ठप रहा और चिलचिलाती धूप में सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। मंडी पहुंचे आक्रोशित किसानों का आरोप है कि वे पिछले दो दिनों से फसल लेकर मंडी परिसर में बैठे हुए हैं, लेकिन व्यापारी मूंग और उड़द की बोली लगाने को तैयार नहीं हैं। खरीदी प्रक्रिया शुरू न होने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, करीब 100 से 150 किसान लगभग 8 से 10 हजार क्विंटल उपज लेकर मंडी आए हैं, लेकिन व्यापार ठप होने के कारण उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। इसी उदासीनता के विरोध में किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

मौके पर पहुंची पुलिस

हाईवे पर जाम और हंगामे की सूचना मिलते ही खितौला थाना पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने सड़क पर बैठे किसानों को समझाने का प्रयास किया और उनकी जायज मांगों पर उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पुलिस की समझाइश और मंडी प्रशासन से बात करने के आश्वासन के बाद किसान शांत हुए और करीब 40 मिनट बाद हाईवे से जाम हटाया गया। खितौला थाना प्रभारी रमन सिंह ने बताया कि हाईवे जाम होने की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला था। किसानों को समझाया गया कि कानून व्यवस्था को हाथ में लेकर हाईवे ब्लॉक करना सही नहीं है, उनकी समस्याओं का समाधान मंडी प्रशासन के माध्यम से ही कराया जाएगा। पुलिस की समझाइश के बाद किसान मान गए और जाम समाप्त कर दिया गया, जिसके बाद फंसे हुए वाहनों को गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

जबलपुर पहुंची छिंदवाड़ा सांसद की पदयात्रा, हुआ भव्य स्वागत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

छिंदवाड़ा सांसद बंटी विवेक साहू क़ी मैहर धाम क़ी पदयात्रा सोमवार रात्रि को जबलपुर पहुंची, उल्लेखनीय है कि सांसद बंटी साहू छिंदवाड़ा से मैहर धाम तक पैदल यात्रा का संकल्प लेकर 01 जुलाई को छिंदवाड़ा से निकले थे, जो जबलपुर पहुंची जहां जबलपुर के जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओ सामाजिक संगठनों ने भव्य स्वागत किया। सांसद बंटी विवेक साहू की यात्रा 1 जुलाई को छिंदवाड़ा से प्रारम्भ हुई सिवनी, धुमा होते हुए 6 जुलाई को बरगी

पहुंची जहां रात्रि विश्राम के पश्चात 7 जुलाई को पुनः बरगी से प्रारम्भ होकर तिलवारा, अंधमूक चौराहा होते हुए पाटन बायपास के समीप पहुंची जहाँ रात्रि विश्राम हुआ. यात्रा पुनः 8 जुलाई को आगे गनतव्य को रावना होंगी जो कटनी होते हुए 13 जुलाई को मैहर पहुंचगी. मैहर में 14 जुलाई को पूजन अर्चन किया जायेगा और यात्रा सम्पन्न होंगी। जबलपुर आगमन पर सांसद आशीष दुबे, बरगी विधायक नीरज सिंह, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व महापौर प्रभात साहू, रविकिरण साहू, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकान्त साहू आदि ने स्वागत किया।

चाकू मारकर किया घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। लार्डगंज थाने में 24 वर्षीय कन्हैया रैकवार निवासी बड़ी उखरी ,विजयनगर ने शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया की देर रात वह अपने साथी विनय रैकवार के साथ एक्टिवा से बल्देवबाग से उखरी जा रहे था । आगा चौक में पेट्रोल पम्प के पास यश ठाकुर और यश बेन मिले जो पेट्रोल डलाने के लिये 500 रूपये मांगने लगे, रूपये देने से मना करने पर गाली गलोज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर दोनों मारपीट करने लगे, यश ठाकुर ने उसे पकड़ लिया तथा यश बेन ने चाकू से हमलाकर उसे चोटें पहुँचा दी उसका साथी विनय रैकवार बीच बचाव करने लगा ।

दत्त मंदिर में सजी सुरों की महफिल

जबलपुर। ब्लूज्म म्यूजिकल संस्था द्वारा दत्त मंदिर परिसर में पुराने और नए फि ल्मी गीतों से सजी एक यादगार संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के ख्याति प्राप्त गायक-गायिकाओं ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। कार्यक्रम में डॉ. मीनाक्षी शर्मा, महेश कुमार, कविता नायक, संदीप चक्रवर्ती, पूर्णिमा अग्रवाल, डी.एन. सिंह, मेहुल परिहार, उदय प्रताप, संजय चक्रवर्ती, मधुमिता, अनुज श्रीवास्तव, हरीश मनवानी, अरुण, सुशील श्रीवास्तव, प्रतिभा दुबे तथा ललित श्रीवास्तव ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया।संगीत प्रेमियों ने कै सरा सरा, आजा मेरी बर्बाद मोहब्बत, भीगी-भीगी रातों में, थोड़ी सी जो पी ली है, दिल है तुम्हारा, राधा कैसे ना जले, जैसे सदाबहार और लोकप्रिय गीतों का भरपूर आनंद लिया। हर प्रस्तुति पर श्रोताओं ने तालियों की जोरदार गूंज के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन डी.एन. सिंह ने किया। समापन अवसर पर डॉ. मीनाक्षी शर्मा ने सभी कलाकारों, अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित संगीत प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए संस्था की ओर से भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के निरंतर आयोजन का संकल्प दोहराया।

सहकारी समिति का सदस्य बनने से किसानों को मिलेंगे अनेकों लाभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहपुरा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जबलपुर के द्वारा आयोजित सदस्यता वृद्धि अभियान के तहत शाखा शाहपुरा द्वारा वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र जैन बंधु द्वारा सदस्यता दिलाई गई। बैंक ने बताया कि सहकारी समिति का सदस्य बनने पर किसानों को अनेक महत्वपूर्ण सुविधाओं एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त होता है। सदस्य किसानों को शासन की पात्रता अनुसार शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर 3 लाख तक का अल्पकालिक कृषि ऋण, प्रमाणित खाद की उपलब्धता, ई-टोकन के माध्यम से खाद वितरण, विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ तथा उपार्जन राशि का शीघ्र भुगतान जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

इसके अतिरिक्त समिति के सदस्य लाभांश (डिविडेंड) प्राप्त करने के पात्र होते हैं, समिति के चुनाव में मतदान करने एवं चुनाव लड़ने का अधिकार प्राप्त करते हैं तथा कृषि संबंधी प्रशिक्षण, जागरूकता शिविर एवं आधुनिक खेती से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है। सहकारिता के माध्यम से किसानों का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण सुनिश्चित किया जाता है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, जबलपुर ने बताया कि सदस्यता अभियान 31 जुलाई तक संचालित किया जा रहा है।

मार-मारकर किया बेहाल, गोरखपुर थाने की पुलिस ने युवक पर लगाए गंभीर आरोप

अवैध शराब के साथ पकड़ा गया था आरोपी, थाना प्रभारी ने नकारे आरोप

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

गोरखपुर थाने की पुलिस पर एक युवक द्वारा थाने में बंद कर बेरहमी से मारपीट करने और अवैध शराब के मामले में कार्यवाही के दौरान रुपए लेने के आरोप लगाए हैं। जबकि थाना पुलिस ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि युवक को अवैध शराब के साथ पकड़ा गया था और उसके साथ किसी प्रकार की मारपीट नहीं की गई। जानकारी के मुताबिक रामपुर निवासी 40 वर्षीय सतीश सोनकर ने आरोप लगाते हुए बताया कि आबकारी अधिनियम के एक जमानती मामले में स्वयं थाने पहुंचने के बाद उसके साथ न्यायिक प्रक्रिया अपनाने के बजाय थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया गया। उसका कहना है कि थाने में पदस्थ आरक्षक रोहित द्विवेदी और अनूप उससे पैसों की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसके दोनों पैरों में गंभीर सूजन आ गई और अब उसे चलने-फिरने में परेशानी हो रही है। सतीश ने दावा किया कि उसके पैर में फ्रैक्चर भी हुआ है। पीड़ित के परिवार का आरोप है कि मारपीट के बाद पुलिस ने अवैध शराब का मामला दर्ज किया और 20 हजार रुपए भी लिए। परिजनों का कहना है कि सतीश के पैरों पर गंभीर चोट के निशान हैं, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं।

ये है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक सोमवार विगत दिवस गोरखपुर थाना पुलिस रामपुर स्थित महर्षि स्कूल के पास पहुंची थी, जहां से मोनू नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। इसी दौरान किसी काम से गोरखपुर थाने पहुंचे सतीश सोनकर को पुलिस ने बातचीत के बहाने अंदर बुलाया। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद उसे थाने में बंद कर डंडों से बुरी तरह पीटा गया, जिससे उसके पैरों में गंभीर सूजन आ गई। इधर मामले में गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल ने मारपीट के आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि सतीश सोनकर और उसके साथी को अवैध शराब के साथ पकड़ा गया था। युवक का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है और वह चल-फिर सकता है। थाना प्रभारी का कहना है कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी।

इतिहासः अतीत की विरासत, वर्तमान की चेतना और भविष्य का पथप्रदर्शक

इतिहास मानव सभ्यता की स्मृति है। यह केवल घटनाओं, तिथियों और शासकों का वर्णन नहीं करता, बल्कि मानव के संघर्ष, उपलब्धियों, विचारों, संस्कृति और जीवन मूल्यों की सतत यात्रा का सजीव दस्तावेज़ है। किसी भी राष्ट्र की पहचान उसके इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली परंपराओं से निर्मित होती है। इतिहास हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है, वर्तमान को समझने की दृष्टि देता है और भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। इसलिए इतिहास को समाज का दर्पण और राष्ट्र की चेतना का आधार कहा जाता है।

इतिहास का महत्व

इतिहास का अध्ययन हमें यह समझने में सहायता करता है कि वर्तमान समाज किन ऐतिहासिक घटनाओं और प्रक्रियाओं का परिणाम है। भारत जैसे विविधताओं से परिपूर्ण देश में इतिहास राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करता है। स्वतंत्रता संग्राम के बलिदान, सामाजिक सुधार आंदोलनों के प्रयास तथा महान विभूतियों के आदर्श आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इतिहास हमें यह भी सिखाता है कि अतीत की सफलताओं से प्रेरणा और गलतियों से सीख लेकर एक अधिक सशक्त और समृद्ध भविष्य का निर्माण किया जा सकता है।

व्यक्तित्व विकास में इतिहास की भूमिका

इतिहास केवल ज्ञान का विषय नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का भी प्रभावी माध्यम है। इसके अध्ययन से विद्यार्थियों में तार्किक एवं विश्लेषणात्मक सोच विकसित होती है। वे तथ्यों का मूल्यांकन करना, विभिन्न स्रोतों की विश्वसनीयता को परखना तथा निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाना सीखते हैं। इतिहास नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व, सहिष्णुता और विविध संस्कृतियों के प्रति सम्मान की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। यही गुण व्यक्ति को एक जागरूक, संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने में सहायता करते हैं।

इतिहास और करियर के अवसर

वर्तमान समय में इतिहास केवल अध्यापन तक सीमित विषय नहीं रह गया है। इस क्षेत्र में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए अनेक प्रतिष्ठित करियर विकल्प उपलब्ध हैं। वे विद्यालयों और महाविद्यालयों में शिक्षक एवं प्राध्यापक बनने के साथ-साथ पुरातत्व, संग्रहालय प्रबंधन, अभिलेखागार, शोध, पत्रकारिता, लेखन, प्रकाशन, पर्यटन तथा सांस्कृतिक विरासत संरक्षण जैसे क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय योगदान दे सकते हैं। इसके अतिरिक्त सिविल सेवा, राज्य लोक सेवा आयोग तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में इतिहास का विशेष महत्व है, जिससे यह विषय रोजगार की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होता है।

इतिहास और सांस्कृतिक संरक्षण

किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर उसके इतिहास की सबसे मूल्यवान निधि होती है। प्राचीन स्मारक, किले, मंदिर, स्तूप, शिलालेख, हस्तलिखित ग्रंथ, कला और स्थापत्य हमारी गौरवशाली परंपराओं के साक्षी हैं। इतिहास का अध्ययन इन धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करता है और आने वाली पीढ़ियों तक उन्हें सुरक्षित पहुँचाने की प्रेरणा देता है। सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण न केवल हमारी पहचान को अक्षुण्ण रखता है, बल्कि पर्यटन, रोजगार और आर्थिक विकास को भी नई गति प्रदान करता है।

अर्चना स्वामी
शिक्षक
हितकारिणी प्राथमिक शाला
बीटी तिराहा, जबलपुर

रेन वाटर हारवेस्टिंगः हर बूंद में छिपा है भविष्य का आधार

भारत में हर वर्ष करोड़ों लीटर वर्षा का पानी धरती पर गिरता है, लेकिन उसका अधिकांश हिस्सा बिना उपयोग के नालों और नदियों के माध्यम से समुद्र में बह जाता है। दूसरी ओर, गर्मियों में अनेक शहर और गाँव पानी की कमी से जूझते हैं। भूजल का लगातार गिरता स्तर, बढ़ती आबादी और अनियमित मानसून ने जल संकट को और गंभीर बना दिया है। ऐसे समय में वर्षा जल संचयन या रेन वाटर हारवेस्टिंग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन गया है। बारिश की हर बूंद को बचाना ही जल-सुरक्षित भारत की सबसे मजबूत नींव है।

रेन वाटर हारवेस्टिंग क्या है?

वर्षा जल संचयन वह प्रक्रिया है, जिसमें बारिश के पानी को घरों की छतों, खुले मैदानों या अन्य स्थानों से एकत्र करके टंकियों, जलाशयों या जमीन के भीतर सुरक्षित रखा जाता है। इस पानी का उपयोग घरेलू कार्यों, सिंचाई और भूजल पुनर्भरण (रीचार्ज) के लिए किया जा सकता है।

रेन वाटर हारवेस्टिंग क्यों है जरूरी

- देश के अनेक क्षेत्रों में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। वर्षा जल संचयन भूजल को पुनर्भरित करता है और भविष्य के लिए पानी का सुरक्षित भंडार तैयार करता है।
- जब वर्षा का पानी जमीन में समाता है, तो सूखते हुए कुएँ, हैंडपंप और बोरवेल फिर से जल से भरने लगते हैं। इससे पेयजल की उपलब्धता बेहतर होती है।
- यदि वर्षा का पानी उचित ढंग से संग्रहित किया जाए, तो सड़कों पर जलभराव और अचानक आने वाली बाढ़ जैसी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है।
- संग्रहित वर्षा जल का उपयोग बागवानी, सफाई, शौचालय और अन्य कार्यों में किया जा सकता है। इससे पानी का बिल कम होता है और भूजल पर निर्भरता घटती है।
- बारिश के पानी का संग्रह किसानों के लिए सूखे के समय सहारा बन सकता है। इससे सिंचाई की सुविधा बढ़ती है और फसलों का उत्पादन बेहतर होता है।
- वर्षा जल संचयन जल संसाधनों पर दबाव कम करता है, मिट्टी के कटाव को रोकता है और प्राकृतिक जल चक्र को संतुलित बनाए रखने में मदद करता है।

जनहित याचिकाः न्याय तक आम नागरिक की आसान पहुँच का प्रभावी माध्यम

लोकतंत्र की सफलता तभी संभव है, जब हर नागरिक को न्याय पाने का समान अवसर मिले। लेकिन कई बार समाज के गरीब, वंचित और कमजोर वर्ग आर्थिक या सामाजिक कारणों से अदालत तक नहीं पहुँच पाते। ऐसे लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए भारतीय न्यायपालिका ने जनहित याचिका की व्यवस्था विकसित की। यह केवल एक कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज के व्यापक हितों की रक्षा का सशक्त माध्यम है, जिसने न्याय को आम नागरिक के और अधिक करीब लाने का काम किया है।

जनहित याचिका क्या है?

जनहित याचिका वह कानूनी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक, सामाजिक संस्था या संगठन किसी ऐसे मुद्दे को अदालत के सामने उठा सकता है, जो व्यक्तिगत हित नहीं बल्कि समाज के बड़े वर्ग या सार्वजनिक हित से जुड़ा हो। इसका उद्देश्य उन लोगों को न्याय दिलाना है, जो स्वयं अदालत तक पहुँचने में सक्षम नहीं हैं।

इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी?

पहले केवल वही व्यक्ति अदालत में याचिका दायर कर सकता था, जिसका अधिकार सीधे प्रभावित हुआ हो। लेकिन समय के साथ यह महसूस किया गया कि समाज के कई कमजोर वर्ग अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत नहीं पहुँच पाते। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जनहित याचिका की अवधारणा विकसित हुई, जिससे कोई भी जागरूक नागरिक सार्वजनिक हित के मुद्दे अदालत तक पहुँचा सके।

विद्यार्थी जीवन, चुनौतियों के बीच अवसरों का स्वर्णिम सफर

विद्यार्थी जीवन मनुष्य के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण, संवेदनशील और स्वर्णिम काल होता है। यही वह समय है जब ज्ञान, संस्कार, अनुशासन और व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इस अवस्था में विद्यार्थी केवल पाठ्य-पुस्तकों से ही नहीं, बल्कि जीवन के विविध अनुभवों से भी सीखता है। यही कारण है कि विद्यार्थी जीवन को भविष्य की सफ्लता का आधार माना जाता है।

चुनौतियाँ ही सफलता की पहली सीढ़ी

वर्तमान समय में विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बढ़ती प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्ट प्रदर्शन का दबाव है। अच्छे अंक प्राप्त करने, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने तथा परिवार और समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की चिंता अनेक विद्यार्थियों को मानसिक तनाव की ओर ले जाती है। इसके अतिरिक्त विद्यालयी कार्य, प्रोजेक्ट, गृहकार्य और परीक्षाओं का संतुलन बनाए रखना भी आसान नहीं होता।

तकनीक, वरदान भी, जिम्मेदारी भी

डिजिटल संसाधनों ने ज्ञान के असीमित द्वार खोल दिए हैं। आज विद्यार्थी विश्व के किसी भी विषय की जानकारी कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं। नई भाषाएँ सीखना, शोध करना और अपनी प्रतिभा को वैश्विक मंच तक पहुँचाना पहले से कहीं अधिक सरल हो गया है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया, मोबाइल फोन और ऑनलाइन मनोरंजन का अत्यधिक उपयोग पढ़ाई में बाधा उत्पन्न कर सकता है। इसलिए तकनीक का संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग इसकी वास्तविक उपयोगिता सिद्ध करता है।

आत्मविश्वास ही सबसे बड़ी शक्ति- विद्यार्थी जीवन में दूसरों से तुलना करना या उनकी नकल करना आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है। प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता, रुचि और सीखने की गति अलग होती है। इसलिए स्वयं पर विश्वास रखते हुए अपने लक्ष्य पर निरंतर कार्य करना ही सफ्लता का सबसे प्रभावी मार्ग है। जो विद्यार्थी अपनी विशेषताओं को पहचानकर आगे बढ़ते हैं, वही जीवन में नई ऊँचाइयों को प्राप्त करते हैं।

अवसरों से भरा विद्यार्थी जीवन

विद्यार्थी जीवन केवल परीक्षाओं और अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का श्रेष्ठ अवसर भी है। विद्यालयों में आयोजित खेल प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विज्ञान प्रदर्शनियाँ, वाद-विवाद, साहित्यिक गतिविधियाँ और सामाजिक सेवा के कार्यक्रम विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, रचनात्मकता, सहयोग और अनुशासन जैसे गुणों का विकास करते हैं। यही अनुभव आगे चलकर जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करते हैं।

उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ते कदम

आज शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रशासन, कला, साहित्य, खेल, उद्यमिता, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अनेक अन्य क्षेत्रों में विद्यार्थी अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं। आवश्यकता केवल स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर परिश्रम और अटूट आत्मविश्वास की है।

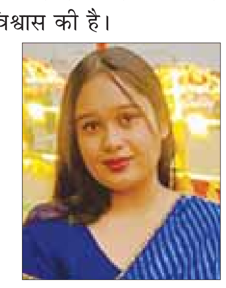

माही पांडेय
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन अकादमी
गोविंदगंज, जबलपुर

पौधरोपण क्यों है भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी?

तेजी से बढ़ते शहरीकरण, औद्योगीकरण और अंधाधुंध पेड़ों की कटाई ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। आज लगाया गया एक छोटा-सा पौधा आने वाले वर्षों में हजारों लोगों को स्वच्छ हवा, छाया, जल संरक्षण और बेहतर पर्यावरण का उपहार दे सकता है। इसलिए पौधरोपण केवल प्रकृति की सेवा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान निवेश है। यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाने और उसे पेड़ बनने तक सँभालने का संकल्प ले, तो स्वच्छ, हरित और सुरक्षित भारत का सपना साकार हो सकता है। सच ही कहा गया है, पेड़ लगाइए, भविष्य बचाइए; क्योंकि एक पेड़ वास्तव में अनेक जीवन का आधार है।

पेड़ क्यों हैं जीवन का आधार?

पेड़ हमें केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के पूरे तंत्र को संतुलित बनाए रखते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वातावरण को स्वच्छ बनाते हैं, तापमान नियंत्रित रखते हैं और जैव विविधता को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेड़ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को कम करने में मदद करते हैं। जितने अधिक पेड़ होंगे, पृथ्वी उतनी ही स्वस्थ रहेगी। पेड़ धूल, धुएँ और हानिकारक गैसों को कम करके हवा को शुद्ध करते हैं। वे हमें स्वच्छ ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा कम होता है।

जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका

पेड़ों की जड़ें वर्षा के जल को भूमि में समाने में मदद करती हैं। इससे भूजल स्तर बढ़ता है, मिट्टी का कटाव रुकता है और सूखे की समस्या कम होती है। इसके अलावा घने वृक्ष तापमान को कम करते हैं और आसपास के वातावरण को ठंडा रखते हैं। शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ने से हीटवेव का प्रभाव भी कम हो सकता है।

जैव विविधता का संरक्षण

पेड़ पक्षियों, तितलियों, मधुमक्खियों और अनेक जीव-जंतुओं का घर हैं। इनके बिना प्राकृतिक खाद्य श्रृंखला और पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। फल, लकड़ी, औषधियाँ, रबर, गोंद और अनेक वन उत्पाद हमारी अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं।

केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं

पौधरोपण तभी सफल माना जाएगा, जब लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी की जाए। पानी देना, सुरक्षा करना और समय-समय पर उनकी देखरेख करना उतना ही आवश्यक है जितना उन्हें लगाना। हर नागरिक हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाएँ और उसकी देखभाल करें। जन्मदिन, विवाह और अन्य विशेष अवसरों पर पौधरोपण करें। बच्चों को पेड़ों के महत्व के बारे में जागरूक करें। स्कूल, कॉलेज, कार्यालय और कॉलोनियों में हरित क्षेत्र बढ़ाने का प्रयास करें।

सामान्य ज्ञान पहेलियां

1. मैं हूँ सबसे बड़ा लोकतंत्र,
विविधता मेरी पहचान।
दुनिया भर में प्रसिद्ध हूँ,
बताओ मेरा क्या है नाम?
उत्तर - भारत

2. मैं कानून बनाता हूँ,
देश का भविष्य सजाता हूँ।
जनता मुझे चुनकर भेजती है,
बताओ मैं कौन हूँ?
उत्तर - संसद

3. मैं नक्शे पर दिखता हूँ,
पर असल में दिखाई नहीं देता।
दो देशों को अलग करता हूँ,
बताओ मैं क्या हूँ?
उत्तर - सीमा

4. न मैं राजा, न रानी,
फिर भी चलाऊँ देश की कहानी।
पाँच साल बाद आती बारी,
बताओ मेरी क्या है तैयारी?
उत्तर - चुनाव

5. मेरे पास न पैर हैं, न हाथ,
फिर भी दुनिया घूमता हूँ साथ।
देश, राज्य और शहर बताता,
हर यात्री का मित्र कहलाता।
उत्तर - मानचित्र

6. मैं जनता की आवाज़ कहलाऊँ,
सच और खबर सबको पहुँचाऊँ।
लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हूँ,
बताओ मैं कौन हूँ?
उत्तर - मीडिया

7. मैं अधिकार भी देता हूँ,
कर्तव्य भी याद दिलाता हूँ।
हर नागरिक से जुड़ा हूँ,
बताओ मैं क्या कहलाता हूँ?
उत्तर - संविधान

8. मैं खेतों में पैदा होता हूँ,
मंडी तक पहुँच जाता हूँ।
देश की अर्थव्यवस्था में मेरा योगदान,
बताओ मैं कौन हूँ?
उत्तर - कृषि

9. मैं पहाड़ों से निकलती हूँ,
मैदानों को सींचता जाती हूँ।
जीवन का आधार कहलाती,
बताओ मैं कौन हूँ? **उत्तर - नदी**

नालंदा विश्वविद्यालय

ज्ञान की वह ज्योति, जिसकी रोशनी पूरी दुनिया तक पहुँची

जब आज दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की चर्चा होती है, तो नालंदा विश्वविद्यालय का नाम गर्व के साथ लिया जाता है। लगभग 1,500 वर्ष पहले स्थापित यह विश्वविद्यालय केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में शिक्षा, शोध और ज्ञान का एक अद्वितीय केंद्र था। चीन, कोरिया, तिब्बत, श्रीलंका, इंडोनेशिया और मध्य एशिया जैसे दूर-दराज़ देशों से विद्यार्थी यहाँ अध्ययन करने आते थे। यही कारण है कि नालंदा को विश्व की सबसे प्राचीन और महान विश्वविद्यालयीय परंपराओं में गिना जाता है। इतिहासकारों के अनुसार नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना पाँचवीं शताब्दी ईस्वी में कुमारगुप्त प्रथम के शासनकाल में हुई। बाद में अनेक शासकों ने इसका विस्तार कराया। कई सदियों तक यह ज्ञान का ऐसा केंद्र बना रहा जहाँ शिक्षा, अनुसंधान और अंतरराष्ट्रीय बौद्धिक संवाद समान रूप से फलते-फूलते रहे।

क्यों था यह इतना विशेष?

1. विश्व का अंतरराष्ट्रीय शिक्षा केंद्र- नालंदा में केवल भारतीय ही नहीं, बल्कि अनेक देशों के छात्र और विद्वान अध्ययन करते थे। यह उस समय का वास्तविक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय था, जहाँ विभिन्न संस्कृतियों और विचारधाराओं का संगम होता था।

2. विशाल पुस्तकालय- नालंदा का पुस्तकालय अपने समय के सबसे बड़े पुस्तकालयों में माना जाता था। कहा जाता है कि इसमें लाखों हस्तलिखित पांडुलिपियाँ सुरक्षित थीं। इसे तीन प्रमुख भवनों में विभाजित किया गया था, जहाँ दर्शन, चिकित्सा, गणित, ज्योतिष, व्याकरण, साहित्य और धर्म सहित अनेक विषयों का ज्ञान संग्रहित था।

3. कठिन प्रवेश परीक्षा- नालंदा में प्रवेश पाना आसान नहीं था। विद्यार्थियों को विद्वानों द्वारा ली जाने वाली कठिन मौखिक परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती थी। केवल योग्य और प्रतिभाशाली छात्रों को ही प्रवेश मिलता था।

4. बहुविषयक शिक्षा- यहाँ केवल बौद्ध दर्शन ही नहीं, बल्कि गणित, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, व्याकरण, तर्कशास्त्र, राजनीति, भाषा, साहित्य और दर्शन जैसे अनेक विषय पढ़ाए जाते थे। यह आधुनिक मल्टीडिसिप्लिनरी शिक्षा की एक उत्कृष्ट मिसाल थी।

5. विश्व प्रसिद्ध आचार्य- नालंदा में अनेक महान विद्वानों ने अध्यापन किया। इनमें शीलभद्र और धर्मपाल जैसे आचार्य विशेष रूप से प्रसिद्ध थे। चीन के महान यात्री ह्वेनसांग ने यहाँ वर्षों तक अध्ययन किया और अपने यात्रा-वृत्तांत में इसकी अत्यंत प्रशंसा की।

कैसे हुआ नालंदा का विनाश

बारहवीं शताब्दी के अंत में बख्तियार खिलजी के आक्रमण के दौरान नालंदा विश्वविद्यालय को भारी क्षति पहुँची। पुस्तकालय में आग लगा दी गई, जिसके बारे में परंपरागत कथाओं में उल्लेख मिलता है कि वह लंबे समय तक जलता रहा। इस घटना ने भारत की ज्ञान-परंपरा को गहरा आघात पहुँचाया।

जनसुनवाई में सुनी 149 आवेदकों की समस्याएं

उमरिया (स्वतंत्रमत)

साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर राखी सहाय एवं सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने जिले के दूर दराज से आए 149 आवेदकों की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए आवेदन संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया। जनसुनवाई में शिवलाल बर्मन ग्राम मड़वा ने किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, संदीप पटेल ग्राम कटहार ने फैसिंग किए गए अतिक्रमण को हटाने, बारे लाल प्रजापति मानपुर ने नक्सा तरमीम एवं सीमांकन कराने, कुंजीलाल , फूलचंद , प्रियांस सहित समस्त ग्रामीण ग्राम पंचायत लोढ़ा ने गौ माता की रक्षा के लिए सेमरहा नाला में बनें बांध का गहरीकरण एवं मरम्मत कराने, सुरेश प्रसाद मानपुर ने सार्वजनिक रास्ता खुलवाने, नान बाई ग्राम गिठौरी ने वृध्दावस्था पेंशन का लाभ दिलाने, पवन खटिक निवासी कैंप ने ठेकेदार रसोले से ट्रेक्टर व्दारा कराए गए कार्य का भुगतान करानें, दादू रामपाल ने कपिलधारा के स्वीकृत कूप निर्माण की राशि का भुगतान कराने, दीपेंद्र कुमार गौतम पिपरिया ने गंभीर बीमारी के इलाज हेतु सहायता राशि उपलब्ध कराने, संतोष विश्वकर्मा खलेसर ने गिरे घर की मरम्मत हेतु सहायता राशि उपलब्ध करानें, गणेश प्रजापति करौंदिया ने मजदूरी का भुगतान कराने संबंधी आवेदन दिया। संबंधित आवेदनों को कलेक्टर व्दारा विभागीय अधिकारियों को प्रेषित कर समुचित कार्यवाही करनें के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इसी तरह साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में अनुज कुमार तिवारी पिता चंद्रिका प्रसाद तिवारी , सविता तिवारी पति स्व0 कमलेश तिवारी ग्राम धनवाही ने उपस्थित होकर अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि हम प्रार्थीगण की भूमि आराजी खसरा नं0 478/2/ख/1 एवं 478/2/ख/2 रकवा क्रमशः 0.203 एवं 0.202 हे0 स्थित भूमि ग्राम धनवाही जनरल नं0 350 पटवारी हल्का 05 धनवाही तहसील बांधवगढ़ जिला उमरिया में स्थित है। हम प्रार्थीगण उपरोक्त भूमि जरिए रजिस्टर्ड विक्रय पत्र कुटिया बाई से दिनांक 11.06.2002 को क्रय किया था। क्रय दिनांक से ही हम प्रार्थीगण उक्त भूमि पर काबिज कास्त है, परंतु उक्त भूमि पर वर्तमान में विषयांकित व्यक्ति पुलिस विभाग में पदस्थ है, रामदुलारे प्रजापति पिता लूलीराम प्रजापति निवासी गांधी चौक विकटगंज उमरिया द्वारा जबरन कब्जा किये हुये है। उक्त व्यक्ति हम प्रार्थीगणों को हमारी ही भूमि पर जाने से मना करता है , उनके व्दारा गाली गलौच की जाती है तथा जान से मारने की धमकी दी जाती है और झूठे केस में फंसाने की बात कही जा रही है। प्रार्थी जेल विभाग पुलिस में कार्यरत है, जिसका रौब दिखाते हुए उनके व्दारा किसी से नही डरने की बात कहते हुए जहां शिकायत करनी है कर दो कि बात कही जा रही है। प्रार्थी द्वारा अपना कब्जा प्राप्त करने के लिए काफी प्रयास किया गया परंतु अनावेदक कब्जा छोड़ने को राजी नहीं है और मारपीट पर आमादा होता है। हमने सीमांकन के लिए तहसील में आवेदन दिया था, किन्तु पटवारी का कहना है कि यह जमीन तुम्हारी नही है और जबरन अनावेदक को कब्जा दिलाया जा रहा है। उन्होने मांग की है कि उपरोक्त तथ्यों के आधार पर प्रार्थी की भूमि से रामदुलारे प्रजापति पिता लूलीराम प्रजापति निवासी गाँधी चौक बिकटगंज उमरिया को बेदखल करते हुए प्रार्थीगण को कब्जा प्रदान की जाए तथा संबंधित व्यक्ति के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जाए। वहीं पवन खटिक पिता स्व0 रमेश खटिक निवासी वार्ड नं0 15 कैम्प ने उपस्थित होकर बताया कि प्रार्थी पवन खटिक पिता स्व0 रमेश खटिक निवासी वार्ड नं0 15 कैम्प उमरिया थाना उमरिया जिला उमरिया म0प्र0 का निवासी हूं तथा मेरे द्वारा ग्राम मरदरी में पानी टंकी ठेकेदार रासोले के द्वारा मेरे ट्रेक्टर के द्वारा कार्य कराया गया था उक्त कार्य छः माह पूर्व का हैं जिसका मेरा राशि 47,000 रूपये की होती है, और कार्य अभी नियमित रूप से चल रहा है, लेकिन ठेकेदार रासोले से राशि की मांग किए जाने पर टाल मटोल किया जा रहा है। ठेकेदार को फोन लगाने पर फोन रिसवी नही किया जा रहा है। आवेदक ने कहा कि ठेकेदार द्वारा छल कपट कर धोखाधड़ी किया जा रहा है और कार्य के राशि का भुगतान नही किया जा रहा। आवेदक ने ठेकेदार रसोले के विरूद्ध उचित कार्यवाही करते हुए राशि दिलाई जाने की मांग की है।

सड़क हादसे में एक की मौत, पांच घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के अमरपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत छोटी बेल्दी नाला के पास सोमवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अज्ञात कारणों से एक फोर व्हीलर वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने से दुर्घटना में प्रभात जायसवाल (21 वर्ष), पिता शंकरलाल जायसवाल निवासी पिटौर की मृत्यु हो गई, जबकि अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वाहन कई बार गुलाटियां खाते हुए सड़क किनारे खाई में जा गिरा। हादसे के समय वाहन में कुल 6 लोग सवार थे। सूचना मिलते ही अमरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से सभी घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरही पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चारों घायलों को बेहतर इलाज के लिए कटनी हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। अमरपुर पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

जान से मारने की दी धमकी

उमरिया(स्वतंत्रमत)

नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम भुंडी में आरोपिया व्दारा फरियादिया से गाली गालौज करते हुए मारपीट की गई एवं जान से मारने की धमकी दी गई। जानकारी अनुसार रामरती कोल की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी काजल कोल पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही हैं।

महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ का चरणबद्ध आन्दोलन प्रारंभ

उमरिया (स्वतंत्रमत)। प्रान्तीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ मध्य प्रदेश के आव्हान पर पूरे प्रदेश में सालों से लंबित मांगों को लेकर 1 से 15 जुलाई 2026 तक आंदोलन के प्रथम चरण के रूप में उमरिया के आदर्श कालेज के प्राध्यापको द्वारा भी काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक अपने कार्यों का निर्वहन किया जा रहा है ।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ अरूणेन्द्र बहादुर सिंह ,डॉ परमेश्वर मरावी, डॉ विजय डाबर, शिवकुमार हल्दकार,रेमसिह हटिला, श्रीमती निशी कर्ण , सुश्री अपूर्वा दहायत एवं डॉ मोनिका पटेल उपस्थित रहे। इसी तारतम्य में शहडोल संभाग अध्यक्ष डॉ नियाज अहमद ने बताया कि संभाग के तीनों जिलों की महाविद्यालयीन इकाईयों में एक जुलाई से प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं कीड़ा अधिकारी अपनी बांयी भुजा पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक आंदोलनरत बने हुए हैं।

पर्यटक द्वारा चीतल को केला खिलाने पर दर्ज हुआ केस

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्यजीव को भोजन खिलाने का मामला एक व्यक्ति के लिए मुश्किल बन गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के आधार पर टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने जांच की और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। जानकारी के मुताबिक, मगधी गेट के सामने एक व्यक्ति चीतल को केला खिलाता दिखाई दिया था। इस दौरान पचपेढ़ी पर्यटन जोन से सफारी कर लौट रहे एक पर्यटक ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद मामला बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन के संज्ञान में आया। प्रबंधन ने वीडियो की जांच शुरू करते हुए संबंधित व्यक्ति की पहचान अनूप मिश्रा, पिता रमाकांत मिश्रा, निवासी ग्राम बेलिया बड़ी, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर के रूप में की। जांच पूरी होने के बाद उनके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की संबंधित धाराओं के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई और न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। वन अधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व में किसी भी वन्यजीव को भोजन खिलाना प्रतिबंधित है। इससे वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार में बदलाव आता है और वे अपने प्राकृतिक भोजन की बजाय इंसानों पर निर्भर होने लगते हैं। साथ ही बाहरी खाद्य पदार्थ उनके स्वास्थ्य के लिए भी हानिकारक साबित हो सकते हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने पर्यटकों से अपील की है कि जंगल भ्रमण के दौरान सभी नियमों का पालन करें। वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें और उन्हें किसी भी प्रकार का खाद्य या अखाद्य पदार्थ न दें। ऐसा करना कानून का उल्लंघन होने के साथ-साथ वन्यजीव संरक्षण के लिए भी गंभीर खतरा है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर एकलव्य विद्यालय पाली में भव्य कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

महान राष्ट्रवादी विचारक, प्रखर शिक्षाविद् और अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जन्म जयंती के अवसर पर पाली ब्लॉक स्थित एकलव्य विद्यालय में एक गरिमामयी एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत श्माय युवा भारत के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रवाद और नेतृत्व क्षमता का विकास करना था।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यवहार न्यायालय की न्यायाधीश सुश्री तारा मार्को और विशिष्ट अतिथि के रूप में माय युवा भारत के जिला अधिकारी उमा शंकर त्रिवेदी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि न्यायाधीश सुश्री तारा मार्को ने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का संपूर्ण जीवन अनुशासन, शिक्षा और राष्ट्र-समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने युवाओं को उनके कानूनी और संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया और समाज में न्याय व समानता स्थापित करने में युवा वर्ग की भूमिका पर प्रकाश डाला। सुश्री मार्को ने बच्चों को एक जिम्मेदार और अनुशासित नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।माय युवा भारत के जिला अधिकारी उमा शंकर त्रिवेदी ने श्माय युवा भारत मंच के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए युवाओं में जोश भरा। इसी कड़ी में, उन्होंने विद्यालय के छात्रों और उपस्थित युवाओं को सघन पंजीकरण अभियान से जुड़ने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया। श्री त्रिवेदी ने सभी युवाओं से माय भारत पोर्टल पर अपना अकाउंट बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इस डिजिटल मंच के माध्यम से युवा न केवल अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के विभिन्न अभियानों में सीधे तौर पर अपनी सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित कर सकते हैं।एकलव्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा इस अवसर पर विभिन्न प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें डॉ. मुखर्जी के जीवन संघर्ष और उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को रेखांकित किया गया। पाली ब्लॉक के स्थानीय युवाओं ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अत्यधिक उत्साह का प्रदर्शन किया।

निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक 9 जुलाई को

उमरिया (स्वतंत्रमत)। विभाग अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यो की प्रगति, जमीन आवंटन एवं वन भूमि विवाद एवं अन्य संबंधित प्रकरणों की समीक्षा बैठक 9 जुलाई को प्रातः 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। संभागीय प्रबंधक मप्र सडक विकास निगम लिमि, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, महाप्रबंधक जल निगम, मध्यप्रदेश ग्रामीण विकास प्राधिकरण, परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग, कार्यपालन यंत्री लोनिवि, पीआईयू, जल संसाधन, ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा, पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन, हाउसिंग बोर्ड, सेतु निर्माण, मप्रपूक्षेविक , सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग , जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विका विभाग से कहा गया है कि बैठक में जानकारी के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

दहेज के लिये प्रताड़ित करने पर मामला दर्ज

उमरिया(स्वतंत्रमत)। पाली थाना अंतर्गत ग्राम चांदपुर में पीडिता को दहेज के लिए ससुराल वालों व्दारा प्रताडित किया जा रहा है, जिसकी शिकायत पीडिता ने थाने मे दर्ज कराई है। जानकारी अनुसार अंकिता यादव उम्र 26 साल निवासी चांदपुर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी नवल किशोर यादव, विजय भान यादव, दुअसिया यादव सभी निवासी चांदपुर पर पुलिस ने मामला कायम कर लिया है।

50 फीट गहरे गैसयुक्त कुएं से महिला का शव निकाला

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के रजेगांव में एक महिला की 50 फीट गहरे गैसयुक्त कुएं में गिरने से मौत हो गई। सूचना मिलते ही जिला होमगार्ड कार्यालय से एसडीईआरएफ एवं क्यूआरटी टीम रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची और विषम परिस्थितियों में अभियान चलाकर महिला का शव सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, 6 जुलाई की शाम करीब 5 बजे जिला कंट्रोल रूम को घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि कुएं में जहरीली गैस भरी हुई है, जिससे रेस्क्यू अभियान बेहद जोखिमपूर्ण हो गया। इसके बावजूद प्रशिक्षित जवान सुरक्षा उपकरणों की मदद से कुएं में उतरे और कड़ी मशक्कत के बाद शाम करीब 7 बजे महिला का शव बाहर निकाल लिया। इसके बाद शव को वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इस अभियान का नेतृत्व एएसआई महेश कुमार उइके ने किया। टीम में सुनील नकपुरे, संजय चौधरी, सतीश तोमर, परसराम, मुलेंद्र आड़े, विशाल रजक, आशीष खरोले और राजेश धुर्वे शामिल रहे। सभी ने कठिन परिस्थितियों में साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

कटंगी में किसान की संदिग्ध मौत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के नवेगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कटंगी में एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान रमेश पिता चैतराम नेवारे (55) के रूप में हुई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मां की मौत के बाद पिता ने भाई-बहन को घर से निकाला, कलेक्टर से गुहार

कलेक्ट्रेट में सुनाई आपबीती, पिता पर मारपीट, प्रताड़ना और दूसरी शादी के लिए दबाव बनाने का लगाया आरोप

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के परसवाड़ा क्षेत्र के रहने वाले एक भाई-बहन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई में पहुंचकर अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई। दोनों ने आरोप लगाया कि उनकी मां की मृत्यु के बाद उनके पिता ने दूसरी शादी की तैयारी शुरू कर दी और इसका विरोध करने पर उन्हें घर से निकाल दिया। इतना ही नहीं, अलग रहने के बावजूद भी उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। पीड़ितों ने प्रशासन से सुरक्षा प्रदान करने और मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है। जनसुनवाई में पहुंचे साकेत बघेल और उनकी बहन वीणा बघेल, निवासी ग्राम भीमोडी, तहसील परसवाड़ा ने अधिकारियों को दिए आवेदन में बताया कि करीब पांच वर्ष पहले उनकी मां का निधन हो गया था। मां की मृत्यु के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन दोनों पर आ गई, लेकिन कुछ समय बाद उनके पिता ने दूसरी शादी करने की इच्छा जताई। उनका आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की जाने लगी और उन्हें लगातार घर छोड़ने के लिए दबाव बनाया गया। पीड़ित भाई-बहन का कहना है कि करीब चार माह पहले उनके पिता ने उन्हें घर से निकाल दिया। इसके बाद से दोनों परसवाड़ा में किराये का कमरा लेकर रहने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि अलग रहने के बावजूद भी उनके पिता उन्हें मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं। कई बार गाली-गलौज की गई और उन्हें धमकियां भी दी गईं, जिससे वे लगातार भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। साकेत बघेल ने बताया कि मामले की शिकायत लेकर वह पुलिस थाना भी पहुंचे थे और कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। पुलिस से अपेक्षित मदद नहीं मिलने के कारण दोनों भाई-बहन निराश होकर जिला मुख्यालय पहुंचे और जनसुनवाई में अपनी पीड़ा प्रशासन के समक्ष रखी।जनसुनवाई में दिए आवेदन के माध्यम से उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा उनके पिता के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें न्याय दिलाकर सुरक्षित जीवन जीने का अधिकार सुनिश्चित किया जाए।

बोनकट्टा गांव तालाब से अतिक्रमण किए गए नेस्तनाबूद

जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित अन्य ग्रामीणों का ढहाया गया अतिक्रमण

कटंगी(स्वतंत्र मत)। तिरोड़ी तहसील के ग्राम बोनकट्टा में विवाद का कारण बना गांव तालाब अंततः अतिक्रमण मुक्त होने की ओर बड़ चला है। सोमवार 6 जुलाई को विरोध के कारण बैरंग लौटी प्रशासनिक टीम ने मंगलवार 7 जुलाई को सीमांकन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद 15 व्यावसायिक अतिक्रमणों को शांतिपूर्ण तरीके से हटा दिया है। अतिक्रमण की कार्रवाई में जनपद पंचायत कटंगी अध्यक्ष कविता अरविंद देशमुख का व्यावसायिक अतिक्रमण भी जमींदोज कर दिया गया। शाम 05 बजे तक चली प्रशासनिक कार्रवाई में सभी अतिक्रमण नेस्तानाबूत कर दिये गए। इस दौरान न तो कोई हंगामा हुआ और न ही पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। जब जनपद अध्यक्ष का अतिक्रमण हटाने का प्रशासनिक अधिकारियों से भरोसा मिला तो अतिक्रमणकारियों ने भी प्रशासन को सहयोग किया। यह कार्रवाई उस पृष्ठभूमि में हुई है जब पिछले एक महीने से बोनकट्टा का तालाब सुर्खियों में था। जानकारी अनुसार, राजस्व अभिलेखों के अनुसार ग्राम बोनकट्टा में पटवारी हल्का नंबर 17, खसरा नंबर 217 में स्थित गांव तालाब का कुल रकबा 13 एकड़ 80 डिसमिल है। यह तालाब गांव के जल संग्रहण का प्रमुख स्त्रोत है। लेकिन बीते 10-15 वर्षों में तालाब की पर और जलभराव वाले क्षेत्र पर धीरे-धीरे अवैध कब्जे शुरू हो गए थे। तालाब की भूमि पर करीब 50 लोगों ने आवासीय और व्यावसायिक अतिक्रमण कर रखा था। इनमें कुछ मकान 50 साल पुराने हैं, जो पीढ़ियों से बने हुए हैं। वहीं पिछले 3-4 वर्षों में व्यावसायिक दुकानें, गुमटियां और अस्थायी निर्माण भी तेजी से बड़ रहे थे। अतिक्रमण बड़ने से परेशान ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत बोनकट्टा में ग्राम सभा की बैठक बुलाई गई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर तहसीलदार तिरोड़ी कार्यालय में अतिक्रमण हटाने का आवेदन दिया गया। सर्वे में तालाब की पार पर कुल 27 अवैध आवासीय और व्यावसायिक अतिक्रमण चिन्हित किए गए। सभी को नोटिस जारी किए। लेकिन 22 जून को तहसीलदार गीता राहंगडाले ने एक नई सूची जारी की। इसमें सिर्फ 13 लोगों को 29 जून तक अतिक्रमण हटाने का अंतिम नोटिस दिया गया। सूची से 14 नाम हटा दिए गए। तहसीलदार का तर्क था कि जिन 14 लोगों के आवासीय मकान हैं, उन्हें बारिश के मौसम को देखते हुए राहत दी जा रही है। उन्हें मानसून के बाद हटाया जाएगा। बस यहीं से मामला बिगड़ गया था और गांव के लोग दो गुटों में बंट गए। मामला क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी तक पहुंचा। 28 जून को 13 अतिक्रमणकारी विधायक से मिले और राहत की मांग की। विधायक ने प्रशासन से बात कर उन्हें अतिरिक्त 7 दिन का समय दिलवाया था। सोमवार को तहसीलदार, पुलिस बल और दो जेसीबी मशीन लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंचीं। लेकिन पूर्व सांसद बोधसिंह भगत और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नीरज हीरावत ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंच गए।

चार बच्चों को जन्म देने वाली गर्भवती महिला का ऑटो में हुआ प्रसव, नवजातों की हुई मौत

सिस्टम पर सवाल सीएमएचओ मैडम कागजों में चला रहीं योजनाएं

मण्डला(स्वतंत्र मत)

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ डीजे मोहन्ती जब से मंडला में पदस्थ हुई हैं तभी से पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। हर तरफ मनमर्जी और कर्मचारियों गैर जिम्मेदार रवैया के चलते पीड़ित मरीज और उनके परिजन जमकर परेशान हो रहे हैं। लेकिन व्यवस्था में कोई भी सुधार नही हो रहा है। ऐसा ही हैरत इंगेज कर देने वाला मामला सामने आया है। जब गर्भवती महिला को एम्बुलेंस भी नही मिल पाई और नवजात बच्चों की मौंत हो गई। जानकारी अनुसार विकासखंड बिछिया के ग्राम नैगंवा निवासी 28 वर्षीय गर्भवती महिला रजनी सिंदराम ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में एक ऑटो-रिक्शा में एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। लेकिन गर्भावस्था के लगभग 30 सप्ताह में हुए समयपूर्व (प्री-मैच्योर) प्रसव के कारण चारों नवजातों की मौत हो गई। इस दुखद घटना ने एक ओर जहां पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं, विशेषकर 108 एंबुलेंस सेवा की उपलब्धता और कार्यप्रणाली पर

गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह रजनी सिंदराम को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजनों ने तत्काल सरकारी 108 एंबुलेंस सेवा को फोन कर सहायता मांगी लेकिन काफी देर तक एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। परिजनों का कहना है कि महिला की हालत लगातार बिगड़ रही थी और इंतजार करना संभव नहीं था। ऐसे में गांव की आशा कार्यकर्ता ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था कराई और महिला को तीन पहिया ऑटो-रिक्शा से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घुटास ले जाया गया। घुटास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने महिला की स्थिति का प्राथमिक परीक्षण किया। गर्भावस्था की गंभीरता को देखते हुए उसे उपचार के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया रेफर किया। लेकिन अस्पताल तक पहुंचने से पहले ही रास्ते में महिला की प्रसव पीड़ा अत्यधिक बढ़ गई और ऑटो में ही एक-एक कर चार बच्चों का जन्म हो गया। रास्ते में अचानक शुरू हुए इस जटिल प्रसव के दौरान आशा कार्यकर्ता ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए महिला की हरसंभव सहायता की। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने प्रसव की प्रक्रिया को संभाला और महिला को सुरक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया पहुंचाया। हालांकि समय से पहले जन्म लेने के कारण चारों नवजातों के जीवन के कोई लक्षण नहीं मिले। बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने पर चिकित्सकों की टीम ने तत्काल महिला का उपचार शुरू किया और नवजातों की जांच की। जांच के बाद डॉक्टरों ने चारों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। वहीं बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि जब महिला अस्पताल पहुंची तब तक रास्ते में ही प्रसव हो चुका था। महिला करीब 30 सप्ताह की गर्भवती थी और समय से पहले प्रसव होने के कारण चारों नवजात पूर्ण रूप से विकसित नहीं थे। इसी वजह से उन्हें बचाया नहीं जा सका। परिजनों का आरोप है कि यदि समय पर 108 एंबुलेंस उपलब्ध हो जाती तो संभवतः महिला को समय रहते अस्पताल पहुंचाया जा सकता था और नवजातों को बचाने की संभावना भी बढ़ सकती थी। उनका कहना है कि आपातकालीन स्थिति में सरकारी एंबुलेंस सेवा का समय पर उपलब्ध नहीं होना बेहद गंभीर विषय है। यह घटना ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति को भी उजागर करती है। सरकार द्वारा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं लेकिन दूरस्थ गांवों में समय पर एंबुलेंस और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भवती महिलाओं के लिए समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि कुछ मिनटों की देरी भी गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। इस पूरे घटनाक्रम में आशा कार्यकर्ता की भूमिका की भी सराहना की जा रही है। विषम परिस्थितियों में उन्होंने धैर्य और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चिकित्सकों का कहना है कि यदि महिला को समय पर प्राथमिक उपचार और अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता तो उसकी जान को भी खतरा हो सकता था। फिलहाल महिला का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिछिया में जारी है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

छात्रावासों के निरीक्षण में निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग डॉ. अरूण शुक्ला ने विकासखंड बीजाडांडी के भ्रमण के दौरान आदिवासी कन्या आश्रम डोंगरी, माता शबरी आवासीय विद्यालय कन्या शिक्षा परिसर तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बीजाडांडी का निरीक्षण किया। कन्या आश्रम में छात्राओं की कम उपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को प्रतिदिन शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए उन्होंने निरीक्षण में आश्रम एवं छात्रावासों में स्वच्छता शौचालयों की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था तथा परिसर की नियमित सफाई पर विशेष ध्यान देने को कहा।

जनसुनवाई में सुनी समस्याएं

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राज्य शासन के निर्देशानुसार जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन जिला योजना भवन में किया गया। इस जनसुनवाई में कलेक्टर ने दूर-दराज से आए नागरिकों की समस्याओं को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना और कुल 95 आवेदनों पर संज्ञान लिया जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि वे प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि किसी भी आवेदक को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

दो दिवसीय कम्पोजिट वर्कशॉप

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की प्रति स्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने तथा उद्यमियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय एवं विश्व बैंक समर्थित योजना के अंतर्गत 8 एवं 9 जुलाई को मंडला में दो दिवसीय कम्पोजिट वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। यह कार्यशाला नगरीय क्षेत्र से लगे ग्राम बिंझिया में जबलपुर रोड पर स्थित एक निजी रेस्टोरेंट परम आनंद फेमिली रेस्टोरेंट में प्रतिदिन 11 से अपरान्ह 3 बजे तक आयोजित की गई है। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के उद्यमियों, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों एसएचजी इच्छुक उद्यमियों एवं उद्योग प्रतिनिधियों को उद्योग विकास से संबंधित योजनाओं प्रमाणन प्रक्रियाओं तथा डिजिटल व्यापार के अवसरों की जानकारी प्रदान करना है।

शिविर में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

मण्डला(स्वतंत्रमत)। विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम पंचायत टिकरिया में जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया बुधवार को खण्ड स्तरीय शिविर का अयोजन ग्राम देवरी में किया जायेगा आयोजित शिविर में विकासखंड स्तर से सभी विभागीय अधिकारी, कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति सुनिश्चित की तथा उपस्थित ग्रामीणजनों को विभागीय योजनाओं की जानकारी से अवगत कराया शिविर में विभिन्न विभागों को कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से राजस्व विभाग को 7, स्वास्थ्य विभाग को 1, विद्युत विभाग को 2, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को 1, जनपद पंचायत को 15, शिक्षा विभाग को 1 तथा वन विभाग को 1 आवेदन प्राप्त हुआ शिविर में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती वाशंती दुबे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मप्र कृषि विस्तार संघ ने सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ ने अपनी मांगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कृषि विस्तार अधिकारियों को सार्थक ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की। कृषि विस्तार अधिकारी का कहना है कि प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है और कृषि विस्तार अधिकारी सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कृषि विभाग की अंतिम कड़ी होने के नाते वे किसानों के बीच रहकर विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन करते हैं जिसके परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश को कई बार कृषि कर्मण पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है वर्तमान में कृषि विस्तार अधिकारियों को सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज करने के लिए बाध्य किया जा रहा है जिससे उन्हें अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकांश महिला कृषि विस्तार अधिकारियों के कार्यस्थलों पर शासकीय आवास एवं मूलभूत सुविधाओं का अभाव है एक अधिकारी के दो से छह केंद्र का दायित्व सौंप दिया गया है साथ ही 40 से 50 गांव तक का कार्यक्षेत्र होने के कारण उन्हें लगातार भ्रमण करना पड़ता है। इसके अलावा सोयाबीन भावांतर, समर्थन मूल्य पर धान-गेहूं खरीदी, खाद वितरण, बीएलओ एवं एसआईआर सर्वे सहित अन्य विभागीय दायित्व भी निभाने पड़ते हैं। मांग है कि कृषि विस्तार अधिकारियों की कार्य प्रकृति एवं जमीनी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें सार्थक ऐप पर उपस्थिति दर्ज कराने की अनिवार्यता से मुक्त किया जाए ताकि वे बिना अनावश्यक बाधाओं के किसानों के बीच रहकर अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें। इस दौरान जिले के अनेक कृषि विस्तार अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रक से भिड़ी कार चार घायल

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के गाजीपुर के पास मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब जबलपुर से बिछिया की ओर जा रही एक काले रंग की मैग्नाइट कार ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे ट्रक से जा भिड़ी टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई जानकारी के अनुसार कार में सवार अजय सोनी और जगदीश रजक दिल्ली से लौट रहे थे उन्हें लेने भूपेंद्र उईके और शिवेंद्र उईके कार से जबलपुर रेलवे स्टेशन गए थे चारों युवक बिछिया एवं राजो क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार तेज रफ्तार में थी ओवरटेक के दौरान चालक वाहन का संतुलन खो बैठा जिससे कार सीधे सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई ।

टिकरिया पुलिस ने किया जागरूक

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

इन दिनों पुलिस प्रशासन के द्वारा साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए टिकरिया पुलिस द्वारा ऑपरेशन सेफ क्लिक अभियान के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणगंज में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर से जागरूकता रैली निकालकर छात्राओं एवं आम नागरिकों को साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। रैली में छात्राओं ने साइबर सुरक्षा से जुड़े संदेश लिखी तख्तियां एवं बैनर लेकर लोगों को ऑनलाइन ठगी से सतर्क रहने का संदेश दिया। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को बताया कि किसी

भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी बैंक खाता एटीएम कार्ड यूपीआई पिन या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने, फर्जी कॉल या लुभावने ऑफर के झांसे में आने से बचने की सलाह भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान पुलिस थाना प्रभारी प्रदीप पाण्डेय ने छात्राओं से अपील की कि वे स्वयं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। विद्यालय प्रबंधन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को सुरक्षित डिजिटल जीवन के प्रति जागरूक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

थाना नैनपुर पुलिस द्वारा अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप जब्त

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नैनपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। मुखबिर सूचना के आधार पर थाना नैनपुर पुलिस ने धनौरा नाका के आगे बालाघाट-नैनपुर मार्ग पर नाकाबंदी की। इस दौरान जानकारी अनुसार एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक एम पी 20 सी एच 8794 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन चालक ने अपना नाम विक्रम पाण्डे पिता स्व. मोहनलाल पाण्डे, उम्र 42 वर्ष, निवासी ग्राम आलेझरी, थाना वारासिवनी, जिला बालाघाट बताया। वाहन की तलाशी लेने पर डिक्की से कुल 06 कार्टूनों में 53.64 बल्क लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इनमें पाँच कार्टूनों में 250 पाव गोवा ब्रांड अंग्रेजी शराब तथा एक कार्टून में 48 पाव ओल्ड मंक अंग्रेजी शराब पाई गई। बरामद शराब की अनुमानित कीमत ?53,640 है। आरोपी से शराब के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, किन्तु वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। नियमानुसार प्रत्येक कार्टून से नमूने लेकर उन्हें सीलबंद किया गया तथा शेष शराब को विधिवत जब्त किया गया। साथ ही परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार, जिसकी अनुमानित कीमत ?2,50,000 है, को भी जब्त किया गया। इस प्रकार जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत ?3,03,640 बताई गई है। आरोपी विक्रम पाण्डे को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 317/2026, धारा 34(2) मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

रेलिंग तोड़कर पुल से नीचे गिरी बोलेरो

रेंजर सहित चार घायल

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

मंडला-जबलपुर नेशनल हाईवे-30 पर स्थित टिकरिया थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। जबलपुर से मंडला आ रही एक तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर बालई नदी के पुल की रेलिंग तोड़ते हुए करीब 25 से 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। हादसे में मंडला की रेंजर सोनम जैन सहित वाहन में सवार चार लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की तत्परता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार बोलेरो चालक ने पुलिस को बताया कि रास्ते में अचानक एक मोटरसाइकिल सवार सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में वाहन का संतुलन बिगड़ गया और बोलेरो पुल

की रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरी। गनीमत रही कि हादसे के समय बालई नदी में पानी का स्तर कम था। वाहन सीधे नीचे गिरा और पलटा नहीं जिससे उसमें सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका मिल गया। यदि नदी में पानी अधिक होता या वाहन पलट जाता तो हादसा और भी भयावह हो सकता था। दुर्घटना में मंडला की रेंजर सोनम जैन, शिवानी यादव, तीन वर्षीय अभ्यांश जैन सहित वाहन में सवार चार लोग घायल हुए। प्राथमिक उपचार के बाद रेंजर सोनम जैन की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया।हादसे की सूचना मिलते ही टिकरिया थाना प्रभारी प्रदीप पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य चलाकर सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इसके साथ ही क्रेन की सहायता से नदी में गिरी बोलेरो को बाहर निकालने की कार्यवाही की गई।

नवीन विद्यालय का हुआ भूमिपूजन

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलगांव के नवीन भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथियों में विधायक निवास चैनसिंह वरकड़े, जीएस भवेदी, जनपद अध्यक्ष मोहगांव अड्डू मिश्रा अध्यक्ष स्थायी शिक्षा समिति मोहगांव, श्रीमती गोंदिया परते, जनपद सदस्य श्रवण परते, जनपद सदस्य, लमतूसिंह धुर्वे, सरपंच ग्राम पंचायत बिलगांव तथा प्रसन्न भांवरें, उपसरपंच बिलगांव उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने नवीन विद्यालय भवन के निर्माण को क्षेत्र के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में दीपक कछवाहा प्रभारी प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहगांव तथा फूलचंद नंदा, प्रभारी प्राचार्य पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलगांव ने अतिथियों का स्वागत किया एवं विद्यालय भवन निर्माण पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि नवीन भवन के निर्माण से विद्यार्थियों को आधुनिक एवं सुविधायुक्त शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा इस अवसर ग्रामवासी अभिभावक समस्त शिक्षक स्टाफ तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मैराथन से दिया साइबर का संदेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में साइबर सुरक्षा जागरूकता मैराथन का आयोजन किया गया मैराथन का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस लाइन से हरी झंडी दिखाकर किया गया यह मैराथन शहर के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः पुलिस लाइन परिसर में संपन्न हुई कार्यक्रम में एसडीओपी पीयूष मिश्रा थाना प्रभारी शफीक खान, थाना प्रभारी महाराजपुर निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव, यातायात पुलिस बल सहित अन्य पुलिस अधिकारी-कर्मचारी छात्र-छात्राएं एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की मैराथन के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने साइबर जागरूकता एवं सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की शपथ ली पुलिस ने आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें व पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर समय रहते आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

विक्षिप्त व्यक्ति ने लगाई नर्मदा में छलांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मंगलवार को एक बड़ा हादसा देखने को मिला जहां एक विक्षिप्त व्यक्ति रपटा पुल से नर्मदा नदी में छलांग लगा दिया। जानकारी के अनुसार रपटा पुल के बीच स्थित सुरंगनुमा हिस्से में एक विक्षिप्त व्यक्ति के बैठे होने की सूचना जिला प्रशासन को मिली। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। एसडीआरएफ और पुलिस के जवान सुरंग के भीतर पहुंचकर उसे बाहर लाने का प्रयास कर रहे थे तभी वह अचानक वहां से निकलकर सीधे रपटा पुल से उफनती नर्मदा नदी में कूद गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों और लोगों में हड़कंप मच गया। लगातार बारिश के कारण नर्मदा नदी का जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है और नदी में तेज बहाव बना हुआ है। पुल से छलांग लगाने के बाद विक्षिप्त व्यक्ति कुछ देर तक पानी में दिखाई दिया लेकिन तेज धाराओं के कारण वह बहते हुए काफी दूर निकल गया और फिर नजरों से ओझल हो गया। घटना के तुरंत बाद एसडीआरएफ की टीम ने नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

क्विज व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की पहल मेरा युवा भारत के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई इस अवसर पर क्विज एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें एनएसएस एवं एनसीसी के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य कल्पना नामदेव के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ शिक्षक विपिन लखेरा ने मंच संचालन करते हुए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि डॉ. मुखर्जी एक महान शिक्षाविद, प्रखर विचारक और सच्चे राष्ट्रभक्त थे प्राचार्य कल्पना नामदेव ने अपने संबोधन में

कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया तथा युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

संपादकीय

जीवनदाता या दुकानदार!

'रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया' ने बीते 10 मई को एक 'सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम' (एसआरएस) के जरिए सर्वेक्षण कराया था। उसके स्वास्थ्य और जनसंख्या संबंधित निष्कर्ष और आंकड़े बेहद डरावने हैं। हालांकि यह सर्वेक्षण 2024 के आंकड़ों पर आधारित था, फिर भी उसके निष्कर्ष भयावह हैं। डॉक्टरी या अस्पताल की सहायता नहीं मिल पाने के कारण मौतों का डाटा दोगुना से अधिक हो गया है। 2020 तक ऐसी मौतों का अनुपात 18 फीसदी था, लेकिन 2024 में यह आंकड़ा बढ़ कर 45.05 फीसदी हो गया है। बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में यह आंकड़ा 60 फीसदी को भी पार कर चुका था। केरल में यह आंकड़ा 26.08 फीसदी था, जो पुराने राष्ट्रीय औसत 18 फीसदी से भी अधिक है। यह कैसा देश है? ये मौतें इलाज के बिना हो रही हैं, जो बेहद त्रासद है। यह स्थिति तब है, जब मोदी सरकार की 'आयुष्मान भारत' योजना लगभग देश भर में लागू है और उसे दुनिया की सबसे बड़ी और व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना के तौर पर प्रचारित किया जाता रहा है। दरअसल 'आयुष्मान भारत' एक अर्द्धसत्य है, जिसे वे जानते होंगे, जो उस कार्ड के धारक हैं। यह कार्ड सिर्फ ऑपरेशन, शरीर की चीरा-फाड़ी में ही प्रभावी है। यदि आप रूटीन की, पुरानी बीमारियों के संदर्भ में, किसी डॉक्टर की सलाह लेना चाहते हैं, तो आपको उसकी महंगी फीस अदा करनी पड़ेगी। दवाओं का खर्च अलग! भारत में आम धारणा है कि डॉक्टर 'भगवान का ही रूप' हैं। भगवान तो अतिशयोक्ति है, हम 'जीवनदाता' तो मान सकते हैं। जब इनसान की आखिरी सांस भी उखड़ने लगती है और सामने मौत की छाया महसूस होने लगती है, तब एक डॉक्टर का जज्बा और जिद उस जिंदगी को बचाते हैं। मरणासन्न रोगियों को नई जिंदगी देने के ऐसे असंख्य उदाहरण हैं। बेशक डॉक्टर की पढ़ाई और प्रशिक्षण ऐसे हैं कि वे 'जीवनदाता' साबित होते रहे हैं, लेकिन यह भी कल्पना करें कि जिन जिंदगियों को अस्पताल में उपचार नहीं मिला और न ही ऐसा 'जीवनदाता' मिल पाया, उनके लिए तो मौत एक भयानक यथार्थ है। एक बड़ा सच यह भी है कि भारत में आम आदमी को अस्पताल और डॉक्टर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। वे इतने महंगे और दुकानदार किस्म के हो गए हैं कि औसत गरीब इनका इलाज वहन नहीं कर सकता। अस्पताल में एक बार जाएं, तो वहां अनेक प्रकार के टेस्ट जरूर किए जाएंगे, चाहे उनकी जरूरत हो या न हो। अस्पताल बाहर कराए हुए टेस्ट को मान्यता ही नहीं देते। भारत की व्यवस्था में डॉक्टरों को 'मोटे वेतन' दिए जाते हैं और उनके कोटे तय किए जाते हैं कि आप इतने मरीजों को ऑपरेट जरूर करेंगे। कई जगह तो ऐसे डॉक्टरों की तनख्वाह सरकार के कैबिनेट सचिव से भी अधिक होती है। सरकार डॉक्टर की पढ़ाई पर सब्सिडी भी देती है। क्या दुकानदार बनने के लिए इतना खर्च किया जाता है? इसमें अपवाद भी हैं, जो वाकई 'जीवनदाता' हैं। मप्र के एक न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर हैं, जिनसे मुलाकात की प्रतीक्षा-सूची 3-4 माह की है। उनकी एक बार की, सप्ताह तक लागू, फीस 3500 रुपए है, जबकि औसत विशेषज्ञ डॉक्टर की फीस 1200-1500 रुपए है। सवाल है कि क्या न्यूरो से जुड़ी पुरानी बीमारी का मरीज और आम आदमी ऐसे महंगे डॉक्टरों का इलाज वहन कर सकता है? यदि नहीं कर सकता, तो अकाल मौत का शिकार होगा। क्या भारत के संविधान में यही मौलिक अधिकार दिए गए हैं? गरीब लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं सस्ते में उपलब्ध करवाना सरकार का दायित्व है। गरीब मरीज को कोई परेशानी न हो, सरकार को यह सुनिश्चित कराना चाहिए।

विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं

बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरुआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान, तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं। आज आवश्यकता केवल तकनीकी समाधान की नहीं, बल्कि तकनीक, नैतिकता, कानून और उत्तरदायित्व के समन्वित मॉडल की है। सरकार को कठोर कानून, त्वरित न्याय और सक्षम जांच तंत्र विकसित करना होगा, डिजिटल कंपनियों को अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा, वित्तीय संस्थानों को सुरक्षा और जवाबदेही बढ़ानी होगी और नागरिकों को डिजिटल अनुशासन अपनाना होगा। साइबर अपराध और भारतीय डिजिटल जीवनशैली के बीच संतुलन ही विकसित भारत की सबसे बड़ी कसौटी है। यदि यह संतुलन स्थापित हो गया, तो डिजिटल भारत विश्व का सबसे विश्वसनीय डिजिटल लोकतंत्र बन सकता है, अन्यथा तकनीकी उपलब्धियां भी अविश्वास के बोझ तले दम तोड़ देंगी।

अग्निपथ योजना में बदलाव

सूर्य करेगा अगवानी फिर चांद नजर उतारेगा,
हर बालक देश की रक्षा हेतु देखो अब हुंकारेगा।
सर पर होगा कफन हमारे हाथ कलावा धारेगा,
धरा हर पुत्र बनकर अग्निवीर अग्निपथ चलेगा।
कांधे पर बंदूक हमारे माथे केसर त्रिकुंड सजेगा,
सीमा प्रहरी सीना तान चलेगा शत्रु दिल कांपेगा।
देश वीर जब हुंकारेगा पर्वत भी शीश झुकाएगा,
धरा हर पुत्र बनकर अग्निवीर अग्निपथ चलेगा।

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश के अग्निवीर अब किसी कवि की उपरोक्त पंक्तियों को चरितार्थ कर रहे हैं। अग्नि का अर्थ होता है आग और वीर का अर्थ होता है योद्धा। जो जोश से भरपूर तथा किसी भी स्थिति में हार न मानने वाला योद्धा। अग्निवीरों के लिए अब एक अच्छी पहल यह हुई है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने अग्निवीरों को ज्यादा संख्या में स्थायी रूप से रखने की मांग की है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि सेना के पास अनुभवी जवानों की संख्या बढ़े ताकि युद्ध या किसी बड़े सैन्य संघर्ष की स्थिति में उनकी सेवाएं ली जा सकें। भारतीय सशस्त्र बलों ने पिछले साल हुएऑपरेशन सिंदूर से अहम सीख ली है। पाकिस्तान के खिलाफ आपरेशन सिंदूर के दौरान अग्निवीरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। कई मौकों पर ऐसे अग्निवीरों जिन्हें अलग-अलग इलाकों में काम करने और कई सैन्य अभ्यासों का अनुभव था, उन्होंने हालात का ज्यादा तेजी और प्रभावी तरीके से सामना किया।

इसी अनुभव को देखते हुएसेना अब अधिक अग्निवीरों को सेवा में बनाए रखने की जरूरत महसूस कर रही है। अब सेना और भारतीय वायु सेना 4 साल की ट्रेनिंग पूरी करने वाले अग्निवीरों की स्थायी भर्ती 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की योजना बना रही है। जबकि नौसेना अग्निवीरों की भर्ती 75 प्रतिशत करने की पहल करने का प्रयास करेगी। रक्षा बलों में अब तक ट्रेनिंग पूरी करने वाले अग्निवीरों की 25 प्रतिशत भर्ती का ही प्रावधान है। अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किए गएअग्निवीरों ने 2023 की शुरूआत में अपना प्रशिक्षण शुरू किया। अग्निवीरों के पहले बैच इस साल के अंत में अपना 4 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। जब केन्द्र सरकार ने यह योजना शुरू की थी तब इसकी काफी आलोचना की गई थी और यह सवाल उठाया जा रहा था कि 4 वर्ष बाद केवल 25 प्रतिशत भर्ती की जाएगी तो 75 प्रतिशत अग्निवीर कहां जाएंगे। उनके आगे घर परिवार की जिम्मेदारियां होंगी तब वे नौकरी की तलाशमें परेशान रहेंगे। तब केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों ने अग्निवीरों को नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान किया था।

भारतीय सेना हमारे देशकी वह शक्ति है जो भारत की सीमाओं की रक्षा करती है। समूचा राष्ट्र इसलिए चैन की नींद सोता है, क्योंकि सीमाओं पर सेना के जवान प्रहरी बनकर खड़े होते हैं। यह केवल एक सैन्य संगठन नहीं बल्कि हर भारतीय के गर्व और सम्मान का प्रतीक है। युवा वर्ग को सैनिक प्रशिक्षण मिले और वह देश की सेवा में जुड़े रहें। युवा वर्ग सैन्य अनुशासन के साथ आगे बढ़ते रहें यह अग्निवीर योजना का मुख्य उद्देश्य है। अग्निवीरों ने प्रशिक्षण के दौरान भी अपनी शहादतें दीं। हर साल सेना में तय संख्या में जवान सेवानिवृत्त होते हैं। कम संख्या में अग्निवीरों को भर्ती किया तो आने वाले समय में सेना में जवानों की कमी हो जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना ने बड़ी संख्या में नई टेक्नोलॉजी, मॉडर्न प्लेटफॉर्म और अत्याधुनिक हथियारों की खरीद शुरू की है। ऐसे में इन सिस्टम को चलाने वाले जवानों को पहले से ज्यादा समय तक विशेष प्रशिक्षण देने की जरूरत महसूस की जा रही है, ताकि वे इनका पूरा अनुभव हासिल कर सकें। यह जरूरत खासतौर पर नौसेना के उन नाविकों और वायुसेना व थलसेना के उन जवानों के लिए अधिक महत्वपूर्ण मानी जा रही है जिन्हें अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों और हथियार प्रणालियों के संचालन की जिम्मेदारी दी जाती है। अगर अधिक संख्या में अग्निवीरों को सेवा में रखा जाता है तो तीनों सेनाओं में जवानों की औसत उम्र युवा बनी रहेगी। इसके साथ ही सेना के पास पर्याप्त संख्या में अनुभवी सैनिक भी उपलब्ध रहेंगे। इससे युवाओं और अनुभव के बीच बेहतर संतुलन बनाया जा सकेगा। इसके अलावा, इसके पीछे कुछ अन्य कारण भी हैं। अधिकारियों का मानना है कि सैनिकों का लंबा कार्यकाल उन्हें अपने साथियों के साथ बेहतर तालमेल और भरोसा बनाने का मौका देता है। कठिन परिस्थितियों, चुनौतीपूर्ण तैनाती और मुश्किल दौर को साथ मिलकर झेलने से जवानों के बीच आपसी समझ और टीम भावना भी मजबूत होती है। अग्निपथ योजना के तहत सैनिकों, नौसैनिकों और वायु सैनिकों का प्रशिक्षण चल रहा है। सभी रेजिमेंटल केन्द्रों में अकेले सेना में लगभग 70 हजार अग्निवीर ट्रेनिंग ले रहे हैं। अगले प्रशिक्षण वर्ष में सेना में अग्निवीरों की भर्ती बढ़ाने के लिएलगभग 90 हजार रिक्तियां बढ़ाने की उम्मीद है। पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कुछ समय पहले कहा था कि अग्निपथ योजना को सेना में बड़ा मानव संसाधन सुधार माना जाना चाहिए। सेना को अधिक युवा, ऊर्जावान, अनुशासित और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है तो अग्निवीर भारतीय सेना में सकारात्मक योगदान दे सकते हैं। भारतीय सेना की मांग के अनुरूप अग्निवीर योजना में बदलाव एक बहुत बड़ा कदम होगा और इससे युवाओं को रोजगार भी मिलेगा और सम्मान भी। नए सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने भी सेना के आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी आधारित क्षमता और सैन्य बलों को बढ़ाने की योजना पर बल दिया है।

कामयाबी बैंक खाते से तय नहीं होती, धन से बड़ी दौलत है अपने पसंद का काम मिलना

वॉरेन बफेट

सफलता इस बात से तय होती है कि क्या आप सुबह मुस्कुराते हुए उठते हैं, आपका काम आपकी आत्मा को थकाता है या उसे ऊर्जा देता है और क्या रात को सोते समय आपको लगता है कि आज का दिन सार्थक बीता।

जब लोग मेरे बारे में पढ़ते हैं, तो वे अक्सर मेरी संपत्ति की चर्चा करते हैं। वे जानते हैं कि मैंने निवेश करके बहुत धन कमाया। अगर आप मुझसे पूछें कि मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि क्या है, तो मेरा जवाब कभी भी अरबों डॉलर नहीं होगा। मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि मैं अपने जीवन में हर सुबह उत्साह के साथ उठा, क्योंकि मैं जानता था कि आज भी मैं वही काम करने जा रहा हूं, जिससे मैं प्रेम करता हूं। धन कमाना मेहनत का परिणाम हो सकता है, पर उद्देश्य नहीं होना चाहिए। यदि उद्देश्य केवल धन कमाना है, तो एक दिन आप बहुत कुछ पा लेने के बाद भी भीतर से खालीपन महसूस करेंगे। अगर आपका उद्देश्य ऐसा काम करना है, जो जिज्ञासा, प्रतिभा और आपके आनंद से जुड़ा हो, तो धन उसके पीछे-पीछे आने लगेगा। और, यदि न भी आए, तब भी आपका जीवन सार्थक रहेगा। जब दूसरे बच्चे खेलों का मजा ले रहे होते थे, तब मैं कंपनियों की रिपोर्ट पढ़ने में आनंद लेता था। किसी ने मुझे इसके लिए मजबूर नहीं किया। यह मेरी दिलचस्पी थी। यदि मैं केवल समाज व लोगों की उम्मीदों के अनुसार चलता, तो शायद किसी और पेशे में चला जाता, पर तब मैं वह जीवन नहीं जी पाता, जिससे मुझे संतोष मिला। बहुत-से लोग पूरी उम्र यह जाने बिना बिता देते हैं कि उन्हें वास्तव में किस काम में आनंद आता है। वे नौकरी इसलिए करते हैं, क्योंकि वेतन मिलता है या कोई पेशा इसलिए चुनते हैं, क्योंकि समाज में उसे प्रतिष्ठा की नजर से देखा जाता है। यदि आपका मन उस काम में नहीं है, तो सफलता भी आपको थका देगी।

मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है, जिनके पास अपार संपत्ति है, फिर भी वे हर सुबह बोझ महसूस करते हैं। दूसरी ओर, मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है, जिनकी आय बहुत अधिक नहीं है, पर वे अपने काम से प्रेम करते हैं। उनके चेहरे पर जो संतोष है, वह किसी भी विलासिता से कहीं ज्यादा मूल्यवान है। जब आप अपने पसंद के काम में डूबे होते हैं, तब आपको सेवानिवृत्ति का विचार उतना आकर्षक नहीं लगता। आप काम इसलिए नहीं करते कि करना पड़ रहा है, बल्कि इसलिए करते हैं, क्योंकि वही आपको जीवंत महसूस कराता है। इसका अर्थ यह भी नहीं कि हर दिन आसान होगा। जब आप अपने चुने हुए मार्ग पर चलते हैं, तो कठिनाइयां आपको रोकती नहीं, बल्कि सिखाती हैं। जीवन की सफलता बैंक खाते से नहीं मापी जाती। वह इस बात से तय होती है कि क्या आप सुबह मुस्कुराते हुए उठते हैं, क्या आपका काम आपकी आत्मा को थकाता है या उसे ऊर्जा देता है और क्या रात को सोते समय आपको लगता है कि आज का दिन सार्थक था। यदि आप ऐसी स्थिति तक पहुंच जाते हैं, जहां सोमवार और रविवार में अंतर केवल कैलेंडर का रह जाता है, मन का नहीं, तो समझिए आपने वह कामयाबी हासिल कर ली है, जिसे कोई आर्थिक मंदी, बाजार, पुरस्कार और कोई आलोचना आपसे छीन नहीं सकती। यही मेरे लिए जीवन की सबसे बड़ी सफलता है।

एक देश, एक सेवानिवृत्ति : आयु समानता और वरिष्ठ नागरिकों के न्याय की आवश्यकता

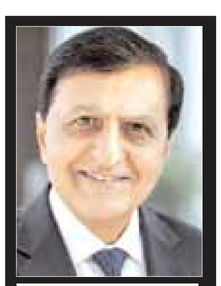

पवन शर्मा

किसी भी राष्ट्र और उसके नागरिकों के बीच का सामाजिक समझौता निष्पक्षता, समानता और आपसी सम्मान पर टिका होता है। जब कोई व्यक्ति देश के निर्माण में अपनी जवानी, बुद्धि और शारीरिक श्रम समर्पित कर देता है, तो राज्य का यह कर्तव्य बनता है कि वह उनके जीवन के अंतिम पड़ाव को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाए। लेकिन आज के भारत में यह सामाजिक समझौता टूटता हुआ दिखाई दे रहा है। एक स्पष्ट और गहरी असमानता उभर कर सामने आई है- जहाँ एक तरफ आम नागरिकों के लिए कड़े नियम हैं, लगातार घटती सामाजिक सुरक्षा है और काम से जबरन बाहर होने की एक तय तारीख है; वहीं दूसरी तरफ राजनीतिक और प्रशासनिक अभिजात वर्ग असीमित विशेषाधिकारों और अनंत जीवन रेखाओं का आनंद ले रहा है। अब समय आ गया है कि इस ढांचागत असंतुलन को सुधारा जाए और एक समान राष्ट्रीय मानक की मांग की जाए, एक देश, एक सेवानिवृत्ति

1. वरिष्ठ नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा का लगातार पतन- पिछले एक दशक में, भारत के बुजुर्गों की रक्षा करने वाले सामाजिक सुरक्षा तंत्र को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया गया है। पुरानी पेंशन योजना के स्थान पर बाजार-आधारित विकल्पों को लाने से लाखों सेवानिवृत्त सरकारी और अर्ध-सरकारी कर्मचारी मुद्रास्फीति (महंगाई) के सामने असहाय हो गए हैं। कई विभागों में, आजीवन मिलने वाली पारंपरिक पेंशन को खत्म करके %वन-टाइम% (एकमुश्त) भुगतान की व्यवस्था कर दी गई है। यह एकमुश्त राशि भले ही कागज पर बड़ी दिखती हो, लेकिन आज की बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल लागत और सामान्य महंगाई के कारण यह बहुत तेजी से खत्म हो जाती है, जिससे बुजुर्ग अपने जीवन के अंतिम वर्षों में वित्तीय रूप से असुरक्षित हो जाते हैं।

इसके साथ ही, बुजुर्गों के लिए दैनिक जीवन का खर्च भी काफी बढ़ गया है। वरिष्ठ नागरिक आज भी जीवन रक्षक दवाओं से लेकर खाद्यान्न जैसी आवश्यक वस्तुओं पर आम कामकाजी आबादी के बराबर ही माल और सेवा कर चुकाते हैं। इसके बावजूद, जीवन भर टैक्स देने के बदले उन्हें मिलने वाली मामूली रियायतें भी वापस ले ली गई हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण भारतीय रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को बंद करना है-एक ऐसा लाभ जिसे बार-बार की जाने वाली सार्वजनिक अपीलों के बावजूद बहाल नहीं किया गया। यह एक अत्यंत अन्यायपूर्ण आर्थिक वास्तविकता को जन्म देता है- हमारे बुजुर्ग अप्रत्यक्ष करों के माध्यम से राष्ट्रीय खजाने में बराबर का योगदान दे रहे हैं, लेकिन उन्हें बुनियादी राज्य सब्सिडी और सहायता से वंचित किया जा रहा है।

2. लोकलुभावन कल्याण बनाम ढांचागत समानता- एक तरफ जहाँ वित्तीय घाटे और राजकोषीय विवेक का हवाला देकर वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों में कटौती की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ देश के संसाधनों को राजनीतिक लाभ के लिए लोकलुभावन नकद-हस्तांतरण योजनाओं की ओर मोड़ा जा रहा है।

लाडली बहना योजना जैसे कार्यक्रम-भले ही महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के अपने घोषित उद्देश्य में नेक दिखते हों-अक्सर बिना किसी सख्त आय सीमा या योग्यता फिल्टर के, स्वस्थ और सक्षम जनसांख्यिकी को मासिक नकद सहायता प्रदान करते हैं। यह अंधाधुंध खर्च दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता पर बिना किसी सार्वजनिक बहस या विधायी संवीक्षा के किया जाता है। जब सरकार यह दावा करती है कि उसके पास देश का बुनियादी ढांचा तैयार करने वाले बुजुर्ग नागरिकों की सहायता के लिए बजट नहीं है, लेकिन चुनावी लाभ के लिए खजाने का मुंह खोल देती है, तो वह टैक्स देने वाले एक बहुत बड़े वर्ग को निराश करती है। वास्तविक कल्याणकारी योजनाओं में शारीरिक और आर्थिक रूप से सबसे कमजोर लोगों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए, और इसकी शुरुआत हमारे वरिष्ठ नागरिकों से होनी चाहिए।

3. संस्थागत दोहरा मापदंड- नियम बनाम अपवाद- भारत का वर्तमान संस्थागत और प्रशासनिक ढांचा एक गहरे विरोधाभास पर काम करता है आम जनता के लिए नियम- देश के शिक्षकों, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों, पुलिसकर्मियों और सिविल सेवकों को कानूनी रूप से 60 या 62 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया जाता है। इसके पीछे यह तर्क दिया जाता है कि इस उम्र के बाद मानसिक या शारीरिक क्षमता स्वाभाविक रूप से कम हो जाती है, और देश की विशाल युवा आबादी को अवसर देने के लिए पद खाली होने चाहिए। नौकरशाही का अपवाद इसके विपरीत, हाल के वर्षों में आईएएस और आईपीएस जैसे वरिष्ठ नौकरशाहों को सेवानिवृत्ति के बाद भी बार-बार सेवा विस्तार देने का चलन चिंताजनक रूप से बढ़ा है। यह मनमाना सेवा विस्तार प्रशासनिक पदानुक्रम को प्रभावित करता है, छोटे और उतने ही योग्य अधिकारियों की पदोन्नति के रास्ते बंद करता है, और संस्थागत स्वतंत्रता से समझौता करता है। राजनीतिक अमरता देश के नीति-निर्माताओं और राजनेताओं के लिए कोई आयु सीमा या शारीरिक फिटनेस का मानदंड ही नहीं है। राजनेता अपनी उम्र या शारीरिक अक्षमताओं की परवाह किए बिना अनिश्चित काल तक चुनाव लड़ सकते हैं, मंत्रालय चला सकते हैं और राष्ट्रीय नीतियां बना सकते हैं।

यह एक अतार्किक विरोधाभास पैदा करता है यदि एक अनुभवी शिक्षक 60 वर्ष की आयु के बाद चालीस छात्रों की कक्षा को संभालने के लिए अयोग्य मान लिया जाता है, तो एक राजनेता 80 वर्ष की आयु में बीस लाख लोगों के निर्वाचन क्षेत्र पर शासन करने के लिए कैसे योग्य हो सकता है? यदि देश के विशेषज्ञों और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए उम्र के साथ शारीरिक और मानसिक क्षमता का पैमाना लागू होता है, तो वही नियम कानून बनाने वालों पर भी लागू होना चाहिए।

4. बहु-पेंशन की विसंगति- यह असमानता तब और गहरी हो जाती है जब हम राजनीतिक वर्ग को मिलने वाले सेवानिवृत्ति लाभों को देखते हैं। जहाँ आम नागरिक एक सम्मानजनक एकल पेंशन के लिए संघर्ष कर रहा है या एकमुश्त भुगतान पर निर्भर है, वहीं राजनेताओं के लिए एक विशेष और बेहद फायदेमंद व्यवस्था बनाई गई है। मौजूदा नियमों के तहत, एक राजनेता कई पेंशन का लाभ उठा सकता है। यदि कोई व्यक्ति विधानसभा सदस्य और संसद सदस्य दोनों रहा हो या एक ही सदन में कई बार चुना गया हो तो वह प्रत्येक कार्यकाल के लिए अलग-अलग, संचयी पेंशन का हकदार होता है। इसका मतलब है कि जनता का एक सेवक, जिसने शायद कुल मिलाकर केवल कुछ ही साल सेवा की हो, सरकारी खजाने से तीन या चार अलग-अलग पेंशन ले सकता है। यह वित्तीय विलासिता पूरी तरह से करदाताओं के पैसे से पोषित होती है, जबकि देश के कई बुजुर्ग बुनियादी चिकित्सा खर्च उठाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं।

5. एक देश, एक सेवानिवृत्ति का क्रियान्वयन- जनता का विश्वास बहाल करने, पीढ़ीगत समानता सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय बजट को संतुलित करने के लिए, भारत को एक समान प्रशासनिक ढांचे की ओर बढ़ना होगा।

चीन ने न्यूक्लियर सबमरीन से दागी लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल, यूएस-ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस में हड़कंप?

नई दिल्ली

चीन की चालबाजी कोई नई बात नहीं है। चाहे प्रशांत महासागर के क्षेत्र में अपने वर्चस्व की स्थापना की नाकाम कोशिश हो या फिर हथियारों के मामले में अपने ताकत का प्रदर्शन, ड्रैगन हमेशा से अपने नापाक इरादे समय-समय पर दुनिया को दिखाता रहता है। ऐसे में एक बार फिर चीन ने अपनी ऐसी ही हरकत से दुनिया को चौंका दिया है।

इस पूरे मामले को ऐसे समझिए कि प्रशांत महासागर में चीन की तरफ से परमाणु पनडुब्बी से दागी गई एक लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। इस परीक्षण के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों में हड़कंप सा मच गया है, जिसको लेकर अमेरिका समेत कई देशों ने इसपर कड़ी और तीखी प्रतिक्रिया भी दी है।

चीन के इस कदम के बाद एक तरफ जहां अमेरिका ने ड्रैगन पर परमाणु हथियारों का जखीरा तेजी से बड़ाने का आरोप लगाया है। वहीं दूसरी ओर चीन के पड़ोसी देशों ने इसे क्षेत्र के लिए बड़ा खतरा बताया है। अब सवाल ये है कि आखिर चीन से इस कदम से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की चिंता सातवें आसमान पर क्यों पहुंच गई? आइए हम आपको बताते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह पहली बार है जब चीन ने अपनी किसी परमाणु पनडुब्बी से प्रशांत महासागर में लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागने की बात सार्वजनिक रूप से कबूल की है। इस मिसाइल में नकली हथियार लगाया गया था। चीन ने इसे एक सामान्य और सालाना सैन्य अभ्यास का हिस्सा बताया है और कहा कि यह किसी देश को निशाना बनाकर नहीं किया गया।

ये दावा हम नहीं रक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है। विशेषज्ञों ने इस परीक्षण के बात इस बात पर जोर दिया कि इस सफल परीक्षण से चीन ने यह साबित कर दिया है कि उसकी नौसेना अब अपने समुद्री इलाके के पास से ही सीधे अमेरिका की मुख्य भूमि को निशाना बना सकती है। अब चीन की परमाणु ताकत सिर्फ जमीन से दागी जाने वाली मिसाइलों तक सीमित नहीं रही।

हालांकि इस बात में भी कोई दोहराई नहीं कि इस परीक्षण के बाद एक साथ कई देशों ने चीन को आड़े हाथों लिया है। सबसे पहले बात अमेरिका की करें तो अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि एक तरफ जहां अमेरिका परमाणु हथियारों को रोकने की कोशिश कर रहा है, वहीं चीन इसके उलट काम कर रहा है। उन्होंने चीन से परमाणु हथियारों के इस गुप्त विस्तार को रोकने और बातचीत करने की अपील की।

फिलीपींस ने इसे सैन्य ताकत का लापरवाह प्रदर्शन और उकसाने वाली कार्रवाई बताया। वहीं, ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा सचिव जोसेफ वू ने कहा कि मिसाइल फिलीपींस के ऊपर से गुजरी। उन्होंने एक्स एक्स पर लिखा कि चीन एक बार फिर खुद को इलाके का बॉस साबित करने में लगा हुआ है।

इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और जापान ने इसे क्षेत्र को अस्थिर करने वाला कदम बताया और गंभीर चिंता व्यक्त की। न्यूजीलैंड ने नाराजगी जताई कि उन्हें टेस्ट से कुछ घंटे पहले ही इसकी जानकारी दी गई। वहीं, सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मैथ्यू वेल ने चीनी राजनयिकों के सामने इस टेस्ट का कड़ा विरोध दर्ज कराया।

अब इस बात को समझना कितना आसान और कितना मुश्किल हो सकता है कि जहां एक तरफ क्षेत्रिए शांति और हथिरायों का जखीरा बढ़ाने का हवाला देते हुए दुनिया चीन का विरोध कर रही है। वहीं दूसरी ओर रूस ने चीन का साथ दिया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि मिसाइल टेस्ट करना चीन का संप्रभु अधिकार है और चीन इससे किसी को धमकी नहीं दे रहा है।

इस बात को ऐसे समझिए कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अनुमान के मुताबिक, चीन के पास इस समय करीब 600 परमाणु हथियार हैं, और जिस रफ्तार से वह आगे बढ़ रहा है, 2030 तक उसके पास 1000 से यादा परमाणु हथियार होंगे।

वहीं प्रशांत महासागर में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए अमेरिका और चीन के बीच पहले से ही तनातनी चल रही है। चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए ऑस्ट्रेलिया ने हाल ही में फिजी, वनुआतु और सोलोमन द्वीप जैसे देशों के साथ सुरक्षा समझौते किए हैं। ऐसे माहौल में चीन का यह मिसाइल परीक्षण इस बात का साफ संकेत है कि आने वाले दिनों में महाशक्तियों के बीच यह मुकाबला और यादा कड़ा होने वाला है।

एक के बाद एक धमाकों से दहला सीरिया

दशिमक में मैक्रों के होटल के पास भी हुआ ब्लास्ट

दशिमक

सीरिया की राजधानी दशिमक में मंगलवार को एक के बाद एक कई धमाके हुए। गौर करने वाली बात ये है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सीरिया के दौरे पर हैं और उनके होटल के पास भी ब्लास्ट हुआ।

इमैनुएल मैक्रों सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शारा से मिलने के लिए राष्ट्रपति भवन में दाखिल हुए ही थे कि तभी फोर सीजन्स होटल के पास धमाके हुए। सीरियाई अधिकारियों ने इस घटना पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की।

सीरियाई मीडिया ने बताया कि मैक्रों %फोर सीजन्स% होटल में ठहरे हुए थे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति के कार्यालय ने कहा कि वे सुरक्षित हैं और सीरिया का उनका दौरा जारी है। सरकारी मीडिया ने एक अज्ञात सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि राजधानी के बीचों-बीच हुए दो धमाके विस्फोटक उपकरणों की वजह से हुए। घटनास्थल से धुएं का गुबार उठता देखा जा सकता था।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक गाड़ी जलती हुई और सड़क पर खून के धब्बे दिखाई दे रहे थे। अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। किसी भी गुट ने तुरंत इसकी जिम्मेदारी नहीं ली। यह घटना दमिश्क में जस्टिस पैलेस के पास एक कैफे में हुए धमाके के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी और 20 लोग घायल हो गए थे।

धमाके के कारण का अभी पता नहीं लग सका है। समाचार एजेंसी सना ने गृह मंत्रालय के हवाले से बताया कि ये धमाके राजधानी में पर्यटन मंत्रालय के करीब हुए। ये धमाके ऐसे समय में हुए हैं जब फ्रांस के राष्ट्रपति सीरिया का दौरा कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर का चुनावी मैदान में उतरना बिहार की राजनीति में बड़ा धमाकाः शत्रुध्न सिन्हा

पटना, (वार्ता)। बिहार बाबू के नाम से मशहूर फ़िल्म अभिनेता और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शत्रुध्न सिन्हा ने मंगलवार को कहा कि जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर का बिहार में बांकीपुर विधानसभा

क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतरना प्रदेश की राजनीति में बड़ा धमाका है। सांसद श्री सिन्हा ने आज 'एक्स' पर ट्वीट कर कहा कि श्री किशोर का चुनाव लड़ने का फैसला बिहार की राजनीति में बड़ा धमाका है। उन्होंने कहा कि जनसुराज के सूत्रधार एक योग्य, दूरदर्शी तथा विलक्षण नेता हैं। बिहारी बाबू ने कहा कि श्री किशोर बुद्धिजीवी होने के साथ जन-जन के नेता और हर दृष्टि से योग्य व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि जनसुराज के सूत्रधार प्रशंसित एवं चर्चित व्यक्तित्व होने के साथ बिहार में सबसे लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। तृणमूल कांग्रेस के सांसद श्री सिन्हा ने कहा कि प्रशांत किशोर ने आखिरकार चुनावी मैदान में उतरकर बिहार की राजनीति ही नहीं, बल्कि पूरे देश के राजनीतिक गलियारों और आम जनता के बीच एक नई हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने कहा कि एक बिहारी बाबू होने के नाते उन्हें यह राजनीतिक घटनाक्रम बेहद रोचक और निश्चित रूप से विस्फोटक प्रतीत होता है। बिहारी बाबू ने कहा कि श्री किशोर का चुनावी समर में उतरना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सभी विपक्षी पार्टियों से एकता की उम्मीद की और कहा कि उनकी इच्छा है कि आम जनता, विशेषकर युवा पीढ़ी, जाति, धर्म और दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर श्री किशोर का समर्थन करे। उल्लेखनीय है कि भारतीय सिनेमा में नामवर अभिनेता श्री सिन्हा पटना साहिब से सांसद और केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं और उनका पटना की कायस्थ बिरादरी में बड़ा प्रभाव है। बांकीपुर विधानसभा एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ परम्परागत रूप से कायस्थ मतदाताओं का दबदबा रहे है और यह सीट भी उसी बिरादरी के उम्मीदवार को मिलती रही है। यह सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद उनके इस्तीफे से खाली हुई है और भाजपा किसी भी हालत में नहीं चाहेगी कि उनके इतने बड़े नेता की खाली सीट पर विपक्ष का कोई उम्मीदवार जीते। बहरहाल इस सीट पर प्रशांत किशोर की उम्मीदवारी और केसी सिन्हा जैसे कई लोकप्रिय कायस्थ बिरादरी के आइकनो का उनको समर्थन कहानी में ट्विस्ट को बयान करता है। ऐसे हालत में शत्रुध्न सिन्हा जैसे बड़े नाम का खुलेआम प्रशांत किशोर के समर्थन में उतरना भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

हमास ने की गाज़ा सरकार को भंग करने की घोषणा

गाजा, (वार्ता)

हमास ने गाज़ा में अपनी सरकार को भंग करने की घोषणा की है । सीएनएन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। हमास के सरकारी मीडिया कार्यालय के प्रमुख इस्माइल अल-थवाबता ने सोमवार को कहा कि चरमपंथी समूह उस फ़िलिस्तीनी तकनीकी समिति को शासन सौंपने के लिए तैयार है जिसे समझौते के तहत इस इलाके का नेतृत्व करना है। हालांकि हमास के बयान में हथियार छोड़ने का कोई उल्लेख नहीं था, जो युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण की मुख्य शर्तों में से एक है और जिसे इसने अब तक मानने से इनकार किया है। जानकारों का कहना है कि इस कदम से इज़रायल पर दबाव बढ़ेगा क्योंकि अमेरिका की मध्यस्थता वाली युद्धविराम योजना पर प्रगति रुक गई थी। इस घोषणा से ज़मीनी स्थिति में बहुत कम बदलाव आएगा क्योंकि गाज़ा के जिस हिस्से पर इज़रायली सेना का कब्ज़ा नहीं है वहां हमास और उसके सुरक्षा बलों का मज़बूत नियंत्रण बना हुआ है। लेकिन इस सांकेतिक कदम से युद्धविराम समझौते पर ध्यान फिर से इज़रायल पर केंद्रित हो गया है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर इस योजना के कुछ हिस्सों को आगे बढ़ाने के लिए दबाव डाला है। इसमें गाज़ा में पायलट एरिया बनाना शामिल है, जहां फ़िलिस्तीनी एक तकनीकी समिति की देखरेख में रहेंगे। हमास ने मध्यस्थों एवं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे इज़रायल पर दबाव डालें ताकि वह समिति को गाज़ा में प्रवेश करने की अनुमति दे। गाज़ा में संघर्षविराम के लिए 20-सूत्रीय योजना अक्टूबर में लागू हुई थी जो अब रुक गई है क्योंकि समझौते की मुख्य बातें पूरी नहीं हुई हैं। समझौते के पहले चरण में गाज़ा में लड़ाई पूरी तरह खत्म करने की बात की गई थी लेकिन इज़रायल ने उस इलाके में लगभग रोज़ हमले किए हैं।

यूक्रेन संघर्ष का अंत लोगों की सोच से कहीं अधिक करीब : ट्रम्प

वॉशिंगटन (स्पुतनिक)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा नाटो शिखर सम्मेलन से इतर कहा कि यूक्रेन में संघर्ष का अंत लोगों की सोच से कहीं ज़्यादा करीब है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने संवाददताओं से कहा, मुझे लगता है कि हम यूक्रेन में संघर्ष को सुलझाने के मामले में लोगों की सोच से कहीं ज़्यादा करीब पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि सात-आठ जुलाई को तुर्की के अंकारा में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका चल रहे सशस्त्र संघर्ष को खत्म करने के लिए रूस और यूक्रेन के संपर्क में है।श्री ट्रम्प ने कहा, वह (रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन) इस संघर्ष को समाप्त करना चाहते हैं और यूक्रेन भी इसे खत्म करना चाहता है। हमारी बातचीत जारी है और हम देखेंगे कि क्या इसे समाप्त कराया जा सकता है। यह एक बेहद दुखद स्थिति है।

अयोध्या-बद्रीनाथ चढ़ावा विवाद पर मायावती ने की ट्रस्ट प्रबंधन की जांच की मांग

लखनऊ, (वार्ता)

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अयोध्या स्थित राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में सामने आए कथित चढ़ावा गड़बड़ी के मामलों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। सुश्री मायावती ने 'एक्स' पर दोनों धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट प्रबंधन की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि सरकार और एसआईटी को इस मामले पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होने कहा कि अयोध्या में श्री राम मंदिर के बाद अब उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में भी चढ़ावे में चोरी और गबन का मामला चर्चा में है। दोनों विख्यात धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की गहन जांच होनी चाहिए, क्योंकि आम चर्चा है कि निचले स्तर पर हुई गड़बड़ियों में या तो उनकी मिलीभगत रही है या फिर लापरवाही। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सही जांच नहीं हुई तो भविष्य में अन्य प्रबंधक भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं। बसपा प्रमुख ने विपक्षी दलों पर भी निशाना साधते हुये कहा कि समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम मंदिर के चढ़ावे में बड़ी रकम की चोरी और गबन के आरोप लगा रहे हैं, इसलिए उनसे भी इन आरोपों के पुख्ता सबूत लिए जाने चाहिए ताकि कोई दोषी बच न सके।

सुश्री मायावती ने कहा कि यदि विपक्ष अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण नहीं देता है तो इसे केवल राजनीतिक बयानबाजी माना जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रद्धा और जनहित के वास्तविक मुद्दों को पीछे छोड़कर कुछ विपक्षी दल इस विवाद की आड़ में चुनावी राजनीति करना चाहते हैं।

उन्होंने अपने पोस्ट में सरकार और एसआईटी से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं तथ्यों के आधार पर जांच सुनिश्चित करने की अपील की है।

बांग्लादेश में लैंडस्लाइड, पांच बच्चों समेत कम से कम 8 रोहिंग्या रिफ्यूजियों की मौत

ढाका

पूर्वी बांग्लादेश में मानसून की भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम आठ रोहिंग्या शरणार्थियों की मौत हो गई, जिनमें पांच बच्चे भी शामिल हैं। कॉक्स बाजार जिले में फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के अधिकारी डॉलर त्रिपुरा ने बताया कि रविवार देर रात से सोमवार सुबह तक कई पहाड़ियों के ढहने के बाद बचाव कर्मियों ने सात शव बरामद किए, जबकि आठवां शव शरणार्थियों को मिला। उन्होंने बताया कि दो बच्चे घायल हालत में मिले। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश और पहाड़ी ढलानों पर बहते तेज पानी की वजह से मिट्टी ढीली हो गई, जिससे कच्चे घर ढह गए। त्रिपुरा ने कहा कि भूस्खलन से कैंपों में कम से

कम चार जगहों पर असर पड़ा, जिससे सोते हुए लोगों के घर मिट्टी और मलबे के नीचे दब गए। उन्होंने कहा, सभी शव स्थानीय शरणार्थी नेताओं और पुलिस के जरिए परिवारों को सौंप दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि वे शरणार्थियों को पहाड़ी इलाकों से सुरक्षित जगहों पर पहुंचा रहे हैं, जहां खतरा ज्यादा है और अब तक लगभग 1,000 लोगों को वहां से हटाया जा चुका है। राजधानी ढाका में मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और बारिश का अनुमान जताया है। एनएचसीआर के अनुसार, 2021 और 2026 के बीच शरणार्थी कैंपों में इसी तरह के भूस्खलन की घटनाओं में 36 शरणार्थियों की मौत हुई और कम से कम 86 लोग घायल हुए। पड़ोसी देश म्यांमार से भागकर आए 10 लाख से ज्यादा शरणार्थी बांग्लादेश के कैंपों में रहते हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

उर्वशी रौतेला की हिंदी और संस्कृत पर पकड़ की हो रही सराहना

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला अपनी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के साथ-साथ हिंदी और संस्कृत पर मजबूत पकड़ को लेकर भी चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो मेंउर्वशी की शुद्ध और प्रभावशाली हिंदी ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। वायरल वीडियो में उर्वशी की स्पष्ट उच्चारण शैली, समृद्ध शब्दावली और आत्मविश्वासपूर्ण अभिव्यक्ति की सोशल मीडिया पर व्यापक सराहना की जा रही है। कई लोगों ने उनकी सहज हिंदी को प्रेरणादायक बताया है। बताया गया है कि भाषाओं के प्रति उनका लगाव स्कूली दिनों से रहा है। आठवीं कक्षा में उन्होंने संस्कृत विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त किए थे, जिसे उनकी शिक्षा और भाषाई दक्षता का प्रमाण माना जा रहा है। उर्वशी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ विभिन्न फिल्म उद्योगों में भी काम किया है। इसके बावजूद उन्होंने भारतीय संस्कृति और भाषाओं से अपना जुड़ाव बनाए रखा है, जिसकी झलक उनके हालिया वीडियो में देखने को मिलती है। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने के बाद प्रशंसक उनकी हिंदी और संस्कृत पर पकड़ की सराहना कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने के बावजूद भारतीय भाषाओं के प्रति उनका सम्मान उन्हें अलग पहचान देता है।

41 वर्ष के हुए रणवीर सिंह

अभिनेता रणवीर सिंह आज 41 वर्ष के हो गए।06 जुलाई 1985 को मुंबई में जन्मे रणवीर सिंह ने इंडियाना यूनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद अभिनय को अपना करियर बनाया। वर्ष 2010 में बैंड बाजा बारात से उन्होंने बॉलीवुड में पदार्पण किया। पहली ही फिल्म में शानदार अभिनय के लिए उन्हें फ़िल्मफ़ेयर सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।वर्ष 2013 में प्रदर्शित लुटेरा में एक संवेदनशील चोर की भूमिका निभाकर उन्होंने समीक्षकों की प्रशंसा अर्जित की। इसके बाद निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्मों गोलियों की रासलीला राम-लीला (2013), बाजीराव मस्तानी (2015) और पद्मावत (2018) में दमदार अभिनय कर उन्होंने खुद को हिंदी सिनेमा के अग्रणी अभिनेताओं में स्थापित किया। बाजीराव मस्तानी में पेशवा बाजीराव प्रथम और पद्मावत में सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी की भूमिका के लिए उन्हें क्रमशः फ़िल्मफ़ेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार और फ़िल्मफ़ेयर क्रिटिक्स सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार मिला। वर्ष 2018 में सिम्बा में शीर्षक भूमिका निभाकर रणवीर ने व्यावसायिक सफलता का नया अध्याय लिखा। बाद में उन्होंने गली बॉय (2019) और 83 (2021) में अपने अभिनय के लिए दो और फ़िल्मफ़ेयर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार जीते। इसके बाद रॉकी और रानी की प्रेम कहानी (2023) ने उन्हें फिर बड़ी सफलता दिलाई। हाल के वर्षों में उनकी फिल्में धुरंधर (2025) और धुरंधर- द रिवेंज (2026) भी बेहद सफल रहीं। फिल्मों के अलावा रणवीर सिंह कई प्रमुख ब्रांडों के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। उन्होंने वर्ष 2018 में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण से विवाह किया। वर्ष 2024 में उनकी बेटी दुआ का जन्म हुआ। पर्दे के बाहर रणवीर सिंह अपने अनोखे और रंग-बिरंगे फैशन सेंस के लिए भी व्यापक रूप से जाने जाते हैं।

रेड कार्पेट पर अनिशा गर्ग का ब्लैक- एंड-व्हाइट लुक बना आकर्षण का केंद्र

अभिनेत्री अनिशा गर्ग ने हाल ही में एक रेड-कार्पेट इवेंट में अपने ब्लैक-एंड-व्हाइट लुक से सभी का ध्यान आकर्षित किया। क्लासिक एलिगेंस और मॉडर्न ग्लैमर के मेल वाले उनके अंदाज की फैशन प्रेमियों ने सराहना की।अनिशा ने मोनोक्रोम परिधान के साथ स्लीक हेयरस्टाइल, सादगीपूर्ण मेकअप और आकर्षक एक्सेसरीज़ को चुना, जिसने उनके लुक को और निखारा। आत्मविश्वास और सहज अंदाज के साथ उन्होंने रेड कार्पेट पर अपनी अलग पहचान बनाई।उनके फैशन सेंस और प्रभावशाली मौजूदगी ने फोटोग्राफर्स तथा फैशन जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। ब्लैक-एंड-व्हाइट रंगों का संयोजन उनके परिष्कृत और कालातीत स्टाइल को दर्शाता है।

सोशल मीडिया पर इवेंट की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। प्रशंसकों ने उनके इस लुक की जमकर सराहना करते हुए इसे उनकी सबसे आकर्षक और एलिगेंट सार्वजनिक प्रस्तुतियों में से एक बताया है।

ई-केवायसी व योजनाओं के पंजीयन के लिए 10 जुलाई को लगेंगे शिविर

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देश पर शहरी वार्डो एवं ग्राम पंचायतों में होंगे शिविर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों की ई-केवायसी, समग्र ई-केवायसी एवं विभिन्न योजनाओं के लंबित पंजीयन कार्यों को पूर्ण करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार 10 जुलाई को जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शहरी क्षेत्र में 10 जुलाई को नगर पालिका गाडरवारा के महाराणा प्रताप वार्ड व कामथ वार्ड, नगर पालिका नरसिंहपुर के नरसिंह वार्ड व संजय वार्ड, नगर पालिका करेली के लक्ष्मी नारायण वार्ड व महादेव वार्ड, नगर पालिका गोटेगांव के देवमुरलीधर वार्ड व गांधी वार्ड, नगर परिषद तेंदूखेड़ा के वार्ड क्रमांक 5 सरदार वल्लभ भाई पटेल व वार्ड क्रमांक 6 डेलन शाह, नगर परिषद चीचली, सालीचौका एवं सांईखेड़ा के वार्ड क्रमांक 5 एवं 6 में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र में 10 जुलाई को जिले की जनपद पंचायत करेली की ग्राम पंचायत बीतली, भुगवारा, बिचुआ, बीकोर व समनापुर, जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत बारूरेवा, बेलखेड़ा, भैंसा, भरवारा व बिचुआ, जनपद पंचायत चीचली की ग्राम पंचायत बटेसरा, बेलखेड़ी, भैरोंपुर, भिलमाढाना व चांदनखेड़ा, जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत बौछार, बाबली, बेदू, बेलखेड़ी (मुआर) व बेलखेड़ी शेढ़, जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत बरहटा, बेलखेड़ी, भटेरा, बिचुआ व बोदरी और जनपद पंचायत चांवरपाठा की ग्राम पंचायत भौंरझिर, भौरा, भूमियाढाना, बिजौरा व बीकोर में शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे पात्र हितग्राहियों का पंजीयन किया जाएगा, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये या उससे कम है। इसके साथ ही संबल कार्ड एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल कार्ड के लंबित आवेदनों का पंजीयन भी किया जाएगा। शिविरों के दौरान नागरिकों की ई-केवायसी एवं समग्र ई-केवायसी, डुप्लीकेट, मृतक एवं स्थायी रूप से पलायन कर चुके व्यक्तियों के नाम विलोपित करने की कार्रवाई तथा एक आधार से लिंक एकाधिक समग्र आईडी का निराकरण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह कार्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जीआरएस तथा शहरी क्षेत्रों में नगरीय प्रशासन के माध्यम से किया जाएगा। इसके अलावा पटवारियों द्वारा किसानों का यूनिक फार्मर आईडी पंजीयन, पोस्टमैन के माध्यम से आधार कार्ड अपडेट, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा आयुष्मान कार्ड निर्माण तथा आजीविका मिशन के माध्यम से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के आवेदन भी भरवाए जाएंगे।

दिव्यांग महिला को मिली राहतः कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सौंपा दिव्यांग पेंशन स्वीकृति आदेश

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान तेंदूखेड़ा तहसील के ग्राम रमपुरा निवासी दिव्यांग महिला श्रीमती धन्ना बाई अपनी समस्या लेकर पहुंचीं। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उनकी बात संवेदनशीलता के साथ सुनी और तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मौके पर ही श्रीमती धन्ना बाई का यूडीआईडी (छ्ढ्ढष्ठ) कार्ड बनवाया गया तथा उन्हें दिव्यांग पेंशन का स्वीकृति आदेश भी प्रदान किया गया। पेंशन स्वीकृति आदेश प्राप्त होने पर श्रीमती धन्ना बाई ने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं मांगों के कुल 120 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों का तत्काल निराकरण संभव है, उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उल्लास कार्यक्रम के तहत जिले में घर-घर जाकर किया जा रहा साक्षरता सर्वे

15 जुलाई तक किया जाएगा साक्षरता सर्वे

नरसिंहपुर। स्वतंत्र मत। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार जिले में उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष घर-घर साक्षरता सर्वे अभियान संचालित किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी श्री प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा संबंधित अधिकारियों, विकासखंड समन्वयकों एवं सर्वे कार्य से जुड़े अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं तथा सर्वे की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। जिले में यह सर्वे अभियान एक जुलाई से प्रारंभ होकर 15 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना है, जो अब तक निरक्षर हैं या औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए हैं। सर्वे के दौरान प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर सदस्यों की जानकारी निर्धारित प्रारूप में संकलित की जा रही है।

जिला साक्षरता समन्वयक श्री अखिलेश कुमार राजौरिया ने बताया कि उल्लास कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2027 तक साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी उद्देश्य से जिले में ग्राम एवं वार्ड स्तर पर व्यापक सर्वे कराया जा रहा है, जिसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, शिक्षकों, जनशिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति छूटने न पाए। उन्होंने बताया कि सर्वे के दौरान जनगणना मकान क्रमांक, समग्र परिवार आईडी, परिवार के सदस्यों के नाम, आयु, माता-पिता का नाम, शैक्षणिक योग्यता एवं मोबाइल नंबर सहित आवश्यक जानकारी दर्ज की जा रही है। यह जानकारी आगे चलकर निरक्षर व्यक्तियों को साक्षरता केंद्रों से जोड़ने, अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने तथा उन्हें मूलभूत साक्षरता, संख्याज्ञान, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता से जोड़ने में उपयोगी होगी। जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सर्वे कार्य को गंभीरता, समयबद्धता एवं शत-प्रतिशत लक्ष्य के साथ पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल आंकड़े एकत्रित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के उन वर्गों तक शिक्षा का उजाला पहुंचाने का माध्यम है, जो अब तक पढ़ने-लिखने से वंचित रहे हैं। जिले में इस अभियान को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

सर्वे के पश्चात चिन्हित व्यक्तियों को साक्षरता केंद्रों से जोड़कर उन्हें पढ़ना-लिखना, गणना, डिजिटल व्यवहार, स्वास्थ्य एवं नागरिक चेतना जैसी उपयोगी जानकारियों से भी जोड़ा जाएगा। शिक्षा विभाग का मानना है कि यह पहल जिले में साक्षरता के विस्तार के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जिले में अब तक 144.4 मिमी अर्थात 5.68 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 7 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 144.4 मिमी अर्थात 5.68 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 7 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 23 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 28 मिमी, गाडरवारा में 15, गोटेगांव में 10 मिमी, करेली में 42 मिमी और तेंदूखेड़ा में 20 मिमी वर्षा आंकी गई है। तहसीलदार भू- संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 163 मिमी, गाडरवारा में 173 मिमी, गोटेगांव में 65 मिमी, करेली में 102 और तेन्दूखेड़ा में 219 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 346.20 मिमी वर्षा हुई थी।

दिव्यांग छात्र चंदन मेहरा को मिली ट्राई साइकिल, स्कूल आने-जाने में मिलेगी सुविधा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

नरसिंहपुर तहसील के ग्राम बचई निवासी चंदन मेहरा पिता श्री फुल सिंह मेहरा जो हाई सेकेंडरी स्कूल बचई में कक्षा 10 वीं का छात्र है, को जिला प्रशासन द्वारा ट्राई साइकिल प्रदान की गई है। चंदन का एक पैर घुटने के ऊपर से कटा हुआ है, जिसके कारण उसे स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देश पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र द्वारा चंदन मेहरा को ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। इस सहायता से अब उसे विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी और वह अपनी पढ़ाई नियमित रूप से जारी रख सकेगा। इस पहल से न केवल चंदन को राहत मिली है, बल्कि यह प्रशासन की संवेदनशीलता और दिव्यांगजनों के प्रति समर्पण का भी उदाहरण है।

एक क्लिक में पाएं जिले की हर आधिकारिक अपडेट आपके मोबाइल पर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले के नागरिकों तक शासन की योजनाओं, विकास कार्यों, प्रशासनिक गतिविधियों, महत्वपूर्ण सूचनाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा अन्य आधिकारिक जानकारियों को त्वरित, प्रमाणिक एवं सरल माध्यम से पहुंचाने के उद्देश्य से जिला जनसम्पर्क कार्यालय, नरसिंहपुर द्वारा आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल संचालित किया जा रहा है। इस व्हाट्सएप चैनल के माध्यम से जिले की महत्वपूर्ण खबरें, प्रेस विज्ञप्तियां, शासकीय योजनाओं की जानकारी, प्रशासनिक निर्णय, फोटो, वीडियो तथा अन्य आवश्यक अपडेट सीधे आपके मोबाइल पर उपलब्ध होंगे। इससे नागरिकों को प्रमाणिक जानकारी समय पर प्राप्त होगी और वे जिले की गतिविधियों से निरंतर जुड़े रह सकेंगे। जिला प्रशासन ने जिले के सभी नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा मीडिया प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे व्हाट्सएप चैनल से जुड़ें ।

डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश का सुनहरा अवसर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

युवाओं के तकनीकी शिक्षा के सपनों को साकार करने हेतु शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रमों की रिक्त सीटों पर संस्था स्तरीय काउंसलिंग (सीएलसी) के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। प्राचार्य ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग तथा मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट (स्टेनो) जैसे रोजगारोन्मुखी एवं भविष्य उन्मुख पाठ्यक्रम संचालित हैं, जो विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता के साथ बेहतर करियर के अवसर प्रदान करते हैं। जिले के कक्षा 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रतिदिन प्रातः 10꞉30 बजे से सायं 5꞉30 बजे तक महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। यह प्रवेश प्रक्रिया 12 अगस्त 2026 तक अथवा रिक्त सीटों के भरने तक सतत जारी रहेगी। अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को शासन के नियमानुसार शुल्क में छूट एवं छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध रहेगी, जबकि सामान्य वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को संबल योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जाएगा। प्राचार्य ने जिले के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं, समय पर काउंसलिंग में सहभागिता सुनिश्चित करें तथा अपनी रुचि के अनुरूप पाठ्यक्रम का चयन कर उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाएं।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नरसिंहपुर में रिक्त सीटों पर संस्था स्तरीय काउंसलिंग के माध्यम सेप्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

धारमारा कैंप के पास सड़क पर पेड़ गिरने से लांजी-सालेटेकरी मार्ग अवरुद्ध

बालाघाट।

लगातार हो रही बारिश के बीच लांजी-सालेटेकरी मार्ग पर धारमारा कैंप के समीप एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर जाने से यातायात बाधित हो गया। पेड़ गिरने के कारण मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया, जिससे दोनों ओर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। घटना की सूचना मिलते ही लांजी के एसडीएम श्री कमल सिंहसार प्रशासनिक टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। उनके निर्देशन में सड़क से पेड़ हटाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया, ताकि जल्द से जल्द यातायात बहाल किया जा सके। प्रशासन द्वारा मौके पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि पेड़ हटाने का कार्य लगातार जारी है और मार्ग को शीघ्र ही आवागमन के लिए सुचारु करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि बारिश के दौरान सावधानी बरतें तथा आवश्यकता होने पर ही यात्रा करें।

मेहरा समाज की मासिक बैठक संपन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। मेहर, गढ़वाल समाज कल्याण परिषद मध्यप्रदेश क्षेत्रीय समिति साइखेड़ा की नियमित मासिक वैठक ग्राम मिढ़वानी देवरी में शिवकुमार गढ़वाल के द्वारा श्री राम जानकी मंदिर में आयोजित की गई। बैठक का संचालन रेवा सिंह मेहरा रिटायर राजस्व निरीक्षक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोवर्धन सिंह मेहरा उदयपुरा जिला रायसेन द्वारा की गई। मुख्य अतिथि के रूप में मनीराम मेहरा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में रमेश कुमार मेहरा की गौरवपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉक्टर अंबेडकर के तेल चित्र पर माल्यार्पण अर्पित किया गया। उद्बोधन की श्रृंखला में सभी अतिथियों द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज को आगे बढ़ाने हेतु संगठित होकर काम करने की बात कही गई द्य समाज के उत्थान हेतु विभिन्न सामाजिक कुरीतियों को भी बंद करने की बात रखी गई जिसका सभी लोगों द्वारा समर्थन भी किया गया द्य समिति द्वारा पिछले एक वर्ष के कार्यकाल में किए गए विभिन्न सामाजिक कार्यों को सभी सामाजिक बन्धुओं के समक्ष रखा गया एवं आने वाले एक साल की कार्य योजना भी सभा में रखी गई । शिवकुमार गढ़वाल द्वारा आभार व्यक्त किया गया द्य कार्यक्रम के दौरान दशरथ सिंह मेहरा, राजेन्द्र कुमार मेहरा , कन्छेदी लाल मेहरा, शिवदयाल मेहरा, खेतसिंह मेहरा, रोहित सिह मेहरा के अलावा साइखेड़ा क्षेत्र के स्वजातीय बन्धुओ, समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थिति रही।

एनटीपीसी विंध्याचल के ईएमडी विभाग द्वारा राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल के विद्युत अनुरक्षण विभाग द्वारा 26 जून से 2 जुलाई 2026 तक राष्ट्रीय विद्युत सुरक्षा सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सप्ताह भर चले अभियान में परियोजना के कर्मचारियों एवं संविदा कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्युत सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ानाए व्यावहारिक सुरक्षा कौशल को सुदृढ़ करना तथा सुरक्षित कार्य व्यवहार को बढ़ावा देना था। इस दौरान ष्सभी दुर्घटनाएँ रोकी जा सकती हैंष् के संदेश को व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। सप्ताह के दौरान स्टेज.1 ईएमडी कार्यशालाए स्विचयार्डए प्रशिक्षण केंद्रए प्लांट कैंटीन तथा विभिन्न कार्यस्थलों पर अनेक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें विद्युत सुरक्षा प्रश्नोत्तरीए सुरक्षा मार्चए एचटी ब्रेकर रैक.इनध्रैक.आउट का व्यावहारिक प्रदर्शनए लॉक.आउट टैग.आउट सत्रए इंसुलेटेड टूल्स का

प्रदर्शनए नॉन.कॉन्टैक्ट वोल्टेज डिटेक्टर के सुरक्षित उपयोग का प्रशिक्षणए प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर का व्यावहारिक अभ्यासए जोखिम पहचान ;हैज़र्ड आइडेंटिफिकेशनद्ध गतिविधियाँए विद्युत सुरक्षा अंताक्षरी तथा कैंटीन कर्मचारियों के लिए विद्युत उपकरणों के सुरक्षित उपयोग पर विशेष जागरूकता सत्र शामिल रहे।

इस अभियान के अंतर्गत स्टेज.1 से स्टेज.5 तक के 200 से अधिक संविदाकर्मियों को विद्युत सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में जोखिमपूर्ण विद्युत कार्यए विद्युत सुरक्षा नियंत्रणए आपातकालीन प्रतिक्रियाए सुरक्षित आइसोलेशनए अर्थिंगए इंटरलॉकए सुरक्षा प्रणालियाँ तथा विद्युत उपकरणों के सुरक्षित संचालन जैसे विषय शामिल थे।

हिंडालको ने किया 300 पौधों का वृहद पौधारोपण

सिंगरौली। पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सशक्त करते हुए हिंडालको महान ने मेगा प्लांटेशन अभियान के चौथे चरण के अंतर्गत डी.एम. प्लांट क्षेत्र में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। ऑपरेशन हेड सुदीप्ता नायक की पहल एवं नेतृत्व में आयोजित इस अभियान के दौरान लगभग 300 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया, जिससे इकाई के ग्रीन बेल्ट विस्तार को नई गति मिली। कार्यक्रम में इकाई प्रमुख लिनु पंचमन, पावर प्लांट हेड प्रांजल पाठक, मैकेनिकल हेड आदर्श, जनसंपर्क एवं सीएसआर प्रमुख संजय सिंह सहित वरिष्ठ प्रबंधन, विभागाध्यक्षों एवं युवा इंजीनियरों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर इकाई प्रमुख लिनु पंचमन ने कहा कि, च्सतत औद्योगिक विकास का आधार पर्यावरण संरक्षण है। हिंडालको महान में वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी कार्य संस्कृति और भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण, बेहतर जैव विविधता और स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव बनेगा। हमारा लक्ष्य उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण को समान प्राथमिकता देते हुए एक हरित एवं जिम्मेदार औद्योगिक मॉडल स्थापित करना है। प्रांजल पाठक ने कहा कि, च्डी.एम. प्लांट जैसे औद्योगिक क्षेत्र में हरित आवरण का विस्तार पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

साइबर सुरक्षा मैराथन, 150 प्रतिभागियों ने दौड़कर दिया सुरक्षित डिजिटल भारत का संदेश

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक आशीष खरे (आईपीएस) ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रयपुरा पहुंचकर छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड, ओटीपी ठगी, फिशिंग, विशिंग, सोशल मीडिया हैकिंग, फर्जी जॉब ऑफर, केवाईसी अपडेट, बिजली बिल और पार्सल स्कैम जैसे साइबर अपराधों की जानकारी दी।पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों को समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी, ओटीपी, पिन, सीवीवी या पासवर्ड साझा न करें और किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके।कार्यक्रम में एसडीओपी बजाग विवेक गौतम ने भी इंटरनेट और सोशल मीडिया के सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से स्वयं जागरूक बनने और अपने परिवार व समाज को भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क करने की अपील की। कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए विद्यार्थियों से साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रश्न पूछे गए, जिनके सही उत्तर देने वाले छात्र-छात्राओं की सराहना की ।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की 30 दिवसीय कार्यशाला होगी आयोजित

गाडरवारा के गौरव अभिनेता एवं साहित्यकार आशुतोष राना देंगे विशेष मार्गदर्शन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली एवं नरसिंहपुर जिले की प्रतिनिधि संस्था रंगसरोकार नाट्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में गाडरवारा में 30 दिवसीय राष्ट्रीय अभिनय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के लिए आवेदन एवं पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। यहाँ उल्लेखित है कि चूँकि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में सीमित सीटें होती हैं, इसीलिए देशभर में चुनिंदा जगहों पर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिससे अधिक से अधिक प्रतिभाओं को अवसर प्राप्त हो सके। इस राष्ट्रीय कार्यशाला की विशेषता यह है कि गाडरवारा की माटी से जुड़े देश के सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, साहित्यकार एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के वर्ष 1994 बैच के स्नातक श्री आशुतोष राना कार्यशाला में विशेष मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उनके अभिनय अनुभव एवं साहित्यिक दृष्टि का लाभ स्थानीय सहित प्रदेशभर से आने वाले युवा कलाकारों को प्राप्त होगा। कार्यशाला के समारोह निर्देशक एवं वरिष्ठ रंगकर्मी श्री पुनीत विक्रम त्रिवेदी राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से निर्देशन एवं परिकल्पना में प्रशिक्षित हैं। वे पिछले तीन दशकों से रंगमंच के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए देशभर में नाट्य कार्यशालाओं, प्रशिक्षण शिविरों एवं नाट्य समारोहों का

सफल संचालन कर रहे हैं। वे राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय समेत अन्य संस्थाओं में भी चयनकर्ता की भूमिका निभाते हैं। उनके निर्देशन में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से नरसिंहपुर जिले में अब तक चार राष्ट्रीय स्तर की अभिनय कार्यशालाएँ आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें देश के अनेक प्रतिष्ठित रंगकर्मी, अभिनेता एवं रंगमंच विशेषज्ञों ने सहभागिता कर युवा कलाकारों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। यह कार्यशाला जिले में आयोजित होने वाली पाँचवीं राष्ट्रीय स्तर की रंगमंचीय कार्यशाला होगी।कार्यशाला का आयोजन 11 अगस्त से 9 सितंबर 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक किया जाएगा तथा 10 सितंबर 2026 को प्रतिभागियों द्वारा तैयार नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया जाएगा।आयोजन समिति ने बताया कि कार्यशाला पूर्णतः निःशुल्क होगी तथा प्रतिभागियों का चयन ऑडिशन के माध्यम से किया जाएगा। स्थानीय युवा-युवतियों एवं रंगकर्मियों को प्राथमिकता दी जाएगी, वहीं मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों के इच्छुक प्रतिभागी भी आवेदन कर सकेंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रतिभागियों को ही प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। प्रवेश हेतु न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है।इस राष्ट्रीय आयोजन को सफल बनाने में नगर पालिका परिषद गाडरवारा के अध्यक्ष श्री शिवाकांत मिश्रा का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से कार्यशाला की तैयारियाँ राष्ट्रीय स्तर की गरिमा एवं गुणवत्ता के अनुरूप की जा रही हैं, ताकि प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।पोस्टर पर उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन कर ऑनलाइन गूगल फॉर्म के माध्यम से भी आवेदन किया जा सकता है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।रंगसरोकार नाट्य समिति ने अभिनय, रंगमंच एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति के क्षेत्र में भविष्य बनाने के इच्छुक युवाओं से इस राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।आवेदन एवं अन्य जानकारी के लिए आयोजन समिति से 9977121100, 7828967723 एवं 9826586157 पर संपर्क किया जा सकता है।

मैहर के पास सड़क हादसे में कटनी के युवक की मौत

बर्थडे पार्टी मनाकर लौटते समय हादसा, ट्रक से टकरा गई एसयूव्ही कार

हादसे में पांच लोगों ने तोड़ा दम, एक गंभीर घायल

कटनी (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 के अंतर्गत मैहर रीवा सडक़ मार्ग पर मंगलवार तडके कार और ट्रक की टक्कर के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना में विश्राम बाबा वार्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के प्रतिष्ठित नागरिक महेंद्र पटेल एवं ममता पटेल के पुत्र मृदुल पटेल करी की मौत हो गई। अंकुर पटेल पिता गोविंद प्रसाद पटेल उम्र 40 वर्ष निवासी तनाजा, विजय पटेल पिता नागेंद्र पटेल उम्र 30 वर्ष निवासी

तनाजा, हरिशंकर पटेल पिता नागेंद्र पटेल उम्र 25 वर्ष निवासी तनाजा एवं संजीव पटेल पिता संजू पटेल उम्र 23 वर्ष निवासी नरोरा शामिल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार सवार परिवार किसी के जन्मदिन समारोह में शामिल होकर वापस घर लौट रहा था। इसी बीच रास्ते में उनकी एसयूव्ही कार अनियंत्रित होकर ट्रक से जा भिड़ी। शुरुआती जांच में पुलिस दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और नियंत्रण बिगड़ने के कारण माना है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जङ्ककारी के मुताबिक मैहर रीवा सडक़ मार्ग पर हुए सडक़ हादसे में तेज रफ्तार कार बेकाबू हो गई और आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई। यह भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई। कार सवार मृतकों की पहचान अंकुर पटेल, मृदुन पटेल विशेष पटेल, हरिशंकर पटेल के रूप में हुई है, जबकि एक मृतक की पहचान उजागर नहीं हुई है। सभी मृतक पूर्व विधायक लाल पटेल के परिवार से जुड़े बताए जा रहे हैं। हादसे में गंभीर रूप से घायल संजीव कुमार पटेल की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

महापौर जनसुनवाई में नागरिकों ने रखीं समस्याएं

मौके पर दिए गए त्वरित निराकरण के निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर पालिक निगम कटनी में मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं महापौर प्रीति संजीव सूरी के समक्ष प्रस्तुत कीं। पेयजल, सड़क, स्वच्छता, नाली, राजस्व एवं अतिक्रमण सहित विभिन्न विषयों से संबंधित शिकायतों पर सुनवाई करते हुए महापौर ने संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ, जिससे शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनी। जनसुनवाई के दौरान महापौर ने प्रत्येक आवेदकों की समस्या गंभीरता से सुनी तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक ही स्थान पर विभिन्न शाखाओं के अधिकारी रहे मौजूद- जनसुनवाई में नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे। इससे नागरिकों को अलग-अलग शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़े और कई मामलों में तत्काल आवश्यक निर्देश जारी कर समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। गंभीर एवं प्राथमिकता वाले प्रकरणों को चिन्हित कर उनके शीघ्र निराकरण के निर्देश भी दिए गए।

महापौर ने नागरिकों से की सहभागिता की अपील- महापौर प्रीति संजीव सूरी ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रत्येक मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं सीधे नगर निगम के समक्ष रखें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से समस्याओं का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है तथा नगर निगम नागरिकों को बेहतर एवं जवाबदेह सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

करोड़ों का राजस्व देने वाला उप पंजीयक कार्यालय बदहाल

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिस सरकारी दफ्तर से शासन की तिजोरी हर साल 150 करोड़ रुपये से ज्यादा के राजस्व से भरती है, उसकी खुद की हालत बेहद दयनीय है। जिला मुख्यालय स्थित उप पंजीयक (रजिस्ट्री) कार्यालय में इन दिनों आम जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है। करोड़ों की डील कराने वाले इस दफ्तर में आने वाले पक्षकारों और गवाहों को भारी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रतिदिन आते हैं सैकड़ों लोग, बैठने के लिए सिर्फ 10-12 कुर्सियां- कटनी उप पंजीयक कार्यालय में हर दिन जमीन, मकान और दुकानों की रजिस्ट्री कराने के लिए सैकड़ों लोग पहुंचते हैं। इनमें बड़े व्यापारी, उद्योगपति, किसान और जनप्रतिनिधि तक शामिल होते हैं। विडंबना यह है कि इतनी बड़ी संख्या में आने वाले लोगों के लिए दफ्तर में बैठने तक की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। पूरे परिसर में महज 10-12 लोगों के बैठने की जगह है, जिसके कारण बुजुर्गों और महिलाओं को घंटों खड़े रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। गर्मी और उमस के मौसम में भी कार्यालय में आम जनता के लिए पीने के साफ पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोग महंगे दामों पर आस पास की दुकानों

से पानी की बोतलें खरीदने को मजबूर हैं या फिर प्यासे रहने को। शासन इस दफ्तर से करोड़ों रुपये वसूल रहा है, लेकिन यहाँ एक वाटर कूलर तक ढंग का नहीं है। भारी-भरकम रजिस्ट्री फीस देने के बाद भी हमें मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल रहीं। कार्यालय परिसर में स्थित शौचालय की स्थिति और भी बदतर है। स्वच्छता अभियान के दावों को मुंह चिढ़ाते इस शौचालय में दिनभर पानी बहता रहता है क्योंकि पानी की टोंटियां (नल) टूटी और खुली पड़ी हैं। एक तरफ शहर पानी की किल्लत से जूझता है।

40 दिन तक प्रज्जवलित रहेगी अखण्ड ज्योति

उपवास रखकर भगवान झूलेलाल की आराधना में लीन रहेगा सिंधी समाज

कटनी (स्वतंत्रमत)

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री झूलेलाल चालिहा महोत्सव 14 जुलाई से 23 अगस्त तक पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत के सानिध्य में श्री झूलेलाल चालिहा महोत्सव समिति द्वारा समस्त सिंधी समाज के सहयोग से स्थानिय गुरुनानक वार्ड स्थित श्री झूलेलाल मंदिर में बड़े ही भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। इस 40 दिवसीय चालिहा महोत्सव का शुभारंभ 14 जुलाई को सुबह 10 बजे से श्रृद्धालुओं की उपस्थिति में पं दिनेश शर्मा द्वारा पुज्य बहराणे साहिब की पूजा अर्चना व भगवान श्री झूलेलाल जी कि अखण्ड ज्योति पृज्जवलित के साथ व्रतधारियों के संकल्प बंधन से 40 दिवसीय चालिहा महोत्सव के वृतो की शुरुआत होगी। समाजसेवी संजय खूबचंदानी ने बताया कि दसवी शताब्दी में सिंध प्रांत के मिर्ख बादशाह के अत्याचारो से निजात पाने के लिये हिन्दू लोगों ने, 40 दिनों तक लगातार सिंधु नदी के तट पर जल देवता की स्तुति की थी, तभी से भगवान झूलेलाल चालिहा महोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर श्री झूलेलाल मंदिर गुरुनानक वार्ड

में रोजाना विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमे सुबह 8 बजे व सायकाल 8 बजे गीत संगीत, आरती पल्लव, प्रार्थना, पूजा-अर्चना व प्रसाद वितरण एवं हर रविवार को सुबह 8 बजे कटाईघाट के तट पर जल देवता की पूजा अर्चना, अखो पल्लव, आरती, अरदास, भजन कीर्तन व इत्यादि आयोजन होंगे। इस अवसर पर समिति द्वारा प्रतिदिन दीनबंधु भंडारा एवं कन्या भोज, शासकीय हॉस्पिटल व बाबा माधव शाह हॉस्पिटल में फल वितरण एवं गरीबों को राशन वितरण आदि कार्यक्रम आयोजित किये जाएँगे इस अवसर गत दिवस झूलेलाल मंदिर में बैठक आयोजित की गई जिसमे तिलोकचंद भोजवानी, राजकुमार चेलानी, महेश बहलानी, हरीश बहलानी, अमर चेतवानी, नेवंद खूबचंदानी, वीरेंद्र लालवानी, अशोक हासानी, नानकराम खूबचंदानी, राजकुमार खियानी, सुरेश गांधी, अशोक हसीजा, रवि मोटवानी, बलराम हासानी,

संजय खूबचंदानी, अजीत केसवानी, गुलशन आसवानी, महेश डोडानी, जुगल किशोर पांडे व अन्य सदस्य ने बैठक में उपस्थित होकर इस भव्य 40 दिवसीय भगवान श्री झूलेलाल चालिहा महोत्सव के समस्त आयोजन में उपस्थिति प्रदान करने की अपील की है।

जनसुनवाई में पुलिस के अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं, दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में 07 जुलाई को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना। इस दौरान शिकायत सुनवाई एवं समाधान हेतु नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, एसडीओपी वि.गढ धीरेन्द्र धार्वे, डीएसपी

मुख्यालय रत्नेश मिश्रा, डीएसपी अजाक शिवा पाठक जनसुनवाई में उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कुछ प्रकरणों में साइबर संबंधी शिकायतों के प्राप्त होने पर, फरियादियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने एवं साइबर अपराधों से जागरूक रहने की हिदायत भी पुलिस अधिकारियों द्वारा फरियादियों को दी गई। एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सायबर सेल को दिये गये। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यत: पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आई।

क्षमता से अधिक ओवर लोड ट्रक पर कार्रवाई न्यायालय ने किया 64 हजार रूपए का जुर्माना

कटनी (स्वतंत्रमत)। सडक़ सुरक्षा एवं ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा की गई प्रभावी कार्यवाही में क्षमता से अधिक माल परिवहन करने वाले ट्रक के विरुद्ध न्यायालय द्वारा कठोर आर्थिक दंड अधिरोपित किया गया। यातायात पुलिस द्वारा धारा 113, 194(1) मोटरयान अधिनियम के अंतर्गत ट्रक क्रमांक एमपी 09 एचएम 8237 के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। जांच के दौरान उक्त ट्रक में निर्धारित क्षमता से 6 टन अधिक माल ओवरलोड परिवहन किया जाना पाया गया, जो सडक़ सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा होने के

साथ मोटरयान अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है। प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने पर माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा प्रकरण का परीक्षण करते हुए वाहन स्वामी एवं वाहन चालक दोनों पर 32 हजार-32 हजार कुल 64 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। प्रकरण में वाहन स्वामी संजय सिंह पिता राजदेव सिंह निवासी सेक्टर - बी स्कीम नंबर 78 मिलन स्कूल के पास इंदौर तथा वाहन चालक जितेन्द्र बहादुर पिता लाराजी बहादुर उम्र 48 वर्ष निवासी इंदौर हैं। यातायात पुलिस ने बताया कि क्षमता से अधिक भार लेकर चलने वाले वाहन सडक़ दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ाने के साथ सडक़ों एवं पुलों को भी गंभीर क्षति पहुंचाते हैं। ओवरलोडिंग के कारण वाहन की ब्रेकिंग क्षमता, संतुलन एवं नियंत्रण प्रभावित होता है, जिससे आमजन के जीवन एवं संपत्ति को गंभीर खतरा उत्पन्न होता है।

गौठान की शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर परिषद बरही के वार्ड क्रमांक 15 स्थित हीरापुर में गौठान एवं मवेशियों के उपयोग के लिए सुरक्षित शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे के आरोप को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। वार्डवासियों का आरोप है कि कई शिकायतों के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, लगभग 5 से 7 एकड़ शासकीय भूमि गौठान, मवेशियों के चरने एवं पानी पीने के लिए सुरक्षित है। आरोप है कि वार्ड निवासी सुनील चौधरी ने उक्त भूमि को ट्रैक्टर से जुतवाकर चारों ओर बाड़ लगाकर उस पर कब्जा कर लिया है। वार्डवासियों का यह भी आरोप है कि इससे पहले सुनील चौधरी के पिता सुंदर चौधरी द्वारा भी लगभग 5 एकड़ शासकीय भूमि पर कब्जा कर उसे ईंट-भट्ठा संचालकों को किराये पर दिए जाने की शिकायतें की जा चुकी हैं। उनका कहना है कि शासन द्वारा पहले से लगभग 3 एकड़ भूमि आवंटित होने के बावजूद अतिरित शासकीय भूमि पर कब्जा किया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद बरही एवं तहसील कार्यालय में कई बार शिकायत करने के बाद भी अब तक न तो भूमि की पैमाइश कराई गई और न ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई है। इससे गौठान की भूमि सिकुड़ रही है और मवेशियों के लिए चराई एवं पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है। वार्डवासियों ने तहसील प्रशासन और नगर परिषद से मांग की है कि राजस्व अमले के साथ मौके का निरीक्षण कर शासकीय भूमि की पैमाइश कराई जाए। यदि शिकायत सही पाई जाती है तो अवैध कब्जा हटाकर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

संवेदनाएं बनीं संबल: टीबी मरीजों के साथ खड़ा हुआ जिला प्रशासन

कलेक्टर स्वयं बने नि-क्षय मित्र, अब प्रशासन, उद्योग जगत और समाज मिलकर देंगे मरीजों को पोषण और नया जीवन

कटनी (स्वतंत्रमत)

कभी समाज से दूरी और उपेक्षा झेलने वाली टीबी जैसी बीमारी के विरुद्ध अब कटनी में संवेदनाओं की नई मिसाल लिखी जा रही है। यहां इलाज के साथ-साथ अब मरीजों को अपनापन, पोषण और समाज का भरोसा भी मिलेगा। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कलेक्टर आशीष तिवारी की पहल ने इस जनस्वास्थ्य अभियान को केवल सरकारी योजना नहीं रहने दिया, बल्कि इसे जनसहभागिता का एक प्रेरक आंदोलन बना दिया है। जिले को टीबी मुक्त कटनी बनाने के संकल्प के साथ कलेक्टर तिवारी स्वयं नि-क्षय मित्र बने हैं। उन्होंने यह संदेश दिया है कि टीबी से जूझ रहे मरीजों को केवल दवाइयों की नहीं, बल्कि पौष्टिक भोजन, सामाजिक सहयोग और मानवीय संवेदनाओं की भी उतनी ही आवश्यकता होती है। उनकी इस पहल ने प्रशासनिक अधिकारियों, उद्योगपतियों और विभिन्न विभागों को भी आगे आने के लिए प्रेरित करने का काम किया है। जिसके परिणामस्वरूप जिले में सेवा और सहयोग की एक नई श्रृंखला शुरू होने जा रही है। कलेक्टर की पहल से प्रेरित होकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पीएचई ने 35, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय आरटीओ ने 50, आबकारी विभाग ने 35, लोक निर्माण विभाग ने 50, खनिज विभाग ने 50, उद्योग विभाग ने 50, पीआईयू ने 25, एमपीईबी ने 25, खाद्य विभाग ने 25 तथा मध्यप्रदेश नागरिक आपूर्ति निगम ने 35 टीबी मरीजों को

पोषणयुक्त फूड बास्केट उपलब्ध कराने की स्वैच्छिक जिम्मेदारी ली है। इसके अलावा जिले की प्रत्येक जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा प्रत्येक तहसीलदार ने भी स्वेच्छा से 20-20 मरीजों को गोद लेकर इस पुण्य कार्य में सहभागी बनने का संकल्प लिया है। बीते सोमवार को हुई समय-सीमा बैठक में सभी विभागों और अधिकारियों ने स्वेच्छा से जिला क्षय अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र दीवान को आवश्यक सहयोग राशि उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई है। योजना के तहत प्रत्येक टीबी मरीज को प्रतिमाह 600 रुपये मूल्य की पोषणयुक्त फूड बास्केट उपलब्ध कराई जाएगी। प्रारंभिक चरण में आगामी दो माह के लिए प्रति मरीज 1,200 रुपये की सहायता सुनिश्चित की गई है, ताकि उपचार के दौरान मरीजों को आवश्यक पोषण मिलता रहे। इस अभियान की विशेषता यह भी है कि कोई भी इच्छुक नागरिक, संस्था, उद्योगपति या सामाजिक संगठन नि-क्षय मित्र बनकर किसी टीबी मरीज के उपचार और पोषण की जिम्मेदारी साझा कर सकता है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए हैं कि अभियान को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ संचालित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि जिले का कोई भी पात्र टीबी मरीज पोषण सहायता से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि टीबी पर विजय केवल दवा से नहीं, बल्कि पौष्टिक आहार, समय पर उपचार और समाज के सहयोग से ही संभव है। यदि पूरा समाज इस अभियान से जुड़ेगा, तो टीबी मुक्त कटनी का लक्ष्य जल्द ही वास्तविकता में बदलेगा। कटनी में शुरू हुई यह मुहिम उन मरीजों के लिए उम्मीद की नई किरण है, जो बीमारी के साथ-साथ आर्थिक कठिनाइयों से भी जूझ रहे हैं। अब उन्हें केवल दवा ही नहीं, बल्कि यह विश्वास भी मिलेगा कि पूरा समाज उनके स्वस्थ जीवन की कामना के साथ उनके साथ खड़ा है।

स्पेन ने तोड़ा पुर्तगाल का दिल

रोनाल्डो का वर्ल्ड कप का सपना टूटा

आर्लिंगटन (टेक्सास) (वार्ता)

स्पेन ने राउंड ऑफ़ 16 के रोमांचक मुकाबले में पुर्तगाल को 1-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप के क्वार्टर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। सब्स्टिट्यूट मिकेल मेरिनो ने स्टॉपेज टाइम में विजयी गोल किया, जिससे पुर्तगाल का सफ़र खत्म हो गया और शायद क्रिस्टियानो रोनाल्डो का शानदार वर्ल्ड कप करियर भी। एटीएंडटी स्टेडियम में सोमवार को ऐसा लग रहा था कि यह मुकाबला अतिरिक्त समय में जाएगा क्योंकि दोनों टीमें 90 मिनट तक कोई गोल नहीं कर पाईं। हालांकि, स्पेन को अतिरिक्त समय के पहले मिनट में निर्णायक सफलता मिली, जब तेज़ी से ली गई फ़्री-किक ने पुर्तगाली रक्षकों को चौंका दिया। मिडफ़ील्डर फाइबियन रुइज ने यह मूव शुरू किया और फिर सब्स्टिट्यूट फ़ेरन टोरेस ने मेरिनो के लिए एक बेहतरीन थ्रू बॉल दी। मेरिनो ने शांत भाव से गेंद को गोलकीपर डियोगो कोस्टा के बगल से नीचे-बाएं कोने में पहुंचा दिया, जिससे स्पेनिश खेमे में जश्न का माहौल बन गया।

पूरे मैच के दौरान स्पेन अधिक मजबूत स्थिति में दिखा उन्होंने मिडफ़ील्ड पर बेहतर नियंत्रण रखा और ज़्यादा अच्छे मौके बनाए। मिकेल ओयारजाबल ने शुरुआत में मिले एक मौके को गंवा दिया, जबकि लामिन यमल ने अपनी रफ़्तार और क्रिएटिविटी से लगातार पुर्तगाली की रक्षापंक्ति को परेशान किया। अपनी स्वाभाविक आक्रामक फ़ुटबॉल न खेल पाने के बावजूद, स्पेन ने लगातार दबाव बनाए रखा और उन्हें देर से मिला विजयी गोल इनाम के तौर पर मिला। वहीं, पुर्तगाल के लिए अटैक में अपनी छाप छोड़ना मुश्किल रहा। पहले हाफ़ में उन्हें सबसे अच्छा मौका तब मिला जब नूनो मेंडेस का डिफ़्लेक्टेड शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। कोच रॉबर्टो मार्टिनेज़ ने गोल की तलाश में राफ़ेल लियाओ, फ़्रांसिस्को कॉन्सेकाओ और बर्नार्डो सिल्वा को मैदान पर उतारा, लेकिन स्पेन की रक्षापंक्ति अनुशासित रही। गोल खाने के बाद पुर्तगाल ने पूरी ताक़त झोंक दी। बर्नार्डो सिल्वा अतिरिक्त समय लेने के बहुत करीब पहुंच गए थे, जब उन्होंने 96वें मिनट में कॉन्सेकाओ के क्रॉस पर हेडर मारा जो नेट के ऊपरी हिस्से से टकराया; इसके बाद जोआओ नेव्स ने देर से मिली फ़्री-किक पर डाइविंग हेडर मारा जो कुछ इंच दूर रह गया। स्पेन ने मज़बूती से अपनी शानदार जीत पक्की की। इस जीत के साथ स्पेन क्वार्टर फ़ाइनल में पहुंच गया है, जहाँ उसका मुकाबला बेल्जियम से होगा ।

पुर्तगाल के लिए यह हार वैश्विक स्तर पर नॉकआउट से बाहर होने का एक और दुखद अनुभव रही। मैच के बाद ज़्यादातर ध्यान रोनाल्डो पर था। टीवी कैमरों ने फ़ाइनल विसल के बाद 41 साल के कप्तान की निराशा को कैद किया। छह वर्ल्ड कप में अपनी टीम की कप्तानी करने और फ़ुटबॉल इतिहास के सबसे शानदार इंटरनेशनल करियर में से एक का आनंद लेने वाले इस पुर्तगाली दिग्गज के बारे में माना जा रहा है कि उन्होंने टूर्नामेंट में अपना आख़िरी मैच खेल लिया है। इसके साथ ही, उस एक बड़े ट्रॉफ़ी को जीतने का उनका सपना भी भावनात्मक रूप से अधूरा रह गया, जो उन्हें कभी नहीं मिल पाई।

पुर्तगाल के कोच रॉबर्टो ने दिया इस्तीफा

पुर्तगाल फुटबॉल टीम के कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने सोमवार को स्पेन के हाथों फीफा विश्व कप के राउंड-ऑफ-16 में 1-0 से मिली हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दिया। मार्टिनेज ने 2023 में पुर्तगाल की कमान संभाली थी और टूर्नामेंट के बाद उनका अनुबंध समाप्त होने वाला था। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में मार्टिनेज ने कहा कि यूरो 2024 में क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद इस भूमिका में बने रहना समझदारी की बात नहीं होगी।

राष्ट्रपति मुर्मु ने किया डूरंड कप टूर्नामेंट की ट्रॉफियों का अनावरण

नयी दिल्ली (वार्ता)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में डूरंड कप टूर्नामेंट 2026 की ट्रॉफियों का अनावरण किया और उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आज यहां इस अवसर राष्ट्रपति ने डूरंड कप से जुड़े सभी पूर्व एवं वर्तमान अधिकारियों और खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि इस टूर्नामेंट ने अनेक प्रतिभावान फुटबॉल को मंच प्रदान किया है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि डूरंड कप, प्रेसिडेंट्स कप और शिमला ट्रॉफी जीतने के लिए इस वर्ष कुछ नई टीमें भी प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिनमें श्रीलंका की भी टीम शामिल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीमों के जुड़ने से यह ऐतिहासिक प्रतियोगिता और भी लोकप्रिय बनेगी। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों और खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि फुटबॉल विश्व के सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक है। यह खेल उत्कृष्टता, एकता और खेल भावना का एक अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इन दिनों खेले जा रहे फीफा वर्ल्ड कप में विश्व की श्रेष्ठ टीमें और खिलाड़ी अपने-अपने देशों के फुटबॉल की प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उन टीमों और खिलाड़ियों के प्रशंसक पूरे विश्व में फैले हैं जो उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हैं। फुटबॉल का खेल लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है और खिलाड़ियों का असाधारण प्रदर्शन पूरे विश्व में सभी खेल प्रेमियों को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि फुटबॉल के खेल में भारत को विश्व-स्तर पर अपना स्थान बनाने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में उल्लेखनीय भूमिका निभाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि खेल भावना का महत्व केवल खेलों तक सीमित नहीं है।

बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में किया प्रवेश

सिएटल (वार्ता)

फॉरवर्ड फोलारिन बालोगुन की निलंबन के बाद टीम में वापसी बावजूद अमेरिका की पुरुष राष्ट्रीय टीम एक बार फिर विश्व कप के राउंड ऑफ 16 से बाहर हो गई। बेल्जियम ने उसे 4-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले पांच विश्वकपों में यह चौथी बार है जब अमेरिका को इस चार में टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है। सिएटल स्टेडियम में सोमवार रात खेले गये मुकाबले में अधिकांश प्रशंसक भी उत्साहित थे। वार्मअप के लिए मैदान पर आते ही बालोगुन का जोरदार स्वागत हुआ, और

पूरे स्टेडियम में गूंजते राष्ट्रगान के बाद ऐसा लगा मानो पूरा अमेरिका जोश से भर गया हो। लेकिन पांच मैचों में पहली बार, उनकी शुरुआत धीमी रही। बेल्जियम ने किक-ऑफ से ही दबदबा बनाए रखा और लगभग तुरंत ही अपना पहला खतरनाक क्रॉस भेजा। एक मिनट के भीतर ही टिमोथी कास्टाग्ने ने दूर से जोरदार शॉट लगाकर फ्रीज़ को पूरी ताकत लगाने पर मजबूर कर दिया। मिडफील्ड में खिलाड़ी फंसे हुए से लग रहे थे। बेल्जियम का आक्रमण जारी रहा। लगभग नौ मिनट बाद, बाएं ओर से आक्रमण करते हुए, लिएंड्रो ट्रोसार्ड ने आगे बढ़कर एक आक्रमण की शुरुआत की और गेंद पेनल्टी एरिया के ऊपरी हिस्से के पास हवा में उछली। निकोलस रास्किन ने सबसे तेज़ी से प्रतिक्रिया करते हुए डेस्ट के आगे छलांग लगाई और गेंद को गोल की ओर बखूबी मोड़ते हुए डी केटेलेरे को पास किया, जिन्होंने टिम रीम और एंटोनी रॉबिन्सन के बीच से निकलकर गेंद को गोल में डाल दिया।

कुछ क्षण पहले तक स्टेडियम में जो शोरगुल मचा हुआ था, वह अचानक शांत हो गया, सिवाय बेल्जियम के कुछ प्रशंसकों के। इस टूर्नामेंट में पहली बार अमेरिका ने पहला गोल खाया था। शुरुआत में कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली। लेकिन हाइड्रेशन ब्रेक के बाद, अमेरिकी टीम ने थोड़ा आक्रामक रुख अपनाया और उन्हें तब सफलता मिली जब मलिक टिलमैन की पेनल्टी एरिया के ऊपरी हिस्से से ली गई फ्री किक बेल्जियम की डिफेंसिव दीवार से टकराकर अप्रत्याशित रूप से गोल में चली गई। टिलमैन ने जश्न मनाया - वह पिछले 60 वर्षों में विश्व कप में दो फ्री किक गोल करने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी हैं - और अमेरिका ने स्कोर बराबर कर लिया। दूसरे हाफ में भी कुछ खास देखने को नहीं मिला। डेस्ट की जगह जियो रेना मैदान पर आए, लेकिन कोई खास सफलता नहीं मिली।

ब्राजील की कंपनी एम्ब्रेयर के विमानों को डीजीसीए से मिला टाइप प्रमाणन

नयी दिल्ली (वार्ता)। ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एम्ब्रेयर के ई-जेट्स को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से टाइप प्रमाणन मिल गया है। ई-जेट्स परिवार में एम्ब्रेयर के ई190, ई195 और ई195-ई2 विमान शामिल हैं। ई195-ई2 सबसे कम ध्वनि प्रदूषण करने वाला और सबसे अधिक ईंधन-कुशल छोटे नैरोबॉडी विमानों में से एक है। डीजीसीए से मिले प्रमाणन के बाद अब भारत में इन विमानों के परिचालन का रास्ता साफ हो गया है। एम्ब्रेयर में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष राउल विलारोन ने कहा, हम एम्ब्रेयर के विमानों को टाइप प्रमाणन प्रदान किये जाने का स्वागत करते हैं और डीजीसीए को उसके व्यापक एवं गहन मूल्यांकन के लिए धन्यवाद देते हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन, बेहतर परिचालन लागत और यात्रियों के लिए उच्च स्तर के आराम के साथ एम्ब्रेयर के ई-जेट्स भारत में क्षेत्रीय विमानन को नयी दिशा देंगे और सरकार की उड़ान योजना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। कंपनी ने बताया कि अब तक दुनिया भर में ई-जेट्स की 1,900 से अधिक डिलिवरी हो चुकी हैं। दुनिया के 50 से अधिक देशों में 80 से अधिक विमान सेवा कंपनियां इनका परिचालन कर रही हैं। ई195-ई2 की परिचालन लागत कम है और यह वर्तमान में सेवा में मौजूद सबसे अधिक ईंधन-कुशल छोटे नैरोबॉडी विमानों में से एक है।

वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में उभर रहा है भारत: एसोचैम

नई दिल्ली (वार्ता)

उद्योग मंडल एसोचैम की एक ताजा अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 के बाद की दुनिया में भारत का विनिर्माण क्षेत्र तेजी से उभार पर है और देश विनिर्माण के एक प्रमुख केंद्रों के रूप में उभर रहा है। ऐसोचैम की मंगलवार को जारी वैश्विक विनिर्माण में रणनीतिक तालमेल आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण का प्रमुख लाभार्थी बनकर उभरता भारत में कहा गया है कि कोविड के बाद भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर वैश्विक औसत से दो प्रतिशत ऊपर पहुंच गयी है जबकि इस दौरान चीन की गति विश्व औसत से दो प्रतिशत से भी अधिक नीचे आ गयी है। वैसे

चीन अब भी वैश्विक विनिर्माण का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। एसोचैम ने इस अध्ययन रिपोर्ट पर एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा है, भारत तेजी से दुनिया के प्रमुख विनिर्माण केंद्रों में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन का प्रमुख लाभार्थी बनकर उभर रहा है। विश्व बैंक और एफआरईडी (सेंट लूई फेडरल रिजर्व के आर्थिक आंकड़ों) पर आधार रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी के बाद वैश्विक विनिर्माण परिदृश्य में मूलभूत परिवर्तन आया है। यद्यपि चीन अभी भी दुनिया की सबसे बड़ी विनिर्माण अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन नए विनिर्माण निवेश और उत्पादन क्षमता अब कई देशों में वितरित हो रही है, क्योंकि वैश्विक कंपनियां अधिक लचीली और विविधीकृत आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने के लिए चीन के अलावा किसी एक अन्य केंद्र से जुड़ने, देश के नजीक से खरीद और मित्रता बढ़ाने जैसी रणनीतियां अपना रही हैं।

दुनिया की 10 सबसे बड़ी विनिर्माण अर्थव्यवस्थाओं-जो वैश्विक विनिर्माण उत्पादन का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा हैं- के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत महामारी के बाद की अवधि में वैश्विक औसत की तुलना में अपने विनिर्माण प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार करते हुए उभरते विनिर्माण नेताओं में शामिल हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की औसत विनिर्माण वृद्धि दर महामारी-पूर्व अवधि में 3.44 प्रतिशत थी, जो 2022-2025 के दौरान बढ़कर 4.15 प्रतिशत हो गयी । इस दौरान भारत वैश्विक औसत से नीचे रहने से निकलकर विश्व औसत से लगभग 2 प्रतिशत अंक ऊपर पहुंच गया। यह उपलब्धि बदलते वैश्विक विनिर्माण परिदृश्य में भारत की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को दर्शाती है।

रुपया 47 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग कमजोर रहने से मंगलवार को रुपया 47 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 94.96 रुपये प्रति डॉलर बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर 25 पैसे टूटकर 95.43 रुपये प्रति डॉलर पर बंद होने वाली भारतीय मुद्रा आज 10 पैसे की मजबूती के साथ 95.33 रुपये प्रति डॉलर पर खुली। बीच कारोबार में यह नीचे 95.37 रुपये और ऊपर 94.94 रुपये प्रति डॉलर तक गयी। अंत में 94.96 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई। कारोबारियों ने बताया कि डॉलर की मांग आज कमजोर रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने भी भारतीय पूंजी बाजार में 10.43 करोड़ डॉलर का शुद्ध निवेश किया। इससे भी रुपये को समर्थन मिला। दूसरी तरफ, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में मजबूती से रुपये की बढ़त सीमित रही।

हवाई यात्रियों की संख्या मई में रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू विमान सेवा कंपनियों की उड़ानों में यात्रियों की संख्या मई में नौ प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 1.53 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मई में घरेलू एयरलाइंस की उड़ानों में एक करोड़ 53 लाख 90 हजार यात्रियों ने सफर किया। यह संख्या पिछले साल मई की तुलना में 9.49 फीसदी अधिक है। यह अब तक किसी एक महीने में यात्रियों की सबसे अधिक संख्या है। इससे पहले जनवरी में एक करोड़ 52 लाख 49 हजार लोगों ने हवाई यात्रा की थी। मौजूदा कैलेंडर वर्ष के पहले पांच महीने में जनवरी से मई तक कुल यात्रियों की संख्या 1.91 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सात करोड़ 29 लाख 40 हजार हो गयी है। पश्चिम एशिया संकट के बीच मार्च और अप्रैल के कमजोर आंकड़ों के कारण यह वृद्धि दर कम रही है। आंकड़ों के मुताबिक, यात्री संख्या के लिहाज से मई में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी 65 प्रतिशत से घटकर 64.9 प्रतिशत रह गयी। एयर इंडिया समूह की बाजार हिस्सेदारी 24.7 प्रतिशत से बढ़कर 25.6 प्रतिशत पर पहुंच गयी। स्पाइसजेट को हुए नुकसान का फायदा एयर इंडिया समूह को मिला है। स्पाइसजेट की हिस्सेदारी 3.4 फीसदी से घटकर 2.5 फीसदी रह गयी। अकासा एयर की बाजार हिस्सेदारी 5.8 प्रतिशत पर स्थिर रही।

शेयर बाजारों में चार दिन की तेजी थमी

आईटी सेक्टर में लिवाली

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चार दिन की तेजी के बाद मंगलवार को गिरावट देखी गयी, हालांकि आईटी सेक्टर में लिवाली का जोर रहा। वृहत बाजार में शुरू से ही बिकवाली हावी थी जबकि प्रमुख सूचकांक दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में लाल निशान में बंद हुए। टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट का शेयर 12 फीसदी से ज्यादा गिर गया। बीएसई का सेंसेक्स हरे निशान में खुला। दोपहर तक यह 78,664.92 अंक तक चढ़ गया था। हालांकि आखिरी घंटे में 78,031 अंक तक फिसलने के बाद अंततः 104.35 अंक (0.13 प्रतिशत) नीचे

78,180.72 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी कारोबार की समाप्ति पर 31.65 अंक यानी 0.13 फीसदी नीचे 24,398.70 अंक रहा। दोनों प्रमुख सूचकांक सोमवार को ढाई महीने के उच्चतम स्तर पर बंद हुए थे। बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गयी। वृहत बाजार में निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक स्थिर रहा जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.55 प्रतिशत फिसल गया। ट्रेंट ने सोमवार को एक अपडेट में बताया था कि चालू वित्त वर्ष की 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में उसका राजस्व 19 फीसदी बढ़कर 5,666 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह वृद्धि बाजार के अनुमान से कम है जिसके कारण आज उसका शेयर 12.42 प्रतिशत टूट गया। आईटी सेक्टर में सबसे अधिक तेजी देखी गयी। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और एफएमसीजी समूहों के सूचकांक भी हरे निशान में रहे। धातु, फार्मा, बैंकिंग, रियल्टी, रसायन, स्वास्थ्य और मीडिया समूहों के सूचकांक नीचे बंद हुए। एनएसई में कुल 3,384 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 2,083 के शेयर नीचे और 1,188 के ऊपर बंद हुए। अन्य 113 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में संपत्ति प्रबंधन के अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि लगातार चार दिन की तेजी के बाद ऊंचे भाव पर हुई मुनाफा वसूली से बाजार में गिरावट आयी है। इंडोनेशिया के साथ रक्षा समझौतों से आने वाले समय में इस सेक्टर में तेजी रह सकती है। सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयर लाल निशान में रहे। ट्रेंट के बाद अडानी पोर्ट्स ने सबसे अधिक 1.59 प्रतिशत, बीईएल ने 1.54, एलएंडटी ने 1.19 और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 1.12 प्रतिशत का नुकसान उठाया। आईसी आईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, सन फार्मा और पावरग्रिड के शेयर भी टूट गये। एचसीएल का शेयर 3.04 प्रतिशत, टेक महिंद्रा का 2.86 और इंफोसिस का 2.81 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। टाइटन में 2.62 फीसदी, इटरनल में 2.12, टीसीएस में 1.86 और बजाज फाइनेंस में 1.29 प्रतिशत की तेजी रही। बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी और हिंदुस्तान यूनीलिवर के शेयर भी हरे निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 2.12 फीसदी, चीन का शंघाई कंपोजिट 1.26 फीसदी और हांगकांग का हैंग सेंग .51 फीसदी टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.36 प्रतिशत ऊपर था जबकि जर्मनी के डैक्स में 0.66 प्रतिशत की गिरावट रही।

डॉ. यादव पीथमपुर में लियूगोंग इंडिया के मेन्युफेक्चरिंग यूनिट का आज करेंगे भूमि-पूजन

परियोजना 20 एकड़ क्षेत्र में होगी विकसित 272 करोड़ का होगा निवेश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 8 जुलाई को धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में लियूगोंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नए विनिर्माण संयंत्र का भूमि-पूजन करेंगे। चीन की अग्रणी बहुराष्ट्रीय निर्माण उपकरण निर्माता कंपनी गुआंग्शी लियूगोंग मशीनरी कंपनी लिमिटेड की भारतीय इकाई द्वारा किया जा रहा यह विस्तार मध्यप्रदेश को निर्माण उपकरण विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

नया संयंत्र लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में विकसित

पीथमपुर में स्थापित होने वाला नया संयंत्र लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इस परियोजना में 272 करोड़ रूपये का निवेश किया जा रहा है। संयंत्र में प्रारंभिक चरण में प्रतिवर्ष 6,500 निर्माण उपकरणों के उत्पादन की क्षमता विकसित की जाएगी, जिसमें मुख्य रूप से एक्सकेवेटर का निर्माण किया जाएगा। इससे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलने के साथ आयात पर निर्भरता कम होगी तथा क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। लियूगोंग विश्व की अग्रणी निर्माण उपकरण निर्माता कंपनियों में शामिल है तथा व्हील लोडर निर्माण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी पहचान रखती है। कंपनी व्हील लोडर, एक्सकेवेटर, मोटर ग्रेडर, माइनिंग डंप ट्रक, बुलडोजर, स्किड-स्टियर लोडर, फोर्कलिफ्ट, कोल्ड प्लेनर तथा अन्य आधुनिक निर्माण एवं खनन उपकरणों का निर्माण करती है।

पहला मेड इन इंडिया व्हील लोडर

कंपनी वर्ष 2008 से पीथमपुर में अपनी विनिर्माण इकाई का संचालन कर रही है। 44 एकड़ से अधिक क्षेत्र में स्थापित इस संयंत्र में प्रतिवर्ष 3 हजार व्हील लोडर एवं मोटर ग्रेडर के निर्माण की क्षमता है। वर्ष 2009 में इसी इकाई से पहला मेड इन इंडिया व्हील लोडर तैयार किया गया था। पीथमपुर स्थित इकाई में अनुसंधान एवं विकास केंद्र तथा प्रशिक्षण केंद्र भी संचालित हैं, जहां 500 से अधिक भारतीय युवा पेशेवर कार्यरत हैं। यह इकाई मेक इन इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान के उद्देश्यों को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। देशभर में सड़क निर्माण, खनन, जलविद्युत एवं पाइपलाइन परियोजनाओं सहित विभिन्न आधारभूत संरचना कार्यों में कंपनी के 4 हजार से अधिक निर्माण उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण, उत्कृष्ट औद्योगिक अधोसंरचना, सरल प्रक्रियाओं तथा निवेशक हितैषी नीतियों के माध्यम से मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी औद्योगिक निवेश केंद्र बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। लियूगोंग इंडिया का यह विस्तार राज्य में बढ़ते वैश्विक निवेशकों के विश्वास की एक और बड़ी मिसाल बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी को लगातार अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिलने से हम सभी गौरवान्वित हैं : डॉ. यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंटांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया से सम्मानित किए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि यह प्रत्येक भारतीय के लिए गौरवमयी क्षण है। यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और भारत-इंडोनेशिया के सुदृढ़ सामरिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों का सशक्त प्रमाण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा इंडोनेशियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया जाना भारत के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में बीते कुछ समय में भारत और इंडोनेशिया के संबंधों में एक नई ऊर्जा, नया विश्वास और नई गहराई आई है। हम विकास, सुरक्षा, तकनीक, संस्कृति और शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पिछले वर्ष

जब कश्मीर के पहलगाम में जघन्य आतंकवादी हमला हुआ था तब इंडोनेशिया भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को इस सर्वोच्च सम्मान प्रदान करने पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति श्री प्रबोवो सुबियांतो का आभार व्यक्त किया है।

रनेह थाने से पुलिस हिरासत में रखा आरोपी फरार

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा अनुविभाग के रनेह थाना परिसर से पुलिस अभिरक्षा में रखा गया एक आरोपी सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और आरोपी की तलाश के लिए व्यापक स्तर पर सर्च अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार फरार आरोपी की पहचान बमनपुरा निवासी 35 वर्षीय लीलाधर चौधरी के रूप में हुई है। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 37/26 के तहत धारा 105 बीएनएस तथा धारा 24 मेडिकल काउंसिलिंग एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज है। बताया गया कि आरोपी रात करीब 3 से 4 बजे के बीच थाना अभिरक्षा से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश देना शुरू कर दिया।

बुंदेली श्री सम्मान से सम्मानित हुईं डॉक्टर प्रेमलता नीलम

दमोह (स्वतंत्र मत)। बुंदेलखण्ड विश्वकोश समिति सागर के तत्वाधान में वरदान होटल के सभागार में बुंदेलखण्ड के विविध विद्वानों को साहित्यक, सांस्कृतिक, सामाजिक एंव शिक्षा के क्षेत्र मे समर्पित जन के सम्मान मे कार्यक्रम आयोजित किया गया। माता सरस्वती की पूजन, वन्दना का शुभारंभ हुआ जिसके मुख्य अतिथि प्रो. यशवंत सिंह कुलगुरु डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, अध्यक्ष विनोद मिश्र, सुरमणि दतिया विशिष्ट अतिथि प्रो. सुबोध जैन के कर कमल से अंतराष्ट्रीय कवयित्री, लेखिका हिन्दी, बुंदेली की 14 पुस्तकों की रचयिता डॉ. प्रेमलता नीलम को बुंदेली श्री सम्मान से अलंकृत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा बुंदेलखण्ड विश्वकोश आप लोगों के अतुल्य योगदान को सदैव स्मरण करेगा। वक्ता प्रमिला सागर, नीलिमा पिप्लापुरे एंव सभी विद्वानों की उपस्थिति रही। संस्था अध्यक्ष डॉ. सरोज गुप्ता ने संचालन किया सचिन चतुर्वेदी ने आभार माना।

सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने प्रतिबद्ध

एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों से टी.टी. नगर स्टेडियम में मिले मंत्री सारंग

भोपाल (स्वतंत्र मत)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टी.टी. नगर स्टेडियम में आगामी एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद कर उनकी तैयारियों, प्रशिक्षण, फिटनेस और आगामी प्रतियोगिताओं को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा उन्हें शुभकामनाएं देते हुए पूरी निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ देश का प्रतिनिधित्व करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का बड़ी संख्या में चयन होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। यह उपलब्धि खिलाड़ियों के अथक परिश्रम, प्रशिक्षकों के समर्पण तथा प्रदेश सरकार द्वारा खेलों के विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश देश के अग्रणी खेल राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है

और यहां के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। खिलाड़ियों को आधुनिक खेल अधोसंरचना, उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, वैज्ञानिक कोचिंग, खेल विज्ञान, पोषण, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। सरकार की प्राथमिकता है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हर स्तर पर आवश्यक सहयोग और अवसर प्राप्त हों। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एशियन गेम्स केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश के लिए गौरव अर्जित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्हें पूरा विश्वास है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत के लिए अधिक से अधिक पदक जीतेंगे और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ अपनी तैयारियां जारी रखें। पूरे प्रदेश की शुभकामनाएं और विश्वास उनके साथ हैं।

जबेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बड़ा हादसा टला

भरभराकर गिरी जर्जर दीवार और छज्जा

जबेरा (स्वतंत्र मत)। जबेरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार की दरमियानी रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अस्पताल के ओपीडी कक्ष की जर्जर दीवार और छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया। राहत की बात यह रही कि घटना रात के समय हुई, जब वहां कोई मरीज या कर्मचारी मौजूद नहीं था। यदि यह हादसा दिन में होता तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दीवार गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग सहम गए। घटना के बाद अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि अस्पताल की अन्य इमारतें भी काफी जर्जर हो चुकी हैं जिससे भविष्य में भी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है घटना की जानकारी मिलते ही नवागत सीबीएमओ डॉ. विशाल शुक्ला ने मौके का निरीक्षण कर तत्काल आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने भवन की स्थिति को गंभीर मानते हुए लोक निर्माण विभाग को अस्पताल भवन की मजबूती की जांच कराने के लिए पत्र भेजा है। साथ ही जर्जर और असुरक्षित हिस्सों को तत्काल बंद कर दिया गया है तथा मरीजों के उपचार के लिए सुरक्षित वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

बस स्टैंड से कब्रिस्तान मार्ग तक चला बुलडोजर

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका हटा ने लंबे समय बाद बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाते हुए बस स्टैंड, पटेरा रोड और खचना नाका, रसीलपुर मार्ग पर कार्रवाई की। नगर पालिका की पोकलेन और जेसीबी मशीन ने कई स्थानों पर अवैध कब्जे हटाए। सबसे चर्चित कार्रवाई बस स्टैंड स्थित वर्ष 1995 में तत्कालीन विधायक डॉ. विजय सिंह राजपूत की विधायक निधि से बने जर्जर यात्री प्रतीक्षालय को ढहाने की रही जिसे लेकर मौके पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई।

यात्री प्रतीक्षालय गिराने पर गरमाया माहौल-नगर पालिका के अमले ने सीएमओ राजेंद्र खरे के नेतृत्व में बस स्टैंड पहुंचकर जर्जर यात्री प्रतीक्षालय को पोकलेन से ध्वस्त कर दिया। इसी दौरान नगर पालिका अध्यक्ष शैलेंद्र खटीक, उपाध्यक्ष नीलू पाठक, पार्षद अंजर

खान और कैलाश ताम्रकार मौके पर पहुंचे। तब तक प्रतीक्षालय पूरी तरह गिराया जा चुका था। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए प्रतीक्षालय हटाने पर कड़ी आपत्ति जताई और सीएमओ से कार्रवाई का कारण पूछा। इस पर अधिकारियों ने बताया कि तत्कालीन कलेक्टर सुधीर कोचर के आदेश पर इस जर्जर भवन को हटाया जाना था जो विभिन्न कारणों से लंबित था। मौके पर संबंधित फाइल भी प्रस्तुत की गई। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

तहसीलदार डॉ. आलोक जैन और थाना प्रभारी सुधीर बेंगी ने हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों से शांतिपूर्ण संवाद बनाए रखने की अपील की। जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना प्रतीक्षालय हटाना जनहित के खिलाफ है।

ग्राम भाटिया में गायत्री यज्ञ संपन्न

हटा (स्वतंत्र मत)। समीपस्थ ग्राम भाटिया में पुरुषोत्तम साहू के निवास पर आयोजित गायत्री यज्ञ के साथ स्व. तुलसीराम साहू की पांचवीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में हटा से गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टी डॉ. गोपाल कुसमरिया सपरिवार तथा तहसील समन्वयक डॉ. रूप सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और दिवंगत तुलसीराम साहू को श्रद्धासुमन अर्पित किए। गायत्री यज्ञ का संचालन सुरेंद्र अग्रवाल ने कराया। उन्होंने कहा कि गायत्री मंत्र का नियमित जप व्यक्ति के भौतिक और आध्यात्मिक जीवन में उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। उनके अनुसार गायत्री मंत्र के प्रभाव से विपरीत परिस्थितियों और ग्रहों के प्रतिकूल प्रभावों को भी अनुकूल बनाया जा सकता है। पुण्यतिथि के अवसर पर वक्ताओं ने महाभारत का उल्लेख करते हुए कहा कि परिवार में होने वाले सत्कर्मों से पूर्वज प्रसन्न होते हैं और उन्हें उसका पुण्यफल प्राप्त होता है जबकि बुरे कार्य उन्हें दुखी करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सदैव अच्छे कर्मों का अनुसरण करना चाहिए कार्यक्रम में लक्ष्मी नायक, कल्पना साहू, कुसुम साहू, वंदना साहू, रानी साहू, हेमंत साहू, अर्चना साहू, जगदीश, रामगोपाल, चतरा बाई, किरण साहू, सोमबाई, अन्नू, कमलेश, सौरभ, सोनू, शिवम, लोकेश, उमेश, प्राची एवं दीपाली सहित अनेक श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मंत्री भूरिया

विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान बच्चे हुए पुरस्कृत

भोपाल (स्वतंत्र मत)। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास और उन्हें एक सुरक्षित, सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बच्चों के भीतर छिपी रचनात्मक प्रतिभा को सही मंच देना समाज और सरकार दोनों की साझी जिम्मेदारी है। मंत्री सुश्री भूरिया मंगलवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित जवाहर बाल भवन, भोपाल के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक प्रतियोगिताओं के गरिमामय समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने विभिन्न रचनात्मक विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को

पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया दशकों से प्रतिभाओं को निखार रहा है जवाहर बाल भवन

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों की अद्भुत और बहुमुखी प्रतिभा की जमकर सराहना की। जवाहर बाल भवन वर्ष 1987 (स्थापना 3 जुलाई 1987) से ही लगातार 5 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों की रचनात्मकता और उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को बाहर लाने का एक सशक्त और विश्वसनीय माध्यम बना हुआ है। इस वर्ष आयोजित समर कैम्प 2026 के अंतर्गत बच्चों के कौशल विकास के लिए विशेष और अत्याधुनिक कार्यशालाएं आयोजित की गई थीं, जिससे बच्चों को अपनी कला को नया आयाम देने का मौका मिला।

10 से अधिक विधाओं में बच्चों ने दिखाया हुनर-स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 3 जुलाई से लगातार संगीत, नृत्य, चित्रकला, नाटक, गृह-विज्ञान, मूर्तिकला, हस्तकला, कम्प्यूटर, खेलकूद और आधुनिक अभिनय कला जैसी 10 से अधिक विभिन्न विधाओं के अंतर्गत साप्ताहिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा था। इन प्रतियोगिताओं में शहर के सैकड़ों बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कलात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। समारोह में प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभावान बच्चों को मंच पर सम्मानित किया गया।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, विभाग की आयुक्त निधि निवेदिता तथा जवाहर बाल भवन भोपाल की संचालक उषा सोलंकी ने संयुक्त रूप से सभी विजेता बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम में रविंद्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर, अभिजीत सोलंकी भी उपस्थित रहे। मंत्री सुश्री भूरिया ने सभी पुरस्कार विजेताओं और सहभागियों को बधाई दी।

22 से श्रीमद् भागवत कथा

दमोह (स्वतंत्र मत)। अथाई आमचोपरा मार्ग पर स्थित श्री देवरास बिहारी राधा कृष्ण मंदिर में 22 से 28 जुलाई तक दिव्य गुरु पूर्णिमा महामहोत्सव के अंतर्गत श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन कराया जा रहा है। कथा व्यास रवि शास्त्री महाराज होंगे 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा मनाई जाएगी। वहीं नंदीश्वर महादेव नंदी वन मंदिर परिसर में 30 जुलाई से शिवलिंग निर्माण रुद्राभिषेक होगा। 4 अगस्त से शिव महापुराण का आयोजन होगा।

ऊर्जा विभाग के कार्यालयों में हुआ जनसुनवाई का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। ऊर्जा विभाग की मंशानुसार मप्र पूर्व क्षेत्र विविकंलि दमोह के अधीक्षण अभियंता के शिकायतों में बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु वृत्त कार्यालय दमोह, संभागीय कार्यालय तथा मैदानी क्षेत्र के उपसंभाग एवं प्रत्येक वितरण केन्द्र कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 159 उपभोक्ताओं ने उपस्थित होकर अपनी शिकायतें बताईं। जिनपर त्वरित कार्यवाही करते हुये 137 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया गयाए शेष प्रकरणों में कार्यवाही जारी है। अधीक्षण अभियंता ने विद्युत उपभोक्ताओं से यह भी अनुरोध किया है कि वे अपनी विद्युत संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित वितरण केन्द्र कार्यालय अथवा प्रत्येक मंगलवार को विद्युत विभाग के समस्त कार्यालयों में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी शिकायतों का नियमानुसार निराकरण करा सकते हैं। समस्त विद्युत उपभोक्ताओं से अधीक्षण अभियंता ने सुरक्षा की दृष्टि से अपील की है कि वे बारिश के मौसम में विद्युत खंभों एवं लाईनों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें।

न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र./480/अ-6/2026-2027
आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक क्षितिज कुमार ग्रोवर पिता सालिगराम ग्रोवर नि. 413 ए सा.सि.ला. जबलपुर ने नजूल ब्लाक नं. 33 प्लाट नं. 5/20 रकवा 3585 वारसान हक मृत्यु दिनांक 23/02/2016 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किए जाने का आवेदन पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है।

प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल सि.स्टे. ब्लाक नं. 33 प्लाट नं. 5/20 रकवा 3585 हे. पर सालिगराम आत्मज दीवान जोधाराम सा. सदर बाजार के नाम दर्ज है।

अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 09/07/2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियम दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक .... 2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक - 01/06/2026
पेशी दिनांक - 09/07/2026

सील
तहसीलदार
रांझी, जबलपुर

आम सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम त्रुटिवश शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं सम्पूर्ण संपत्ति के दस्तावेजों में कान्ता शर्मा, कान्ता सोनी, कान्ता दर्ज हो गया है। भविष्य में मैं अपना नाम कान्ता सोनी अपने सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं सम्पूर्ण संपत्ति के दस्तावेजों में कराना चाहती हूं आज से मेरा नया नाम कान्ता सोनी मेरे सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं सम्पूर्ण संपत्ति के दस्तावेजों में दर्ज किया जाये एवं आज से मैं अपने नये नाम कान्ता सोनी के नाम से जानी व पहचानी जाउंगी।

पुराना नाम
कान्ता शर्मा, कान्ता सोनी, कान्ता
नया नाम
कान्ता सोनी

आम सूचना

सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम त्रुटिवश शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं सम्पूर्ण संपत्ति के दस्तावेजों में आर.डी. सोनी, आर.डी. शर्मा, रामेश्वर दयाल, रामेश्वर दयाल सोनी, रामेश्वर दयाल शर्मा, रमेश सोनी दर्ज हो गया है। भविष्य में मैं अपना नाम रमेश दयाल सोनी अपने सभी दस्तावेजों में कराना चाहता हूं आज से मेरा नया नाम रमेश दयाल सोनी मेरे सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं सम्पूर्ण संपत्ति के समस्त दस्तावेजों में दर्ज किया जाये एवं आज से मैं अपने नये नाम रमेश दयाल सोनी के नाम से जाना व पहचाना जाउंगा।

पुराना नाम- आर.डी. सोनी, आर.डी. शर्मा, रामेश्वर दयाल, रामेश्वर दयाल सोनी, रामेश्वर दयाल शर्मा, रमेश सोनी
नया नाम
रमेश दयाल सोनी

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003
दुकान लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ट्रांसपोर्ट नगर महाराजपुर जबलपुर में दुकान क्रमांक 06 श्री रघुराज सिंह ठाकुर पिता श्री गया सिंह ठाकुर एवं श्री घनश्याम सिंह ठाकुर पिता श्री गया सिंह ठाकुर के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 19.10.2016 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त दुकान श्री रघुराज सिंह ठाकुर पिता श्री गया सिंह ठाकुर एवं श्री घनश्याम सिंह ठाकुर पिता श्री गया सिंह ठाकुर ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 19.01.2026 के माध्यम से श्रीमती सोनू अरोरा पति श्री बबलू अरोरा को विक्रय किया है। अतः श्रीमती सोनू अरोरा पति श्री बबलू अरोरा द्वारा उक्त दुकान उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण दुकान बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

नगर निगम की जनसुनवाई में पहुंचे दर्जनों आवेदक

त्वरित न्याय से खिले फरियादियों के चेहरे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर निगम मुख्यालय और सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई मंगलवार आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत लेकर आई। जनसुनवाई में निगमायुक्त ने पीड़ितों की समस्याओं को सुना और ढिलाई न बरतते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को तलब किया और शिकायतों का तत्काल निराकरण कराया। मुख्यालय में आयोजित इस सुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 36 शिकायतें दर्ज की गईं।

अनियमितताएं पाये जाने पर कारण बताओ नोटिस जारी

दो कृषि आदान प्रतिष्ठानों पर पहुंचे कृषि अधिकारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार मंगलवार को कृषि अधिकारियों ने विकासखण्ड मझौली के ग्राम पोंडा स्थित श्री राम कृषि केन्द्र एवं पौड़ी कलां स्थित पूर्णिमा कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया। श्री राम कृषि केन्द्र के कीटनाशक लाइसेंस में बिना प्रिंसिपल सर्टिफिकेट दर्ज हुये तीन कंपनियों के कीटनाशक एवं खरपतवारनाशी दवाओं का भण्डारण पाये जाने पर नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार पौंडी कला स्थित पूर्णिमा कृषि केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कीटनाशक लाइसेंस में पांच कंपनी के प्रिंसिपल सर्टिफिकेट जुडे बिना कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का भण्डारण पाया गया।

40 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ाया उपयंत्री

पनागर नगर पालिका में लोकायुक्त का छापा, जांच जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लोकायुक्त पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए मंगलवार को पनागर नगर पालिका में पदस्थ सब इंजीनियर को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी पर एक ठेकेदार का भुगतान जारी करने के एवज में कमीशन मांगने का आरोप है। इसी तरह लोकायुक्त ने एक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी को भी आरोपी बनाया है। लोकायुक्त के मुताबिक ठेकेदार राजेंद्र सतनामी ने शिकायत दर्ज कर बताया था कि उन्होंने पनागर नगर पालिका में कीटनाशक दवाओं की आपूर्ति का ठेका लिया था। कार्य का अधिकांश भुगतान हो चुका था, जबकि अंतिम भुगतान लंबित था।

मांगी थी 50 हजार की राशि– शिकायतकर्ता का आरोप था कि लंबित बिल पास करने के लिए सब इंजीनियर शुभम जैन 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग कर रहा था। काफी अनुरोध के बावजूद आरोपी अपनी मांग पर अड़ा रहा। इसके बाद राजेंद्र सतनामी ने जबलपुर लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत की। शिकायत का सत्यापन कराने पर आरोप सही पाए गए, जिसके बाद लोकायुक्त ने ट्रैप की योजना बनाई। मंगलवार को दोपहर के समय आरोपी सब इंजीनियर अपने कार्यालय में 40 हजार रुपए की रिश्वत ले रहा था। इसी दौरान लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया।

एक और कर्मचारी को भी बनाया आरोपी– इसी तरह दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी अभिलाष रजक को भी आरोपी बनाया है। लोकायुक्त की कार्यवाही के बाद पनागर नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। टीम आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। फिलहाल लोकायुक्त की जांच और दस्तावेजी कार्यवाही जारी है।

प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन 12 छात्राओं का हुआ चयन

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में डीपीएस स्कूल द्वारा किया गया आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में डीपीएस स्कूल, स्नेह नगर द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीपीएस स्कूल की प्राचार्य दीपिका रजक के मार्गदर्शन में विद्यालय से समन्वयक अंजली नेमा, शिक्षिका अनामिका पाण्डेय, प्राची पटेल एवं उनकी टीम इंटरव्यूअर के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया । प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान छात्राओं के साक्षात्कार व डेमो द्वारा चयन प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय की 12 छात्राओं का चयन किया गया । छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण रहा । इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि छात्राओं को रोजगारोन्मुखी अवसर उपलब्ध कराकर उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना भी है ।

गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का परिणाम – उन्होंने चयनित छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन एवं महाविद्यालय में प्राप्त गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का परिणाम है । साथ ही उन्होंने अन्य छात्राओं को भी निरंतर मेहनत एवं आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया ।

कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय की उप-प्राचार्य व प्लेसमेंट प्रभारी डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव द्वारा किया गया । अंत में महाविद्यालय परिवार ने डीपीएस स्कूल की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे रोजगारपरक आयोजनों के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, प्रेमलता चौबे, विजय दहायत, प्रीति नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

ब्रेक की जगह किशोरी ने दबा दिया कार का एक्सीलेटर, नाले में लटक गई कार

मदनमहल क्षेत्र की घटना, एयरबैग खुलने से बची जान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मदनमहल क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर मकान की दीवार तोड़ते हुए नाले के किनारे लटक गई। इस हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कार चला रही 18 वर्षीय किशोरी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि कार और मकान की दीवार को नुकसान पहुंचा है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह एक कार मदनमहल से एलआईसी की ओर जा रही थी।

इसी दौरान कार अचानक अनियंत्रित हो गई और एक मकान की दीवार तोड़ते हुए नाले के ऊपर जाकर लटक गई। हादसे के समय कार के एयरबैग खुल जाने से चालक किशोरी को गंभीर चोट नहीं आई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जिस मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हुई, उस समय उसमें कोई मौजूद नहीं था। यदि घर में लोग होते तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही मदनमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन किसी पक्ष द्वारा शिकायत दर्ज नहीं कराने के कारण पुलिस आवश्यक कार्रवाई के बाद लौट गई।

24 घंटे अलर्ट रहेगा आपदा कंट्रोल रूम: निगमायुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लोककर्म, जलप्रदाय, अमृत योजना और सीएम हेल्पलाइन के कार्यों की व्यापक समीक्षा जबलपुर नगर निगम के आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने निगम मुख्यालय में की बैठक में उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से जमीनी स्तर पर उतरकर निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। आगामी मौसम को देखते हुए आयुक्त ने आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह मुस्तैद रहने को कहा है। शहर के सभी छोटे-बड़े नाले-नालियों की सफाई युद्धस्तर पर करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जलभराव की स्थिति निर्मित न हो। इसके लिए संभाग स्तर पर स्थापित आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम को चौबीस घंटे सक्रिय रखा जाएगा, जिससे किसी भी आपात स्थिति में आम नागरिकों तक तुरंत राहत पहुंचाई जा सके। पेयजल और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अमृत योजना के तहत सीवरेज नेटवर्क और पार्कों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। निगमायुक्त ने जलप्रदाय विभाग को शहर के हर हिस्से, विशेषकर टेल-एंड तक स्वच्छ पानी पहुंचाने और पाइपलाइन के लीकेज को तुरंत सुधारने को कहा।

जर्जर स्कूल तोड़ते समय मजदूर के ऊपर गिरी छत, मौत

पाटन थाना क्षेत्र का मामला, दूसरे की हालत गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम कन्तोरा में मंगलवार को जर्जर शासकीय स्कूल भवन को तोड़ने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। भवन की छत अचानक भरभराकर गिरने से दो मजदूर मलबे में दब गए। हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के

मुताबिक ग्राम कन्तोरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पुराने भवन को तोड़ने का कार्य चल रहा था। मंगलवार सुबह मजदूर भवन को तोड़ रहे थे, तभी अचानक भारी-भरकम छत ढह गई और वहां काम कर रहे मजदूर मलबे के नीचे दब गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इधर घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 और पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य चलाकर मलबे में दबे दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। इस हादसे में नूनसर गांव निवासी 45 वर्षीय मनोज प्रजापति की मलबे में दबने से मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 30 वर्षीय पवन गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पाटन थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बड़ा फुहारा क्षेत्र में भरभराकर गिरी बहुमंजिला इमारत

घटना के समय खाली थी बिल्डिंग, टली बड़ी घटना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बड़ा फुहारा क्षेत्र में मंगलवार शाम एक बहु मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। इस घटना में इमारत के आसपास मौजूद दो अन्य मकान भी इसकी चपेट में आ गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मलबे में किसी के दबे होने की भी अभी तक पुष्टि नहीं हुई है। हादसे की खबर लगते ही मौके पर नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंची। जिन्होंने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के मुताबिक घटना के वक्त इमारत पूरी तरह खाली थी। जिससे एक बड़ी घटना होते होते रह गई।

फोटो: अनिल तिवारी

जांच में जुटी जिला प्रशासन की टीम– बताया जा रहा है कि पड़ोस में रहने वाले एक परिवार द्वारा नया निर्माण कार्य कराने के लिए अपने घर की दीवार तोड़ी जा रही थी। इस तोड़फोड़ के कारण मुख्य मकान के पिलर कमजोर हो गए, जिसके परिणामस्वरूप मकान के सामने का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। हालांकि ऐतिहातन तौर पर मौके पर मौजूद निगम और फायर ब्रिगेड के अमले द्वारा सर्चिंग की गई। कोतवाली थाना प्रभारी मानस द्विवेदी ने बताया कि शाम को जैसे ही बिल्डिंग गिरने की खबर मिली फौरन ही पुलिस बल सहित प्रशासन और निगम की टीम मौके पर पहुंच गई है और रेस्क्यू शुरू कर दिया गया है। बहरहाल जिला प्रशासन घटना के कारणों का पता लगाने में जुट गई है।

हितकारिणी डेंटल कॉलेज में ग्रेजुएशन डे का आयोजन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा आज 8 जुलाई को शाम 6 बजे से शहीद स्मारक में भव्य ग्रेजुएशन सेरेमनी (दीक्षांत समारोह) का आयोजन किया जाएगा। समारोह में स्नातक विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आईसीएमआर, जबलपुर के निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण के. भारती होंगे। वहीं एनएससीबी मेडिकल कॉलेज, जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. नवनीत सक्सेना विशिष्ट अतिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता हितकारिणी सभा की सभापति सुनयना पटेरिया करेंगी। इस अवसर पर हितकारिणी सभा के सचिव बाबू विश्वमोहन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. राजेश बी. धीरवानी, अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा तथा रजिस्ट्रार जय केशवानी ने सभी आमंत्रित अतिथियों एवं अभिभावकों से समारोह में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

डिजिटल दुनिया में सतर्कता ही सुरक्षा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एमपी ट्रांसको के शक्ति भवन मुख्यालय में साइबर सिक्योर 2026 अभियान के तहत विशेष साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पावर सेक्टर से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल दुनिया में बढ़ रहे खतरों के प्रति सचेत करना था। बिजली क्षेत्र जैसे संवेदनशील बुनियादी ढांचे को साइबर हमलों से सुरक्षित रखने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई । राज्य साइबर पुलिस के उमाकांती आर्मो के नेतृत्व में आए विशेषज्ञों ने कर्मचारियों को आधुनिक दौर के डिजिटल फ्रॉड से निपटने के व्यावहारिक गुर सिखाए। कार्यशाला में मोबाइल ऐप्स के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल अरेस्ट के छद्म जाल, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड और वित्तीय ठगी के नए तरीकों के बारे में लाइव केस स्टडीज के जरिए जागरूक किया गया। सब-इंस्पेक्टर मोहित पांडे ने

किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तुरंत की जाने वाली रिपोर्टिंग और कानूनी सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। वहीं, दूसरे साइबर विशेषज्ञ राज शर्मा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में आ रही नई चुनौतियों, फर्जी ई-मेल की पहचान और भारत सरकार के 'संचार साथी' ऐप की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस जागरूकता अभियान का संचालन कल्पना धुर्वे ने किया राजेश गुप्ता, डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव सहित लगभग 150 से अधिक कार्मिक उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**